फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 58 प्रभात जयपुर, शनिवार 28 सितम्बर, 2024 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

What's in a Laddo? In this one, a Piece Of God!

We cannot return home without a *Laddu*, after the divine *darshan* of Lord Venkateswara. There is no satisfaction in doing so, prasadam has to be got back for friends and relatives

It Turns Out that Earth May Have Once Had a Ring

भाजपा में भारी हड़कम्प: नड्डा के बाद संजय जोशी पार्टी के अध्यक्ष होंगे!

आर.एस.एस. के प्रमुख मोहन भागवत ने संजय जोशी को अध्यक्ष बनाने का निर्णय ले लिया है

- भागवत के सामने दो और विकल्प, मध्य प्रदेश के पूर्व मु.मंत्री शिवराज सिंह चौहान व राजस्थान की पूर्व मु.मंत्री वसुंधरा राजे के नाम भी प्रस्तुत किये गये, पार्टी के नये अध्यक्ष के लिये।
- पर, मोहन भागवत ने, राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी के संगठन मंत्री के उनके अनुभव को ध्यान रखते हुए, संजय जोशी का चयन किया है।
- जोशी ने नागपुर से इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की थी तथा वे आर.एस.एस. के पूर्णकालीन प्रचारक हैं व अविवाहित हैं।
- 2005 में एक फर्जी वीडियो प्रचारित हुआ था, जिसमें संजय जोशी को एक महिला के साथ ''कॉम्प्रोमाइज़िग पोज़ीशन'' में दिखाया गया था, जिसके बाद संजय जोशी को भाजपा से निष्काशित कर दिया गया था।
- एक समय था, जब प्र.मंत्री मोदी व संजय जोशी निकटस्थ मित्र थे तथा जोशी गुजरात के संगठन मंत्री थे लेकिन, अनबन के बाद मोदी को दिल्ली भेज दिया गया था, राष्ट्रीय स्तर पर महामंत्री मंत्री बनाकर।
- 2005 में जब मोदी मुख्यमंत्री बने तो जोशी को दिल्ली भेज दिया गया। वहाँ उन्होंने संगठन मंत्री के रूप में अच्छी भूमिका निभायी थी, अतः उन्हें अब अध्यक्ष बनाने की बात भागवत ने कही है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 सितम्बर। भारतीय जनता पार्टी में इन दिनों काफी बवाल मचा हुआ है क्योंकि आर.एस.एस. प्रमुख मोहन भागवत ने भाजपा के अध्यक्ष पद के लिए संजय जोशी का नाम आगे किया है। नागपुर के बांसठ वर्षीय संजय जोशी ने इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त की है। अविवाहित जोशी संघ के पूर्णकालिक प्रचारक हैं। जोशी को 2005 में तब भाजपा से निकाल दिया गया था जब एक महिला के साथ उनके विवादास्पद लिंक की एक सीडी वायरल हुई थी।

चर्चा है कि आर.एस.एस. प्रमुख मोहन भागवत जे.पी. नड्डा का कार्यकाल खत्म होने के बाद संजय जोशी को भाजपा का अध्यक्ष बनवाना चाहते हैं। नड्डा का कार्यकाल इस वर्ष के अंत में खत्म हो रहा है। दो अन्य नाम भी चर्चा में हैं। ये हैं केन्द्रीय मंत्री व मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे। आर.एस.एस. ने दोनों नाम ठुकरा दिए हैं तथा यह जोशी को इस पद पर देखना चाहता है क्योंकि जोशी भाजपा के संगठन महामंत्री के पद पर काम करने का अनुभव है, इससे पहले वे गुजरात में भाजपा के संगठन महामंत्री थे।

जोशी और मोदी कभी घनिष्ठ मित्र थे, पर मोदी समर्थकों ने 17 साल पहले दोनों के बीच मतभेद करवा दिए उसके बाद मोदी ने जबरन जोशी को वनवास दे दिया। जोशी गुजरात में भाजपा के संगठन मंत्री के रुप में बेहद सफल साबित हुए और उनके समय में ही

(शेष पृष्ठ 3 पर)

मातृभूमि के श्रेयांश कुमार आई.एन.एस. के अध्यक्ष निर्वाचित

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 सितम्बर। समाचार पत्र प्रकाशकों की सर्वोच्च संस्था इण्डियन न्यूज़ पेपर सोसायटी की 85वीं वार्षिक जनरल मीटिंग में वर्ष 2024-25 के लिए मातृभूमि के एम.वी. श्रेयांश कुमार को अध्यक्ष चुना गया है वे आज समाज के राकेश शर्मा को स्थान

- वीडियो कॉन्फ्रैंसिंग के जरिए हुई 85वीं जनरल मीटिंग में राष्ट्रदूत साप्ताहिक के सोमेश शर्मा कार्यकारिणी सदस्य चुने गये हैं।

लेगे। सन्मार्ग के विवेक गुप्ता डिप्टी प्रैसिडैंट, लोक मत के करण राजेन्द्र दर्डा वाईस प्रैसिडैंट व अमर उजाला के तन्मय माहेश्वरी कोषाध्यक्ष चुने गए हैं।

वीडियो कॉन्फ्रैंसिंग के जरिए हुई इस वार्षिक बैठक में राष्ट्रदूत साप्ताहिक के सोमेश शर्मा सहित 41 कार्यकारिणी सदस्य चुने गए हैं।

पंजाब भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ के इस्तीफे की चर्चा जोरों पर

भाजपा नेता इसे अफवाह बता रहे हैं, पर, सुनील जाखड़ मौन हैं

- अगले माह होने वाले पंचायत चुनावों को देखते हुए इस चर्चा ने भाजपा के समक्ष चुनौती खड़ी कर दी।
- वरिष्ठ कांग्रेसी नेता एवं लोकसभा स्पीकर, स्व. बलराम जाखड़ के पुत्र सुनील जाखड़ ने मई 2022 में कांग्रेस छोड़कर भाजपा की सदस्यता ली थी, तुरंत ही उन्हें राष्ट्रीय कार्यकारिणी में शामिल किया गया, फिर पंजाब भाजपा का अध्यक्ष बना दिया गया।
- भाजपा में सुनील जाखड़ को इस शुरुआती सफलता को भाजपा के संघ पृष्ठभूमि वाले नेता स्वीकार नहीं कर पाए, जाखड़ शुरु से ही उनके निशाने पर हैं।
- जाखड़ ने उपेक्षा का आरोप लगाकर कांग्रेस छोड़ी थी और उन्हें लगता है कि भाजपा में उनकी अवहेलना हो रही है। रवनीत सिंह बिट्टू को केन्द्रीय मंत्री बनाना भी जाखड़ की नाराज़गी का कारण है।

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 सितम्बर। अगले महीने होने वाले पंचायत चुनावों से ठीक पहले, पंजाब भाजपा अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के सुनील जाखड़ के प्रस्ताव से भगवा पार्टी के समक्ष एकाएक चुनौतियाँ खड़ी हो गई हैं। जाखड़ के इस कदम को भगवा दल के अन्दर 'अन्दरुनी' (स्थानीय) बनाम 'बाहरी' की बढ़ती जा रही लड़ाई के संकेत के रुप में देखा जा रहा है।

राज्य के भाजपा नेताओं ने, जाखड़ के इस्तीफे की अफवाहों को खारिज करते हुये, इसे ''विपक्षी दलों द्वारा किया जा रहा दुष्प्रचार'' बताया है। जाखड़ के सचिव ने भी इस खबर का खंडन किया है, लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि सोशल मीडिया में चल रहीं उनके त्यागपत्र की चर्चाओं के बीच, जाखड़ स्वयं खामोशी धारण किये हुये हैं।

भाजपा में जाखड़ की शुरुआत खराब नहीं थी। मई 2022 में कांग्रेस से इस्तीफा देने के कुछ समय बाद ही वे पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में ले लिये गये थे तथा उसके बाद उन्हें पदोन्नत कर, पंजाब भाजपा अध्यक्ष बना दिया गया था। लेकिन उनका भाजपा में शामिल होना बहुत सहज और निर्विघ्न नहीं रहा था। वे तथा कांग्रेस से आये अन्य लोग भी भाजपा के मूल कार्यकर्ताओं तथा स्वयंसेवकों के प्रतिरोध का सामना करते आ रहे हैं। लोकसभा चुनावों में, भाजपा पंजाब में एक भी सीट नहीं जीत सकी थी, लेकिन जाखड़ खेमे को इस तथ्य से संतोष अनुभव हो रहा था कि पार्टी का वोट शेयर, जो 2019 में 9 प्रतिशत था, 2024 में बढ़कर 18.5 प्रतिशत हो गया था। लेकिन उनके

(शेष पृष्ठ 3 पर)

'सी.बी.आई. को प्रारंभिक जाँच करने का आदेश नहीं दे सकता हाई कोर्ट'

सुप्रीम कोर्ट ने शिक्षक भर्ती मामले में सी.बी.आई. जाँच के लिए दिए गए कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश को खारिज कर दिया है

- सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी टिप्पणी की कि सिर्फ दुर्लभतम केस में ही हाई कोर्ट सी.बी.आई. को प्रारंभिक जाँच के आदेश दे सकता है और इसके लिए हाई कोर्ट को कारण बताना होगा कि राज्य प्रशासन की जाँच गलत व पक्षपाती है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 सितम्बर। सर्वोच्च न्यायालय ने आज कलकत्ता उच्च न्यायालय के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें प्राथमिक जाँच सी.बी.आई. से कराने के निर्देश दिये गये थे। न्यायालय ने कहा कि इस प्रकार के निर्देश बहुत ही असाधारण मामलों में दिये जाते हैं, और वो भी उस समय, जब उच्च न्यायालय राज्य की जाँच को पक्षपातपूर्ण मानने के कारण भी रिकॉर्ड पर लेता है।

उच्च न्यायालय संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत, अपने अधिकारों को काम में लेते हुये जाँच का काम सी.बी.आई. को सौंप तो सकता है लेकिन ऐसा करने के लिये, उसे इस बात का कारण देना होता है कि उसे ऐसा क्यों लग रहा है कि राज्य पुलिस द्वारा की जा रही जाँच निष्पक्ष नहीं है। केवल कुछ पत्रों के आधार पर, इस प्रकार की कवायद न्यायसंगत सिद्ध नहीं हो जाती। एकल न्यायाधीश द्वारा दिये गये आदेश को देखने पर यह उजागर होता है कि ऐसा कोई हल्का सा भी संकेत नहीं है कि न्यायालय ने ऐसा क्यों मान लिया कि राज्य द्वारा कराई जा रही जाँच पक्षपातपूर्ण है जिससे सी.बी.आई. द्वारा जाँच किये जाने के निर्देश देना आवश्यक प्रतीत हुआ। न्यायमूर्ति बी.आर. गवई और के.वी. विश्वनाथन की बैंच ने कहा, ''इन्हीं कारणों से, विद्वान डिवीजन बैंच द्वारा पारित आदेश कानूनन मान्य नहीं है।''

संदेहस्पद आदेशों, जिनके जरिये प्राथमिक जाँच सी.बी.आई. को सौंप दी गई, को रद्द करते हुये सर्वोच्च न्यायालय ने आदेश दिये कि उच्च न्यायालय के एकल जज संदर्भित रिट पिटीशन पर कानून के अनुसार निर्णय लेंगे। संक्षेप में, एक रिट पिटीशन उच्च न्यायालय में दायर किया गया था, जिसमें गोरखा टेरिटोरियल एडमिनिस्ट्रेशन, (जी.टी.ए.) में वॉलंटरी शिक्षकों की भर्ती एवं नियमितीकरण से सम्बंधित कई मुद्दे

(शेष पृष्ठ 3 पर)

'कांग्रेस एक जमीन से जुड़ी पार्टी है'

भाजपा ने कांग्रेस पर कटाक्षों की बौछार की, कर्नाटक सरकार द्वारा सी.बी.आई. को राज्य में बिना सरकार की इजाज़त किसी भी मामले की जाँच करने का अधिकार वापस से लेकर

- भाजपा ने व्यंग्य किया कि कांग्रेस ''मोहब्बत की दुकान नहीं चला रही,'' बल्कि अब ''भ्रष्टाचार की भाईजान है'' व ''मीडिया को धमकी की दुकान है'' तथा, ''एस.सी. समाज के राज्यपाल का अपमान करने की दुकान है।''
- प्रवक्ता के अनुसार, कांग्रेस जब सत्ता में आती है तो एस.सी./एस.टी. समाज की जमीनों को अपने रिश्तेदारों के नाम करना उसका मुख्य काम होता है और कानून से बचने के लिये, वह उस इजाज़त को भी वापस ले लेती है, जो उसने स्वयं सी.बी.आई. को राज्य में तहकीकात करने के लिए दे रखी थी।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 सितम्बर। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने नई दिल्ली में पार्टी मुख्यालय में एक प्रैस कॉन्फ्रैंस को संबोधित किया और सी.बी.आई. को जाँच के लिए दी हुई सहमति वापस लेने की आलोचना की, उन्होंने कहा कर्नाटक में कांग्रेस एम.यू.डी.ए. (मैसूर अरबन डवलपमैंट अथॉरिटी) के जमीन घोटाले की जाँच नहीं कराना चाहती है इसलिए यह फैसला किया गया है। उन्होंने सिद्धारमैया के मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बने रहने के नैतिक आधार पर सवाल उठाया।

पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस मोहब्बत की दुकान नहीं चला रही है बल्कि कांग्रेसी भ्रष्टाचार के भाईजान हैं, मीडिया को धमकी की दुकान और एस.सी. समाज के राज्यपाल के अपमान करने की दुकान चलाते हैं।

उन्होंने कांग्रेस के ''जमीन से जुड़ी पार्टी'' होने के दावे की खिल्ली उड़ाई और कहा कि जब भी कांग्रेस पार्टी सत्ता में आती है। यह एस.सी./एस.टी. को आवंटित जमीन अपने लोगों को आवंटित कर देती है। सत्ता में आने के बाद कांग्रेस का मुख्य कार्य बस लूटना ही होता है।

कानून से बचने के लिए इसने सी.बी.आई. जाँच के लिए दी गई सहमति भी वापस ले ली। उनका संकल्प सिर्फ भ्रष्टाचार के प्रति है और जब उनके खिलाफ जाँच शुरू करने की अनुमति दी गई तो इन्होंने सी.बी.आई. को दी गई सहमति वापस ले ली, बिल्कुल ''प्रोफेशनल चोर'' की तरह काम किया है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि कांग्रेस पार्टी पहले चोरी करती है, फिर

(शेष पृष्ठ 3 पर)

गजेन्द्र सिंह फोन टैपिंग मामले की जाँच दिल्ली पुलिस करेगी

- राजस्थान सरकार ने दिल्ली हाई कोर्ट को विश्वास दिलाया है कि वह दिल्ली पुलिस की जाँच में पूरा सहयोग करेगी।

जयपुर, 27 सितंबर। केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत फोन टैपिंग मामले में राज्य सरकार ने शुक्रवार को दिल्ली हाईकोर्ट में कहा है कि इस मामले की जांच दिल्ली पुलिस ही करेगी और वे भी इसमें सहयोग करेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ओ.एस.डी. रहे लोकेश शर्मा की याचिका पर सुनवाई के दौरान राज्य की ओर से ए.ए.जी. शिवमंगल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने अधिकारिक तौर पर इस मामले में दिल्ली पुलिस की ओर से जांच करने संबंधी मुकदमा वापस ले लिया है। ऐसे में उन्हें इस केस में दिल्ली पुलिस की ओर से जांच करने पर कोई भी आपत्ति नहीं है और वह भी उन्हें सहयोग करेगी।

वहीं, दिल्ली पुलिस की ओर से सीनियर एडवोकेट संजय जैन ने कहा कि मामले की परिस्थितियों में बदलाव हो गया है। ऐसे में इस पिटिशन में सुनवाई के लिए कुछ नहीं रहा है। इस मामले में उन्हें जांच कार्रवाई आगे करनी है, इसलिए जल्द सुनवाई की जाए। अदालत ने राज्य सरकार व दिल्ली पुलिस की दलीलें सुनने के बाद मामले की सुनवाई 14 नवंबर को तय की। गौरतलब है कि इस मामले में गजेन्द्र सिंह शेखावत ने पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत के ओ.एस.डी. लोकेश शर्मा के खिलाफ मार्च 2021 में एफ.आई.आर. दर्ज करवाई थी। इस मामले में लोकेश शर्मा ने उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। मामले में लोकेश शर्मा की गिरफ्तारी पर अदालत ने रोक लगा रखी है।

एकल, सरलीकृत जीएसटी कांग्रेस की गारंटी : राहुल

- सोशल मीडिया पर राहुल गाँधी ने इसे विचित्र गब्बर सिंह टैक्स करार दिया।

नयी दिल्ली, 27 सितम्बर (वार्ता) कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि मोदी सरकार ने वस्तु एवं सेवाकर (जीएसटी) को अत्यधिक जटिल बनाकर रखा है जिसने अर्थव्यवस्था की जान, छोटे और लघु उद्योगों की क्षमता को कुचल कर रख दिया है, इसलिए कांग्रेस की सरकार बनने पर जीएसटी को सरल बनाया जाएगा।

गांधी ने सोशल मीडिया पोस्ट पर जीएसटी को विचित्र गब्बर सिंह टैक्स करार देते हुए कहा है कि यह एमएसएमई की लाभप्रदता और उत्पादन क्षमता को कुचल रहा है।

उन्होंने कहा, इससे अधिक परेशान करने वाली और क्या बात हो सकती है। संघर्षरत छोटे व्यवसाय मालिकों की वाजिब समस्याओं को हल करने की

(शेष पृष्ठ 3 पर)

क्या नायडू ने तिरुपति लड्डू की अशुद्धि का विवाद खड़ा करने से पहले इसकी पेचीदगियां समझ ली थीं?

क्योंकि इस समूचे विवाद में कई संदेह जताए जा रहे हैं

- पहला संदेह तो यह ही है कि जब जुलाई में ही लड्डू में पशु चर्बी मिलावट की रिपोर्ट आ गई थी तो सितम्बर में जाकर यह विवाद क्यों खड़ा किया गया।
- यह सवाल भी पूछा जा रहा है कि लड्डू की जाँच एक ही लैब में क्यों करवाई गई और आंध्र प्रदेश व तेलंगाना की किसी लैब में जाँच क्यों नहीं हुई?
- निष्पक्ष विश्लेषक पूछ रहे हैं कि जैसा टी.टी.डी. ने दावा किया है कि तमिलनाडू की कंपनी से चार टैंकर दूषित घी के आए थे, पर, उनका प्रसादम में इस्तेमाल नहीं किया गया, अगर ऐसा था तो रेड्डी दोषी कैसे हैं।
- इस विवाद के बीच रेड्डी ने तिरुपति मंदिर जाने की घोषणा की तो नायडू, पवन कल्याण ने कहा, वे घोषणा करें कि उनकी वेंकटेश्वर स्वामी में आस्था है। वैसे यह कोई बड़ी बात नहीं है, क्योंकि जगनमोहन के पिता जब मुख्यमंत्री थे, उन्होंने यह घोषणा की थी, सोनिया गांधी, पूर्व राष्ट्रपति स्व. ए.पपी.जे. कलाम भी ऐसा कर चुके हैं।

-लक्ष्मण वेंकट कूची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 सितम्बर। तिरुपति लड्डू कथित रूप से पशु चर्बी से दूषित होने के बारे में बहुत कुछ कहा जा रहा है और यह मुद्दा आंध्र प्रदेश, यहाँ तक कि देश के बाकी हिस्सों में बहुसंख्यक हिंदू समुदाय की धार्मिक भावनाओं से जुड़ा एक अत्यधिक भावनात्मक मुद्दा बन गया है।

लेकिन तेलुगू देशम पार्टी (टी.डी.पी.) सुप्रीमो और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू द्वारा शुरु किए गए तथा उनके गठबंधन पार्टनर व उपमुख्यमंत्री, फिल्म स्टार पवन कल्याण द्वारा प्रमुखता से शिखर पर पहुँचाए गए इस विवाद को ध्यान से समझने पर इसमें कई कमियाँ नज़र आती हैं।

घटनाक्रम तथा बालाजी मंदिर के संचालक तिरुमला तिरुपति देवस्थानम के परस्पर विरोधी वक्तव्यों ने आंध्र प्रदेश की नई सरकार को इस विवाद के बीच में लाकर खड़ा कर दिया है। कई ऐसे प्रश्न उठ रहे हैं जिनके उत्तर मिलना जरूरी हो गया है। पहला, यदि लैब को भेजे गए सैम्पलों का लैब टैस्ट जुलाई में हुआ तो लैब टैस्ट की रिपोर्ट सितंबर के उत्तरार्ध में सार्वजनिक क्यों की गई। यह भी कि केवल एक ही लैब को सैंपल क्यों भेजे गए, अन्य लैब्स को क्यों नहीं, और आंध्र प्रदेश व तेलंगाना की किसी लैब को क्यों नहीं भेजे गए।

फिर, टी.टी.डी. के विरोधाभासी दावे भी हैं, जिनमें कहा गया कि तमिलनाडू की एक फर्म द्वारा सप्लाई किए गए घी के चार टैंकरों में मिलावट पाई गई और इन टैंकरों

(शेष पृष्ठ 3 पर)

syngenta सूचना धोखाधड़ी की चेतावनी

सर्वसाधारण को इस सूचना के द्वारा अवगत कराया जाता है कि कुछ धोखेबाज व्यक्ति अवैध रूप से नकली वेबसाइट का प्रयोग करके सिंजेंटा (Syngenta) के नाम पर लोगों को पैसा निवेश करने और उन्हें पर्याप्त लाभ का आश्वासन देते हैं। इस धोखाधड़ी वाली योजना को 'SyngentaINr.com', 'Syngenta TopIn.com', 'SyngentaIndia.uk', व्हाट्सएप ग्रुप और यूट्यूब चैनल जैसे डोमेन नामों के माध्यम से उनके अवैध लाभ के लिए 'पोंजी' योजना के रूप में प्रधारित किया जाता है। सिंजेन्टा इंडिया निवेश और रिटर्न के संबंध में ऐसा कोई कार्यक्रम नहीं पेश करता है। इसलिए, आम जनता को सिंजेन्टा के नाम और ब्रांड का दुरुपयोग करके चलाई जा रही ऐसी किसी भी अवैध पोंजी योजना में अपना पैसा निवेश करने के प्रति सावधान किया जाता है। कोई भी व्यक्ति जो इस तरह की 'पोंजी' योजनाओं का हवाला देकर सिंजेन्टा के नाम का दुरुपयोग करके पैसे स्वीकार करता है, उसे कानून का उल्लंघन करने वाला और भारतीय न्याय संहिता 2023 के साथ-साथ ट्रेडमार्क अधिनियम, 1999 के तहत दंडनीय अपराध करने वाला माना जाएगा। सिंजेन्टा इंडिया ने ऐसी पोंजी योजनाओं से जुड़े किसी भी व्यक्ति की पहचान करने और उसके खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए पहले ही उचित कानूनी कदम उठाए हैं। इसलिए आम जनता को सलाह दी जाती है कि वे 'सिंजेन्टा' के नाम पर संचालित की जा रही उक्त पोंजी योजना से संबंधित किसी भी जानकारी के बारे में तुरंत पुलिस विभाग के साइबर सेल को सूचित करें।

Syngenta India Pvt. Ltd.

विचार बिन्दु

इस विश्व में स्वर्ण, गाय और पृथ्वी का दान देने वाले सुलभ है लेकिन प्राणियों को अभयदान देने वाले इन्सान दुर्लभ हैं। –भर्तृहरि

प्रदेश में बढ़ रहा मौसमी बीमारियों का प्रकोप : अलर्ट मोड पर सरकार

मौसम परिवर्तन और बीमारियों का चोली दामन का साथ है। सितम्बर का महीना समाप्त होते होते मौसम भी करवट लेता है। मानसून ने भी विदाई ले ली है। तापमान में भी घटत-बढ़त हो रहा है। प्रदेश में भारी बारिश से जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया था। ऐसे में बहुत से लोग मौसम में परिवर्तन को झेल नहीं पाते और तबीयत बिगड़ जाती है। विशेषकर जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर है वे मौसमी बीमारियों का शिकार हो जाते है। राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, पंजाब, यूपी, एमपी आदि प्रदेशों से मिली खबरों के मुताबिक मौसम परिवर्तन के साथ ही मौसमी बीमारियां और वायरल बुखार का प्रकोप पैर पसारने लगा है, जिसके चलते चिकित्सालय में मरीजों की संख्या में भारी इजाफा हुआ है। रोगियों को घंटों लाइन में लगने के बाद चिकित्सक को दिखाने के लिए नंबर आ रहा है। मौसम परिवर्तन के साथ चिकनगुनिया, डेंगू, वायरल बुखार, उल्टी-दस्त के रोगियों की संख्या बढ़ी है। मच्छरों का प्रकोप भी बीमारियां बढ़ाने में सहायक हो रहा है। डॉक्टरों के अनुसार तापमान में उतार-चढ़ाव के चलते मौसमी बीमारियां बढ़ी हैं।

मौसमी बीमारियों के खतरे को देखते ही राजस्थान में शासन प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर द्वारा आला अधिकारियों को दिए निर्देशों का असर देखा जा रहा है। मेडिकल टीमों की संख्या बढ़ाई जा रही है साथ ही हर जिले के काम की समीक्षा भी की जा रही है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव ने मौसमी बीमारियों की स्थिति की समीक्षा करते हुए इस संबंध में दिशा-निर्देश दिए है। सभी सम्बद्ध जिम्मेदार अधिकारियों को मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए मिशन मोड में काम करने के निर्देश दिए गए है। निर्देशों में कहा गया है मौसमी बीमारियों के लिए नियंत्रण कक्ष को और सुदृढ बनाया जाए। निदेशालय स्तर पर स्थापित कन्ट्रोल रूम (0141-2225624) में समस्त जिलों से प्राप्त समस्याओं और शिकायतों का इन्द्राज कर 24 घण्टे में उनका निस्तारण किया जाए। इसी प्रकार प्रत्येक जिले में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय पर स्थापित कन्ट्रोल रूम में दर्ज समस्याओं का भी 24 घण्टे में समाधान सुनिश्चित करें। डेंगू, मलेरिया, चिकुनगुनिया, स्क्रबटायफस आदि मौसमी बीमारियों से प्रभावित क्षेत्रों में रेपिडरेस्पान्स टीमें भ्रमण कर गम्भीर रोगी की जांच एवं उपचार प्रदान करें। आवश्यकता होने पर चिकित्सा संस्थान में रैफर करें और बचाव व नियंत्रण संबंधी कार्यों यथा एन्टीलार्वल, मच्छर रोधी, फोगिंग, सोर्स रिडक्शन आदि गतिविधियों की गुणवत्ता भी सुनिश्चित करें। राजधानी के सवाई मानसिंह अस्पताल में मौसमी बीमारी के रोगियों के लिए अलग से ओपीडी का संचालन किया जाएगा। आपातकालीन सेवाओं के सामने वाहन शाखा और क्रिटिकल केयर ब्लॉक के पास सुबह 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक ओपीडी का संचालन किया जाएगा।

शुरुआत में चिकनगुनिया में तेज बुखार, लगातार सिरदर्द, आंखों से पानी आना और थकान होना इसकी विशेषता है। इस बीमारी में भले बुखार उतर जाए, लेकिन थकान और सिरदर्द बना रहता है। अधिकांश रोगियों को जोड़ों में दर्द की शिकायत भी होती है। यह दर्द हफ्तों और महीनों के लिए बना रह सकता है। तेज बुखार, सिर दर्द, मतली आना, बदन दर्द और लाल चकत्ते होना डेंगू की पुष्टि करता है।

प्रदेशभर से मिली जानकारी के मुताबिक मौसम में आये बदलाव के साथ ही मौसमी बीमारियों ने घर-घर दस्तक दे दी है। घर-घर में मौसमी बीमारियां से पीडित लोगों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। अस्पतालों में बच्चों से बुजुर्ग तक इलाज के लिए लाइन में लगे देखे जा सकते है। सरकार ने स्वास्थ्य विभाग को पहले ही अलर्ट कर दिया था। राजस्थान में डेंगू बुखार ने कहर मचा रखा है। अस्पतालों में डेंगू पीड़ितों की संख्या कम होने का नाम नहीं ले रही है। सरकारी उपाय नाकाफी साबित हो रहे है। यही स्थिति उत्तर भारत के अन्य प्रदेशों की है।एक मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है मच्छरों ने घर घर में आतंक फैला रखा है जिसकी चपेट में बच्चे से बुजुर्ग तक आ रहे है। सर्वाधिक मानसूनी वर्षा वाले प्रदेशों में मच्छर जनित बीमारियों के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने अलर्ट जारी किया है। सबसे अधिक प्रभावित जिलों की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है।

कहते हैं कि पिछले कुछ वर्षों में कंस्ट्रक्शन बढ़ा है। यह मच्छरों से होने वाली बीमारी का एक कारण है। कंस्ट्रक्शन साइट्स पर मच्छर ज्यादा पनप रहे हैं। वहीं पहले के मुकाबले सर्विलांस बढ़ा है। इस वजह से भी डेंगू के मामले अधिक दर्ज हो रहे हैं। बताते हैं कि न तो डेंगू, चिकनगुनिया की कोई दवा है और न ही वैक्सीन। चिकनगुनिया और डेंगू मच्छर के काटने की वजह से होते हैं। मादा एडिसएजिप्टी मच्छर के काटने कारण माना जा रहा है। लेकिन कुछ मामलों में, एडीज मच्छर का काटना भी इस बीमारी की वजह मानी जा रही है। चिकित्सा विशेषज्ञों का मानना है कि 5 अलग-अलग प्रकार के वायरस इन मच्छरों से फैल रहे हैं, जो इस बीमारी का कारण बन रहे हैं। डेंगू गैर-संक्रामक है, यह एक मरीज से सीधे किसी अन्य व्यक्ति में नहीं फैल सकता। चिकनगुनिया वायरस भी मच्छर ही द्वारा किया जाता है। हालांकि दोनों बीमारियों की पहचान विशिष्ट वायरस से हो सकती है। शुरुआत में चिकनगुनिया में तेज बुखार, लगातार सिरदर्द, आंखों से पानी आना और थकान होना इसकी विशेषता है। इस बीमारी में भले बुखार उतर जाए, लेकिन थकान और सिरदर्द बना रहता है। अधिकांश रोगियों को जोड़ों में दर्द की शिकायत भी होती है। यह दर्द हफ्तों और महीनों के लिए बना रह सकता है। तेज बुखार, सिर दर्द, मतली आना, बदन दर्द और लाल चकत्ते होना डेंगू की पुष्टि करता है। रोगियों की संख्या में डेंगू बुखार एक रक्तस्त्रावी जो अनिश्चितता के बादल कम ब्लड प्लेटलेट्स का स्तर और रक्त प्लाज्मा के रिसाव में परिणाम का कारण बनता है। डेंगू भी भारी रक्तस्त्राव मौत का कारण बन सकता है। डेंगू और चिकनगुनिया के बीच का अंतर जानने के लिए रोगी के खून की जांच जरूरी है। इससे खून में मौजूद विशिष्ट वायरस का पता लगा सकते हैं।

–अतिथि संपादक,
बालमुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

केंद्र सरकार ने कभी नहीं चाहा कि मिडिल इनकम ग्रुप की माली हालत सुदृढ़ बने, क्यों?

प्रो. वीर बहादुर सिंह

गरीब, अति गरीब और निम्नतम आय वर्ग निम्न आय वर्ग, मध्यम आय वर्ग सदैव चुनाव के समय सरकार का ध्यान आकर्षित करते रहे हैं। इस तथ्य के पीछे सरकार की मंशा या नीयत पारदर्शी कभी नहीं रही। कारण साफ़ है वोट बैंक कैसे सुदृढ़ बने और आगे भी बना रहे? अब हालात ऐसे हैं कि जैसे-जैसे संसाधन बढ़ रहे हैं, सरकार में बैठे वित्त मसलों के लोग इस फिराक में रहते हैं कि संसाधनों का उपयोग कैसे सीमित हो और कमाऊ भी बना रहे? सरकार में ऐसे अनेक बड़े संसथान हैं जो हर प्रकार का अन्वेषण करते हैं और सतत करते भी रहते हैं। उदाहरण के लिए सांख्यकी, कृषि सांख्यकी, आर्थिक सर्वे, विज्ञान, मेडिकल, भूमि, फारेस्ट, वाइल्ड लाइफ आदि-आदि। इनके अतिरिक्त अन्य दूसरे विभाग भी अपने-अपने उद्देश्य के अनुसार सर्वे बड़े क्षेत्र से लेकर छोटे स्तर तक सर्वे करते हैं ताकि मूल अध्ययन, तत्पश्चात परीक्षण करने से पहले वर्तमान स्थिति का ज्ञान हो सके। तत्पश्चात सतही आंकलन कर परीक्षण आरम्भ कर फिर देखा जाये कि परीक्षण के उपरांत उस क्षेत्र में क्या परिवर्तन आया और कितना? अनुसन्धान में यह प्रक्रिया सदैव अपनाई जाती है। केवल प्रयोगशालाओं में परीक्षणों को छोड़कर। ऐसे सभी अन्वेषण करने में सांख्यकी के महत्वपूर्ण टूल्स अपनाये जाते हैं।

कृषि विश्वविद्यालयों में तो सांख्यकी की शिक्षा और उसका उपयोग दोनों सिखाये जाते हैं। बाद के प्रोफेशन में अनुसन्धान लगभग हर विषय में होता रहता है। इससे प्राप्त आंकड़े रिसर्च पत्रिकाओं में समय-समय प्रकाशित भी होते रहते हैं। कृषि और किसानों से सम्बंधित तो एक परियोजना वर्षों से पूरे देश में चालू है जिसके आंकड़े सम्बंधित मंत्रालय उपयोग करते हैं। कृषि उपज मूल्य और लागत से किसान की माली हालत का भी आंकलन वस्तुत: हो जाता है। इन्ही सब अन्वेषणों के आधार पर देश में आर्थिक आधार पर लोगों का वर्गीकरण भी किया हुआ है। जनता को दिखाने के लिए सरकार अनेक योजनाएं गरीबों और मध्यम वर्ग के लोगों के लिए चलाती है परन्तु वास्तविक लाभ उन लोगों तक पहुंच पाता है अथवा नहीं यह एक गूढ़ रहस्य है और संदेहास्पद भी। एक बात मैं निश्चित तौर पर कह सकता हूँ कि हज़ारों रुपये उन्हें देने के बाद भी गरीबी और गरीब देश में कम नहीं होते? भ्रष्टाचार भी इसमें अहम कार्य निभाता है।

देश की प्रबंध व्यवस्था में भ्रष्टाचार कपड़ा बुनने की भांति इतना मिल गया है कि उसे निकालने का अर्थ कपड़े को फाड़ना ही है। सांख्यकी कहती है कि किसी भी परियोजना को शुरू करने से पूर्व वर्तमान स्थिति का आंकलन करना जरुरी है जिससे कुछ समय बीतने के बाद पुन: आंकलन कर यह सुगम हो जाता है कि परियोजना से कितना अंतर आया? यह सरकार नहीं कराती और कराती भी है तो उसे प्रकाशित नहीं करती। इसलिए सब कुछ अँधेरे में ही चलता रहता है। अब यह भी जान लिया जाय कि विकसित किस्मे और वैज्ञानिक तकनीक कहाँ से उपजती है? यह सब होता है कृषि वैज्ञानिकों के द्वारा किये गए अनुसन्धान और प्रसार शिक्षा के माध्यम से। पाठकों को यहाँ जानना जरुरी है कि अधिकांश संस्थानों में अनुसन्धान और प्रसार कार्य करने वाले वैज्ञानिक हैं नहीं कुछ समय पहले किये एक आंकलन से पता चला कि इन कार्यों को करने वालों के 60 से 75 प्रतिशत पद वर्षों से रिक्त चल रहे हैं। फिर वांछित काम कौन कर रहा है? वस्तुत: काम हो ही नहीं रहा है।

प्रधानमंत्री ने दो कार्य प्रशंसनीय किये, एक गांव में शौचालय बनवा दिए जिससे कम से कम महिलाओं को खुले में शौच नहीं जाना पड़े और दूसरे जिन गरीबों के पास मकान नहीं थे उन्हें पक्के कमरे बनवा कर दिए। यथेष्ट क्या है एक गरीब से गरीब परिवार या मध्यम परिवार में खर्चा कितना होता है और कितना चाहिए? पति-पत्नी और दो बच्चे एक बालक और एक बालिका के उचित पढ़ने-लिखने, वस्त्र, ड्रेस आदि पर कितना खर्चा होता है इसका आंकलन क्यों नहीं किया जाता? सरकार ने टयूशन फीस माफ़ कर दी फिर भी उससे कहीं अधिक और खर्चे बच्चों की शिक्षा के लिए खर्च करने पड़ते हैं। सरकार में बैठे नेता और प्रशासनिक अधिकारी को इस पक्ष पर कभी सोचने की जरुरत नहीं पड़ती। वास्तव में उनमे से अनेक ने गांव और वहां का रहन-सहन नजदीक से देखा ही नहीं? ग्रामीण जीवन में सादगी और मनुष्य की सरलता ही सर्वोपरि है जो हमें शहर में नहीं दिखाई देती। मेरे एक अनुमान के अनुसार दो बच्चों को शहर में पढ़ाने पर आवास से लेकर, शिक्षा, मेडिकल सुविधा, ड्रेस साफ़ सफाई खाना, आवागमन आदि अनेक मदों में खर्चा जरुरी होता है अन्यथा बच्चा इनके अभाव में कुंठित मानसिकता से ग्रसित हो जाता है।

बाजार की हालत देखते हुए एक बालक को दसवीं से आगे की पढ़ाई के लिए लगभग आवास के अतिरिक्त दस से पंद्रह हज़ार रुपयों की जरुरत होती है, शेयर आधार पर आवास को मिला कर यह खर्चा बीस हज़ार तक आ जाता है। मैं आर्थिक मामलों के लोगों से जानना चाहता हूँ कि इन खर्चों को देखते हुए एक ग्रामीण अपने दो बच्चो के लिए तीन लाख क्या वार्षिक कमा लेता है? फिर उसका अपना गांव का खर्चा अलग? एक ग्रामीण की वार्षिक आय इस हिसाब से छ: लाख होनी चाहिए तभी वह अपने दो बच्चों को कुछ शिक्षा दिलवाने में सक्षम हो सकता है अन्यथा नहीं।

सरकार किसानों के महा पड़ाव की भाषा समझती हैं अन्य कोई नहीं। गावो के लोगों को बुलेट ट्रैन, स्पेस शिप, जैसी सुविधाएँ नहीं चाहिए उन्हें तो मूलभूत सड़क, समुचित परिवहन साधन, मेडिकल व अन्य शिक्षा सुविधाएँ गांव में ही प्रदान करनी चाहिए ताकि आगे भी वे बच्चों की शिक्षा के प्रति सतत प्रयासरत रहें उनकी वार्षिक आय वर्तमान बाजार के अनुसार 12 लाख रुपये से कम तो होनी नहीं चाहिए। गरीब शहरों में भी रहते हैं इसलिए यह आय सीमा दोनों परिवेशों में लागू हो। वैसे तो मैं आयकर प्रावधानों का विरोधी हूँ। जब सरकार की तिजोरी केवल जी एस टी से उफन रही हो तो अनावश्यक खर्चों पर लगाम लगाकर आयकर प्रावधान क्यों नहीं बिलकुल समाप्त कर देती? वैसे भी आयकर के दो भिन्न प्रारूपों से यह स्पष्ट होता है कि सरकार को अधिक धन संग्रह टैक्स के माध्यम से आवश्यक नहीं रहा, क्योंकि छोटी बचतों को अब सरकार प्रोत्साहन देना बंद कर दिया है और आयकर में पूर्व में वर्षों से दी जा रहीं छोटी बचतों से सरकार को अब धन प्राप्त करने की जरुरत नहीं रही।

इसलिए मेरी अनुसंशा है कि आयकर प्रावधान को ही समूल हटा लिया जाये। वैसे भी हमारे सम्मानीय तो आयकर से पूर्णत: मुक्त हैं भले ही वे एक से अधिक पेंशन वेतन अलग और अन्य भत्ते ले रहे हैं। तो सरकार दरियादिली दिखाते हुए सभी के लिए आयकर समाप्त करे। समय की यही मांग है और समानता के लिए उचित भी है। पेंशन पर आयकर को मुक्त करने की मांग देश में सोशल मीडिया पर पहले से ही चल रही है। आयकर कार्य से मुक्त हुए सभी कर्मचारियों को सरकार अपनी कई योजनाओं में समायोचित कर सकती है हां मलाईदार पद संभवत: न मिले। अधिक मलाई बहुधा शरीर में वसा एकत्रित कर हृदयाघात का कारण बनती है। सरकार को अपने अनेक गैरजरूरी खर्चे और दिखावा बंद करना उचित होगा। देश की रफ़्तार हमारे प्रधान मंत्री अंतर्क्षीय यान जैसी लेकर चलन चाहते हैं जो अधिकांश जनता झेल नहीं पायेगी जमीन पर लेकर चलना ही हित कर है।

–प्रो. वीर बहादुर सिंह, पूर्व कुलपति एवं खाद्य विज्ञ, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर

प्रदेश के कई जिलों में समान पात्रता परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न

अजमेर/दौसा, (कासं)। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से समान पात्रता परीक्षा 2024 (यूजी स्तर) शुक्रवार आयोजित की गई। अजमेर में परीक्षा के लिए 64 सेंटर बनाए गए। यह परीक्षा दो पारियों में आयोजित की गई। परीक्षा के लिए 19 हजार 585 परीक्षार्थी हैं। शहर में परीक्षा सेंटर बनाए जाने से कई कई स्कूलों में शुक्रवार को अवकाश घोषित किया गया है। गहन जांच के बाद ही परीक्षार्थियों को प्रवेश दिया गया। परीक्षा देने आए अभ्यर्थी सुबह से ही परीक्षा केंद्रों पर कतार में नजर आए। कई केंद्रों पर तो लंबी-लंगी कतारें देखी गई।

बोर्ड की ओर से जारी की गई गाइडलाइन के तहत अभ्यर्थियों को परीक्षा शुरू होने से 1 घंटे पहले प्रवेश दिया गया। पहली पारी में परीक्षा सुबह 9 बजे से शुरू हुई। ऐसे में अभ्यर्थियों को सुबह 8 बजे तक प्रवेश दिया गया। इसी प्रकार दूसरी पारी की परीक्षा दोपहर 3 बजे शुरू हुई इसमें अभ्यर्थियों को प्रवेश दोपहर 2 बजे प्रवेश दिया गया। अजमेर जिला प्रशासन की ओर से 10 फ्लाइंग स्क्वाड बनाए गई। फ्लाइंग स्क्वाड में 3-3 लोगों को शामिल किया है। हर एक टीम में एक-एक आरएएस-आरपीएस अधिकारी और एक जिला शिक्षा विभाग के अधिकारी शामिल रहे। कुल 10 टीमों में 64 अधिकारी थे। फ्लाइंग स्क्वाड टीम ने सभी केंद्रों पर नजर बनाए रखी। शुक्रवार व शनिवार को आयोजित होने वाली इस समान पात्रता परीक्षा में प्रदेशभर में कुल 13 लाख 4 हजार 142 अभ्यर्थी पंजीकृत किए गए हैं।

दौसा में 29 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित हुई सीईटी परीक्षा :- दौसा में शुक्रवार को राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा आयोजित समान पात्रता परीक्षा 'सीईटी' का आयोजन जिले के 29 परीक्षा केंद्रों पर हुआ। परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों को कड़ी सुरक्षा जांच के बाद प्रवेश दिया गया, जबकि पुलिस की निगरानी में पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराई गई। इसके साथ ही पेपर की सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए। परीक्षा समन्वयक एडीएम सुमित्रा पारीक ने जानकारी दी कि 29 केंद्रों में से 18 निजी केंद्रों पर परीक्षा का आयोजन किया गया, जो दो पारियों में हुआ। प्रत्येक पारी में 10,128 परीक्षार्थियों का पंजीयन हुआ।

परीक्षा में पारदर्शिता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पांच सतर्कता दलों का गठन किया गया, जिनमें एक प्रशासनिक, एक पुलिस और एक शिक्षा सेवा का अधिकारी शामिल था। शनिवार को भी दो पारियों में परीक्षा आयोजित की जाएगी, जहां सुरक्षा और निगरानी की विशेष व्यवस्था रहेगी।

झीलों की नगरी आगामी दिनों में विश्व पर्यटन का हब बनेगी : सांसद सी.पी. जोशी

उदयपुर, (कासं)। झीलों की नगरी आगामी दिनों में विश्व पर्यटन का हब बनेगी। आगामी दिनों में शीघ्र ही अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट का शुभारंभ होगा, जिससे देशी एवं विदेशी पर्यटन में लाभ होगा। मेवाड़ विश्व पर्यटन में सांस्कृति, आध्यात्मिक धरोहर का महत्वपूर्ण केन्द्र है। इससे संबंधित विरासत के सभी घटकों की सुरक्षा करना आम समाज की जिम्मेदारी है। ये विचार शुक्रवार को अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटन दिवस पर राजस्थान विद्यापीठ के संघटक डिपार्टमेंट ऑफ ट्रेवल, ट्यूरिज्म एण्ड होटल मैनेजमेंट एवं मिनिस्ट्री ऑफ ट्यूरिज्म भारत सरकार, रामी रॉयल के संयुक्त तत्वावधान में प्रतापनगर स्थित आईटी सभागार में आयोजित समारोह में पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं चितौड़ सांसद सी.पी. जोशी ने बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किए।

विद्यापीठ में अंतरराष्ट्रीय पर्यटन दिवस पर आयोजित सेमीनार में चितौड़ सांसद सी.पी. जोशी, कुलपति प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत आदि मौजूद रहे।

- **भारत की वैश्विक संस्कृति, धरोहर सम्पूर्ण विश्व में विख्यात : प्रो. एसएस सारंगदेवोत**

सांसद जोशी ने कहा कि भारत का गौरवशाली इतिहास रहा है जिसको आने वाली पीढ़ी में रूपांतरित करने की जरूरत है। आज हमारे देश में विलेज ट्यूज्म बढ़ रहा है जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में भी रोजगार के अवसर बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि इस दिशा में सरकार अपना काम कर रही है। उन्होंने कोरोना का उदाहरण देते हुए बताया कि बहुत से विकसित राष्ट्र संघर्षरत थे क्योंकि केवल सरकारें कार्यशील थी, लेकिन भारत में सरकार के साथ साथ समाज भी खड़ा था जिससे भारत इस संघर्ष से सफलतापूर्वक विजय हासिल कर सका जिसका प्रमाण पूरे विश्व ने देखा। उन्होंने कहा कि जहां सरकार के साथ समाज का साथ हो वहां कार्य स्वत: सिद्धी को प्राप्त हो जाता है।

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत ने कहा कि भारतीय संस्कृति बेजोड़ व जीवंत है भारत की वैश्विक संस्कृति व धरोहर सम्पूर्ण विश्व में विख्यात है। प्रो. सारंगदेवोत ने कहा कि पर्यटन से देश में रोजगार के अवसर एवं जीडीपी में पर्याप्त योगदान मिलता है। पर्यटन के विकास में भारत सरकार के विभिन्न आयाम कार्यरत है जिसमें राष्ट्रीय होटल प्रबंधन, भारतीय पर्यटन विकास आदि प्रमुख है। प्रो. सारंगदेवोत ने कहा कि उदयपुर देश, दुनिया में पर्यटकों के बीच सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से एक है। यहां आने वाले मेहमानों को इतिहास, संस्कृति और भारतीय परम्परा के साथ प्रकृति के खुबसूरत नजारे, झीलें, पहाड़ और जंगलों की त्रिवेणी देखने को मिलती है। जहां पर्यटकों को देश भर के अलग अलग हिस्सों में घूमकर देखने को मिलता है, वही मेवाड में एक ही क्षेत्र में उसका सम्मिश्रण मिल जाता है। इससे पूर्व विशिष्ठ अतिथि बीएन संस्थान के प्रबंध निदेशक मोहब्बत सिंह रूपाखेड़ी, रामी रॉयल के संस्थापक अशोक जैन, महाराणा प्रताप स्मारक समिति के उपाध्यक्ष युद्धवीर सिंह, प्रो. बीएस राठौड़ ने अपने विचार व्यक्त किए।

इस अवसर पर एस्टकोर्ट गाईड कमल सिंह, डीएस झाला, दिग्विजय सिंह शक्तावत, शौर्यगढ़ के जीएम रूपम सरकार, रामी रॉयल के जीएम दिनेश उपाध्याय, लाभगढ़ रिसोर्ट के जीएम उज्जवल मेनारिया, रजिस्ट्रार डॉ. तरूण श्रीमाली, परीक्षा नियंत्रक डॉ. पारस जैन, प्रो. प्रेमसिंह रावलोत, डॉ. सुनिता मुर्डिया, डॉ. शिल्पा कंठालिया, डॉ. नीरू राठौड़, डा. दिनेश श्रीमाली, प्रकाश आचार्य, यामिनी राठौड़ सहित पीएचडी स्कॉलर्स एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने श्रमदान किया

कोटा, (निसं)। स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के तहत शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने शुक्रवार को अपने विधानसभा क्षेत्र रामगंजमंडी में प्राइवेट बस स्टैंड के पास श्रमदान के दौरान झाड़ू लगाई। शिक्षा मंत्री के साथ स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने भी श्रमदान किया।

शिक्षा मंत्री ने लोगों को हाड़ौती भाषा में स्वच्छता रखने एवं पॉलीथिन का उपयोग पूरी तरह बंद करने की शपथ भी दिलाई। उपस्थित लोगों ने हाथ खड़े करके पॉलीथिन और डिस्पोजल आइटम का प्रयोग न करने की शपथ ली। दिलावर ने पॉलीथिन और डिस्पोजल आइटम के उपयोग नहीं करने की सलाह देते हुए कहा कि यदि हमें अपने परिवार को और समाज को स्वस्थ और निरोगी रखना है तो पॉलीथिन और प्लास्टिक के इस्तेमाल को पूरी तरह बंद करना होगा।

अभियान के तहत खैराबाद पंचायत समिति प्रधान कलावती मेघवाल, उपखंड अधिकारी नीता वसीटा, नगर पालिका रामगंजमंडी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी दीपक नागर, तहसीलदार, ब्लॉक विकास अधिकारी सहित अन्य अधिकारी, स्कूली बच्चों, स्काउट गाइड के स्वयंसेवक सहित आमजन ने श्रमदान किया।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया।

राशिफल शनिवार 28 सितम्बर, 2024

पंडित अनिल शर्मा

अश्विन मास, कृष्ण पक्ष, एकादशी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2081, अश्लेषा नक्षत्र रात्रि 3:38 तक, सिद्ध योग रात्रि 11:50 तक, बालव करण दिन 2:50 तक, चन्द्रमा रात्रि 3:38 से सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-मिथुन, बुध-कन्या, गुरू-वृष, शुक्र-तुला, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज इन्दिरा एकादशी व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:51 से 9:20 तक, चर 12:18 से 1:47 तक, लाभ-अमृत 1:47 से 4:44 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:22, सूर्यास्त 6:13

मेष
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

सिंह
अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। अनावश्यक धन खर्च होगा। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

धनु
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

वृष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। भाई-बंधुओं के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। शुभ-मांगलिक कार्य के लिए यात्रा संभव है।

मकर
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

तुला
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी।

कुंभ
अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। स्वास्थ्य में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

कर्क
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन ठीक रहेगा। परिवार में प्रसन्नता का माहौल रहेगा।

वृश्चिक
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा।

मीन
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को हरियाणा के असंध व तोशाम में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में चुनावी सभायें कीं।

'सीमा पर गोली का जवाब गोले से दिया जाता है'

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हरियाणा के असंध व तोशाम में चुनावी सभायें कीं

- **''विदेश में देश का अपमान शहजादे की फितरत है'' भजनलाल ने चुनाव सभा में राहुल गांधी पर कटाक्ष किया।**
- **उन्होंने कहा कि 2014 के बाद से डबल इंजन सरकार के कारण हरियाणा में विकास की रफ्तार दुगुनी हो गई है।**

असंध (हरियाणा), 27 सितम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को हरियाणा के असंध विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी योगेन्द्र राणा के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस का गरीब तथा मजदूर से कोई नाता नहीं है। इस पार्टी ने गरीब का हमेशा ही शोषण किया है, जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केवल 4 जातियों, किसान, मजदूर, युवा और महिला को केन्द्र में रखकर उनके उत्थान के लिए अनवरत कार्य किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के शहजादे राहुल गांधी दुनिया में देश को शर्मसार करने का कोई मौका नहीं छोड़ते। वे सिक्ख भाइयों के लिए अनुचित टिप्पणी कर देश का मान गिराने का काम करते हैं। पूरी दुनिया जानती है कि कांग्रेस सरकार के समय में 1984 के दौरान सिक्खों के साथ क्या हुआ था। वे जब भी विदेश जाते हैं तो देशद्रोहियों के साथ मुलाकात करते हैं, उनके साथ खिचड़ी पकाते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में भाजपा की सरकार ने हरियाणा के विकास को गति दी है। आज हरियाणा विकास के पथ पर दोगुनी रफ्तार से दौड़ रहा है। औद्योगिक क्षेत्रों का विकास, हाईवे का निर्माण और किसानों का कल्याण हमारी भाजपा सरकार ने किया है। इस विकास की गति को बनाए रखने के लिए भारी समर्थन के साथ भाजपा की सरकार बनाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने जब से देश की कमान संभाली है, दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब दिया जा रहा है। सीमा पर जब भी एक गोली आती है तो इधर से गोला ही जाता है। मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद और नक्सलवाद पर प्रभावी नियंत्रण और भारत के बढ़ते गौरव से पूरा विश्व परिचित है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आमजन को कांग्रेस के पिछले घोषणा पत्रों को देखना चाहिए, किस प्रकार उसने जनता से झूठे वायदे किए। लेकिन हमारी सरकार जो कहती है, वो करती है।

जनसभा में शर्मा ने असंध विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी योगेन्द्र राणा को अधिकाधिक मतों से विजयी बनाने की अपील की। सभा में हरियाणा भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित हुए।

मुख्यमंत्री ने हरियाणा के तोशाम विधानसभा क्षेत्र के बापोड़ा में भाजपा प्रत्याशी श्रुति चौधरी के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि हरियाणा जवानों और किसानों की धरती है। मेहनतकश किसान देश को आगे बढ़ाता है और किसान का बेटा मां भारती की सेवा में समर्पित रहता है। लेकिन कांग्रेस ने हरियाणा में नौकरियों और जमीनों में सिर्फ घोटाले किए और 2014 से पहले हरियाणा में नौकरी के लिए पैसे लगते थे। अब 2014 के बाद से डबल इंजन की सरकार में हरियाणा के युवाओं को रोजगार और किसानों को सम्मान मिल रहा है और हरियाणा में विकास की रफ्तार दोगुनी हो गई है।

मुख्यमंत्री ने आव्हान किया कि मजबूत राष्ट्र और विकसित हरियाणा के निर्माण के लिए हरियाणा में भाजपा की जीत की हैट्ट्रिक के साथ तोशाम प्रत्याशी श्रुति चौधरी को भारी मतों से विजयी बनाएं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा हरियाणा प्रवास के दौरान शुक्रवार सुबह करनाल में मॉर्निंग वॉक पर निकले। इस दौरान उन्होंने सहजता के साथ आमजन से मुलाकात की और फीडबैक लिया।

केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह को जान से मारने की धमकी

बेगूसराय, 27 सितंबर। बेगूसराय से भाजपा के सांसद और केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह को जान से मारने की धमकी दी गई है। गिरिराज सिंह के सांसद प्रतिनिधि रहे अमरेन्द्र कुमार अमर के मोबाइल पर व्हाट्सएप कॉल करके यह धमकी दी गई। अमरेन्द्र कुमार अमर ने बताया कि उन्हें पाकिस्तान से व्हाट्सएप कॉल किया गया और गिरिराज सिंह और उन्हें गाली गलौज की गई और अंजाम भुगतने की धमकी दी गई है। इस मामले में नगर थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई है।

बेगूसराय हेड क्वार्टर डी.एस.पी. ने बताया कि अधिवक्ता और सांसद प्रतिनिधि अमरेन्द्र अमर के द्वारा नगर

- **गिरिराज सिंह के सांसद प्रतिनिधि रहे अमरेन्द्र कुमार को वॉट्सएप पर कॉल के द्वारा धमकी दी गई।**

थाने की पुलिस को व्हाट्सएप पर एक आवेदन दिया गया है, जिसमें उन्होंने लिखा है कि पाकिस्तान से एक व्हाट्सएप कॉल उनके फोन पर आया। इस कॉल में बेगूसराय सांसद एवं भारत सरकार के मंत्री गिरिराज सिंह और उनके सांसद प्रतिनिधि अमरेंद्र अमर को अंजाम भुगतने, यानी जान से मारने की धमकी दी गई।

अमरेन्द्र अमर ने पुलिस को इस बात की व्हाट्सएप पर आवेदन के जरिए सूचना दी। पुलिस इस मामले की जांच पड़ताल कर रही है। नंबर और लोकेशन को भी ट्रेस कर यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आखिर धमकी देनेवाला शख्स कौन था और उसका मकसद क्या था।

मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारियों की दुबारा जिम्मेदारी तय की

- **आई.ए.एस., आई.एफ.एस. तथा आर.ए.एस. के नौ अधिकारी मुख्यमंत्री कार्यालय से विभिन्न विभागों की मॉनिटरिंग, प्रगति व फीड बैक का काम देखेंगे।**

जयपुर, 27 सितम्बर। आई.ए.एस. और आर.ए.एस. अधिकारियों के ट्रांसफर के बाद मुख्यमंत्री कार्यालय में लगे अधिकारियों की शुक्रवार को जिम्मेदारी दोबारा से तय की गई है। मुख्यमंत्री कार्यालय में लगे कुल 9 आई.ए.एस., आई.एफ.एस. और आर.ए.एस. अधिकारियों को अलग-अलग विभागों का जिम्मा दिया गया है। ये अधिकारी मुख्यमंत्री कार्यालय से सभी विभागों की मॉनिटरिंग, कार्य योजनाओं की प्रगति, फीडबैक सहित अन्य कार्यों के कोऑर्डिनेशन का काम करेंगे।

1. संदेश नायक (एस.एस.), पीएचईडी (पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट), जीडब्ल्यूडी (वाटर रिसोर्स डिपार्टमेंट), आईजीएनपी (इंदिरा गांधी नहर परियोजना), सीएडी (काडमिनिस्ट्रेशन), माइंस एंड पेट्रोलियम, स्टेट सर्विस डिलीवरी वार रूम, सीएमआईएस (चीफ मिनिस्टर'स इन्फॉर्मेशन सिस्टम), डीआईपीआर (डिपार्टमेंट ऑफ इन्फॉर्मेशन एंड पब्लिक रिलेशन्स)।
2. टीजे कविता (प्रिंसिपल ओएसडी), फॉरेस्ट, एनवायरनमेंट, स्टेट पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड, ट्रांसपोर्ट, सिविल एविएशन, यूथ एंड स्पोर्ट्स, पीडब्ल्यूडी (पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट), कैबिनेट, सीएमआरएफ (चीफ मिनिस्टर रिलीफ फंड), टूरिज्म, आर्ट एंड कल्चर, आर्कियोलॉजी एंड म्यूजियम्स, जीएडी (जनरल एडमिनिस्ट्रेशन), मोटर गैरेज, एस्टेट, जनरल एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ सीएमओ, आरटीआई एक्ट।
3. अंजू राजपाल (जेएस), मेडिकल एंड हेल्थ, मेडिकल एजुकेशन, आयुर्वेद, फैमिली वेलफेयर, डिपार्टमेंट ऑफ पर्सनल, ट्राइबल एरिया डवलपमेंट, वुमन एंड चाइल्ड डवलपमेंट।
4. जय प्रकाश नारायण (डी.एस.), रेवेन्यू, कॉलोनाइजेशन, सैनिक कल्याण, देवस्थान, हायर/टेक/संस्कृत एजुकेशन, एजुकेशन (प्राइमरी/सेकेंडरी), लैंग्वेज एंड लाइब्रेरी, प्लानिंग एंड मैन पावर, इकोनॉमिक्स एंड स्टैटिस्टिक्स, वीआईपी रेफरेंस, रेड्रेसल ऑफ पब्लिक ग्रिवेंस।
5. सिद्धार्थ सिहाग - ज्वाइंट सेक्रेटरी, उद्योग, एमएसएमई (लघु और मध्यम उद्यम), खादी और ग्रामोद्योग, बीआईपी (राज्य निवेश प्रोत्साहन बोर्ड), ईएसआईसी (कर्मचारी राज्य बीमा निगम), पीएसयूएस (राज्य स्वामित्व वाले उपक्रम), रीको (राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डवलपमेंट एंड इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन), कानून और न्याय, वित्त और कर, उत्पाद शुल्क, लघु बचत, सामान्य प्रावधायी निधि।
6. जगवीर सिंह- ज्वाइंट सेक्रेटरी, ग्रामीण विकास, पंचायती राज, जल संरक्षण और मृदा संरक्षण, प्रशासनिक सुधार, मुद्रण और स्टेशनरी, श्रम, रोजगार और कौशल विकास, कारखाना और बॉयलर, सूचना प्रौद्योगिकी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, खाद्य और नागरिक आपूर्ति, कृषि, कृषि विपणन, उद्यानिकी, राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड, पशुपालन, गोपालन, डेयरी, मत्स्य पालन।
7. ओपी बुनकर - ज्वाइंट सेक्रेटरी, शहरी विकास, स्थानीय निकाय, सहकारिता, संसदीय मामले, विधानसभा, चुनाव, आपदा प्रबंधन, राहत और पुनर्वास, सामाजिक न्याय और अधिकारिता, विकलांगता, शांति और अहिंसा विभाग, अल्पसंख्यक मामले, वक्फ।
8. राजकुमार सिंह - ओएसडी, -लोक शिकायत निवारण (मुख्यमंत्री कार्यालय)।
9. मनोज कुमार - डिप्टी सेक्रेटरी, लोक शिकायत निवारण (मुख्यमंत्री कार्यालय)।

''नाराज़'' सैलजा ने चुनाव प्रचार शुरु किया

- **गत एक पखवाड़े चुनाव अभियान से दूर रहीं कुमारी सैलजा गुरुवार को राहुल गांधी की कारनाल जिले की रैली में शामिल हुईं।**
- **वे टिकट वितरण में हुड्डा गुट को तरजीह दिये जाने के कारण नाराज़ थीं।**

चंडीगढ़ , 27 सितंबर। कांग्रेस से 'नाराज' बताई जा रहीं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा हरियाणा विधानसभा चुनाव में ज़ोर-शोर से पार्टी प्रत्याशियों के प्रचार में लग गयी हैं। लगभग एक पखवाड़े से प्रचार से दूर रहीं कुमारी सैलजा गुरुवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की करनाल जिले में रैली में शामिल हुई थीं।

रैली में हरियाणा के नेता प्रतिपक्ष भूपेन्द्र सिंह हुड्डा भी थे। खबरें थीं कि चुनावों में टिकट वितरण में हुड्डा गुट को तरजीह देने और फिर कांग्रेस के एक कार्यकर्ता की कुमारी सैलजा को लेकर कथित जाति सूचक टिप्पणी के बाद वह नाराज हो गयीं थीं और खुद को पार्टी प्रचार से दूर कर लिया था। उससे पूर्व उन्होंने इस आशय का भी बयान दिया था कि वह विधानसभा चुनाव लड़ना चाहती थीं और मुख्यमंत्री पद की भी दावेदार थीं। सूत्रों के अनुसार इस बीच, कांग्रेस उन्हें मनाने की कोशिश करती रही, हुड्डा ने भी कार्यकर्ता की विवादास्पद टिप्पणी के बाद तुरंत बयान दिया था कि कुमारी सैलजा उनकी बहन की तरह हैं और उनके खिलाफ ऐसी टिप्पणी करने वाले के लिये कांग्रेस में जगह नहीं हो सकती।

भाजपा में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

1995 में गुजरात में भाजपा की सरकार बनी थी। जब जोशी गुजरात भाजपा के संगठन महामंत्री बनाए गए थे तब मोदी को पार्टी का राष्ट्रीय महासचिव बनाकर दिल्ली भेज दिया गया। मोदी मुख्यमंत्री बनना चाहते थे पर उन्हें वर्ष 2001 तक इंतजार करना पड़ा और 2001 में जब मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री बने तब उन्हें पहला काम किया जोशी को गुजरात से बाहर करने का। जोशी को भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री बनाकर दिल्ली भेज दिया गया। तब से ही दोनों एक दूसरे के खिलाफ हैं।

अटकलें है कि अगर जोशी अध्यक्ष बन गए तो मोदी के कई कट्टर समर्थकों को हटा दिया जाएगा। मोदी खेमे में इस बात को लेकर भारी चिंता है क्योंकि यह प्रधानमंत्री के रुप में मोदी के हटने की शुरुआत हो सकती है।

लोकायुक्त पुलिस ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज की

- **एफ.आई.आर. में मुख्यमंत्री के साथ उनकी पत्नी तथा साले को भी आरोपी बताया है।**
- **दूसरी ओर सिद्धारमैया ने कहा कि यह राजनीतिक मामला है और उन्हें इसलिए निशाना बनाया जा रहा है, क्योंकि विपक्ष उनसे डरता है।**

बेंगलूरु, 27 सितंबर। कर्नाटक लोकायुक्त पुलिस ने मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एम.यू.डी.ए.) मामले में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज की है। सूत्रों ने बताया कि लोकायुक्त पुलिस ने एम.यू.डी.ए. मामले में सिद्धरमैया और अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। याचिकाकर्ता स्नेहमयी कृष्णा की याचिका पर फैसला सुनाते हुए जन प्रतिनिधि कोर्ट ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज करने के निर्देश दिए थे।

कोर्ट ने अपने फैसले में कर्नाटक लोकयुक्त से इस मामले की जांच कर तीन महीने के अंदर रिपोर्ट दाखिल करने के निर्देश दिए थे, जिसके बाद आज मैसूरु लोकयुक्त पुलिस ने मुख्यमंत्री के खिलाफ मामला दर्ज किया।

इस मामले में सी.एम. को आरोपी नम्बर एक बनाया गया है, जबकि उनकी पत्नी पार्वती को आरोपी नम्बर दो बनाया गया है। वहीं, मुख्यमंत्री के साले मल्लिकार्जुन स्वामी को आरोपी नम्बर 3 और देवराज को आरोपी नम्बर 4 बनाया गया है। मुख्यमंत्री पर अपने अधिकारों को दुरुपयोग करके, उनकी पत्नी के नाम मैसुरु में एम.यू.डी.ए. साइट आवंटित करने का आरोप लगा है। याचिकाकर्ता ने आज सेशंस कोर्ट में एक और रिट पिटिशन फाइल कर इस मामले की सी.बी.आई. से जांच करने की अपील की है।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने शुक्रवार को दावा किया कि मैसुरु शहरी विकास प्राधिकरण (एम.यू.डी.ए.) भूमि आवंटन मामले में उन्हें इसलिए निशाना बनाया जा रहा है क्योंकि विपक्ष उनसे डरता है। इसके साथ ही, सिद्धरमैया ने कहा कि यह उनके खिलाफ पहला राजनीतिक मामला है।

मुख्यमंत्री ने दोहराया कि मामले में अदालत द्वारा उनके खिलाफ जांच का आदेश दिये जाने के बाद भी वह इस्तीफा नहीं देंगे क्योंकि उन्होंने कुछ गलत नहीं किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि वह कानूनी रूप से लड़ाई लड़ेंगे।

केंद्र सरकार पर सी.बी.आई., ई.डी. जैसी केंद्रीय एजेंसियों और देश भर के विपक्ष शासित राज्यों में राज्यपाल के कार्यालय का दुरुपयोग करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि प्रशासन में राज्यपाल के 'हस्तक्षेप' के मुद्दे को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर बहस की जरूरत है।

'कांग्रेस एक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सजा से बचने के लिए काम करती है। भ्रष्टाचार के प्रति उनका यह रूख कर्नाटक में अभी दिखा है पर पूरे देश में यह पहले से है। पूनावाला ने कहा, कांग्रेस का मुख्य कार्य पहला भ्रष्टाचार करना है और कोर्ट ऑर्डर के बाद खुद को पीड़ित दर्शाना है। वे किसी भी सूरत में जाँच एजेंसियों के राज्य में आने से रोकेंगे। क्योंकि उन्हें लगता है कि लूटना उनका जन्म सिद्ध अधिकार है। कांग्रेस चोरों की पार्टी है और प्रोफेशनल अपराधियों की तरह बच निकलने की कोशिश में है और उन्होंने सी.बी.आई. को पहले से प्राप्त मंजूरी वापस ले ली है ताकि उनके खिलाफ जाँच ना हो सके। कर्नाटक के मुख्यमंत्री पर तीन प्रहार हुए पहला तो यह राज्यपाल के मूडा जमीन मामले को बड़ा घोटाला मान कर जाँच के लिए सहमति दी, दूसरा प्रहार हुआ कर्नाटक हाई कोर्ट की तरफ से जिसने राज्यपाल के जाँच के आदेश को सही माना। तीसरा प्रहार हुआ स्पेशल कोर्ट की तरफ से जिसने मुख्यमंत्री के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज करने की अनुमति दे दी। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और कांग्रेस पार्टी नेता माननीय राज्यपाल के फैसले पर सवाल किया जो अनुसूचित जाति के है। एक कांग्रेस नेता ने तो राज्यपाल को धमकी दे डाली और उन्हें अपशब्द भी कहे।

ई.डी. की चार्जशीट में लालू यादव को मुख्य साजिशकर्ता माना

''ऐसी योजना बनाई कि अपराध से अर्जित जमीन का कन्ट्रोल उनके परिवार के पास हो''

- **ई.डी. ने दावा किया कि साथ ही यह भी निश्चित किया गया कि जमीन उनसे या उनके परिवार से लिंक ना हो पाये।**

नई दिल्ली, 27 सितंबर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने लैंड फॉर जॉब मामले में दाखिल सप्लीमेंट्री चार्जशीट में दावा किया कि तत्कालीन रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार ने रेलवे में नौकरी देने के नाम पर लोगों से रिश्वत के तौर पर ज़मीन ली। चार्जशीट में आरोप है कि अपराध से अर्जित ज़मीन पर लालू प्रसाद यादव के परिवार का क़ब्ज़ा है। ईडी का आरोप है कि लालू प्रसाद यादव ने घोटाले की साज़िश इस तरह रची कि अपराध से अर्जित ज़मीन पर कंट्रोल तो उनके परिवार का हो लेकिन ज़मीन सीधे इनसे और परिवार से लिंक ना हो पाए।

चार्जशीट के मुताबिक, प्रोसीड ऑफ़ क्राइम, यानी अपराध से अर्जित आय को खपाने के लिए कई शैल कंपनियां खोली गईं और उनके नाम पर जमीनें लिखवाई गईं। तफ्तीश के दौरान खुलासा हुआ कि रेलवे की नौकरी और उसके नाम पर रिश्वत के तौर पर ज़मीन लेना दोनों लालू प्रसाद यादव ख़ुद तय कर रहे थे, इसमें उनका साथ दे रहा था उनका परिवार और करीबी अमित कत्याल। बतौर रिश्वत लिए गए कई ज़मीन के टुकड़े ऐसे थे जो कि लालू प्रसाद यादव के परिवार की ज़मीन के ठीक बराबर में स्थित थे। इन जमीनों को कौड़ियों के दाम पर खरीदा गया।

लालू प्रसाद यादव से जब उनकी बेटी को करोड़ों रुपए की जमीन गिफ्ट के तौर पर मिलने को लेकर सवाल किए गए तो उन्होंने इस पर टिप्पणी करने से साफ इनकार कर दिया। चार्जशीट के मुताबिक राबड़ी देवी के कार्यकर्ताओं द्वारा जमीन के टुकड़े खरीदे और बाद में उसे लालू प्रसाद यादव की बेटी को उपहार में दिए। लालू प्रसाद यादव के निजी कर्मचारी गिफ्ट डीड में गवाह के रूप में मौजूद थे। लालू प्रसाद यादव द्वारा अपने परिवार के सदस्यों के लिए पीओसी यानी अपराध से अर्जित आय (ज़मीन) हासिल करने के लिए रची गई आपराधिक साजिश साबित करता है।

चार्जशीट के मुताबिक इस लेनदेन को दूर के रिश्तेदारों से मिले गिफ्ट के रूप में पेश किया गया था, हालांकि दावे के विपरीत, मीसा भारती ने 25.03.2023 को अपने बयान के दौरान तथाकथित रिश्तेदारों हृदयानंद चौधरी और लल्लन चौधरी को जानने से इनकार कर दिया। साजिश के मुताबिक उक्त कंपनी ए के इंफोसिस्टम में अचल संपत्तियों के अधिग्रहण के बाद, अमित कत्याल ने 13-06-2014 को क्रमशः राबड़ी देवी (85प्रतिशत) और तेजस्वी प्रसाद यादव (15 प्रतिशत), जो लालू प्रसाद यादव की पत्नी और पुत्र हैं, को 100 प्रतिशत शेयर होल्डिंग हस्तांतरित कर दी, जिससे वो दोनों मेसर्स ए.के. इंफोसिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड के पास मौजूद भूमि के मालिक बन गए। इस तरह, कंपनी मेसर्स ए.के. इंफोसिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, जिसकी संपत्ति 1.89 करोड़ रुपये (कंपनी की बैलेंस शीट के अनुसार) है, को "अपराध की आय" के अंतिम लाभार्थियों यानी लालू प्रसाद यादव के परिवार के सदस्यों ने 1 लाख रुपये की मामूली कीमत देकर अपने कब्जे में ले लिया।

क्या नायडू ने तिरुपति लड्डू की अशुद्धि का विवाद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के घी का प्रयोग तिरुपति प्रसादम बनाने के लिए नहीं किया गया। यदि यह बात है तो, पूर्व मुख्यमंत्री वाय.एस. जगनमोहन रेड्डी को दोषी व जिम्मेवार कैसे ठहराया जा सकता है। आज कई स्वतंत्र विचार वाले लोग यह प्रश्न उठा रहे हैं।

यदि ये आरोप हैं कि पूर्व मुख्यमंत्री वाय.एस. जगनमोहन रेड्डी के कार्यकाल में दूषित घी प्रयुक्त किया जा रहा था तो उस समय कोई शिकायतें क्यों नहीं थीं तथा घी के सैम्पलों को टैस्ट क्यों नहीं किया जा रहा था। तो, क्या इस समय ऐसे आरोपों को साबित किया जा सकता है?

वास्तव में तो इस मुद्दे को बढ़ा चढ़ा कर इस स्तर पर पहुँचा दिया गया है कि पूरे देश में इसकी चर्चा हो रही है। लेकिन, सच्चाई यह है कि इस न्यूज़ को जो इतनी भारी पब्लिसिटी मिलने के बावजूद भी भक्त गणों की भीड़ तथा लड्डूओं की मांग बहुत ऊंची बनी हुई है, जो इस बात का संकेत है कि बहुत से लोगों ने इस विवाद को नज़र अंदाज़ कर दिया है।

लेकिन, राजनीतिक स्तर पर यह मुद्दा देश भर में गूंज रहा है। भाजपा नेता कड़ा रूख अपना रहे हैं तथा "हिन्दू एकजुटता" को पुनर्जीवित करने के लिए इसका उपयोग कर रहे हैं, जो कि लोकसभा आम चुनावों में पहले ढीला पड़ गया था। हिन्दू भावनाओं को एकजुट तथा प्रेरित करने के लिए यह मुद्दा बहुत काम आएगा।

क्या आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री ने अपने राजनैतिक शत्रु को वाय.एस. जगनमोहन रेड्डी को मात देने के लिए अनजाने में धार्मिक कार्ड खेला है और ऐसा मुद्दा उठाया है जिसमें उनके ईसाई मूल पर संदेह खड़ा किया गया है? और जो इकोसिस्टम मुख्यमंत्री को घेरे रहता है, उन्हें रेड्डी पर आरोप लगाने के लिए उकसा रहा है। रेड्डी ने पक्षपात किया तथा हिन्दू मंदिर के प्रबंधन में ईसाईयों की नियुक्ति की।

यह मुद्दा जनगमोहन रेड्डी की बालाजी मंदिर की प्रस्तावित यात्रा से उस समय और भी प्रचंड एवं गरम होने वाला था, जब नायडू, पवन कल्याण तथा अन्य भाजपा नेताओं ने इस बात पर जोर दिया कि अगर पूर्व मुख्यमंत्री रेड्डी मंदिर जाते हैं तो वे तिरुमला के बालाजी मंदिर के अधिष्ठाता देव वैंकटेश्वर स्वामी के प्रति अपनी आस्था की घोषणा करें। अब, इस आवेशपूर्ण माहौल में, रेड्डी ने मंदिर की अपनी प्रस्तावित यात्रा निरस्त कर दी। उनके निन्दकों का कहना है कि रेड्डी ने अपनी प्रस्तावित यात्रा इसलिये रद्द की है क्योंकि वे अपनी आस्था के बारे में इस प्रकार की घोषणा करना नहीं चाहते थे। सूत्रों का कहना है कि जब जगनमोहन रेड्डी के पिता आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री थे, तब वे कई बार मंदिर गये तथा उन्होंने इस घोषणा पर हस्ताक्षर भी किये थे, जैसे कि पूर्व राष्ट्रपति ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी तथा अन्य अनेक लोगों ने किये हैं।

चूँकि इस मंदिर में दर्शन करने के संबंध में यह नियम लागू है, इसलिये सबको इसका पालन करना ही होता है।

अब आंध्र प्रदेश सरकार ने नौ सदस्यों की एक "स्पेशल इन्वेस्टिगेटिंग टीम" गठित कर दी है, जो इस प्रकरण की व्यापक जाँच करेगी। लेकिन राजनैतिक विश्लेषक यह जानना चाह रहे हैं कि इस मुद्दे की जाँच-पड़ताल कराये बिना, क्या नायडू का इतना हल्ला-गुल्ला सही था?

अब इस गहन जाँच के बाद ही यह तथ्य सामने आयेगा कि क्या लड्डू दूषित घी से बनाये जाते थे। इस बिन्दु पर अनिश्चितता एवं संदेह की स्थिति है। क्या यह मंदिर -स्तर पर प्रशासकीय असफलता है या फिर मंदिर को अपवित्र या बदनाम करने की कोई अनर्थकारी एवं सुनियोजित गतिविधि है, जैसा कि कुछ दक्षिणपंथी ऐक्टिविस्ट दावा कर रहे हैं।

और अगर बाद में सच्चाई या ऐसी कोई चीज सामने आती है, जो पूर्व मुख्यमंत्री रेड्डी के खिलाफ लगाये जा रहे सारे आरोपों के विपरीत हो, तो उस स्थिति में क्या होगा?

यही कारण है कि चेन्नई के सुमन्त सी. रमण जैसे विश्लेषक, जो इस मुद्दे को बारीकी से देख-परख रहे हैं, यह चाहेंगे कि नायडू तथा उनके सहायक किसी पर उँगली उठाने से पहले, जाँच पूरी हो जाने तक प्रतीक्षा करें।

पंजाब भाजपा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

निन्दकों का कहना है कि पार्टी का वोट शेयर तो इसलिये बढ़ा, क्योंकि 2024 में पार्टी राज्य की सभी 13 सीटों पर चुनाव लड़ी, जबकि 2019 में, पार्टी शिरोमणि अकाली दल के मित्रदल के रुप में केवल 3 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। पार्टी के कुछ ग्रुप खासतौर से लुधियाना और फिरोज़पुर सीटों पर भाजपा की हार का दोषारोपण जाखड़ पर कर रहे हैं।

पहले तो कांग्रेस में, और अब भाजपा में जाखड़ की उपेक्षा को इस तथ्य से जोड़कर देखा जा रहा है कि वे पगड़ीधारी नेता नहीं हैं। कांग्रेस ने जाखड़ की उम्मीदवारी की उपेक्षा करते हुये, मुख्यमंत्री पद के लिये चरणजीत सिंह चन्नी को आगे बढ़ाया था। और एक सिक्ख उम्मीदवार के लिये उसी प्रकार की प्राथमिकता भाजपा ने दिखाते हुये, रवनीत सिंह बिट्टू को नरेन्द्र मोदी की मंत्रिपरिषद में मंत्री बना दिया था, जबकि बिट्टू लोकसभा चुनाव हार गये थे।

सुनील जाखड़ स्व. बलराम जाखड़ के पुत्र हैं। बलराम जाखड़ पार्टी के महत्वपूर्ण पदों पर रहे थे तथा दो कार्यकालों में, लोकसभा अध्यक्ष भी रहे थे। इसके अलावा, किसानों में भी उनका मान-सम्मान था क्योंकि उन्होंने 1965 में "भारतीय कृषक समाज" नामक संगठन की स्थापना भी की थीं। कांग्रेस में रहते हुये, सुनील अबोहर सीट से तीन बार विधायक तथा एक बार गुरदासपुर लोकसभा सीट से सांसद निर्वाचित हुये थे। जहाँ भाजपा में उनकी स्थिति कामचलाऊ बनी हुई है, वहीं कांग्रेस में उनकी वापसी की संभावना भी खारिज की जा रही है।

एकल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बजाय भाजपा नेता और मंत्री अहंकार और अनादर का सहारा लेते हैं। समाधान सीधा है, एक एकल, सरलीकृत जीएसटी और ये कांग्रेस की गारंटी है। कांग्रेस नेता ने कहा कि जीएसटी कितना जटिल है इसका नमूना देखिए कि क्रीम बन पर 18 प्रतिशत जीएसटी है जबकि क्रीम पर पांच प्रतिशत और बन पर पांच प्रतिशत जीएसटी है।

'सी.बी.आई...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उठाये गये थे। इस आशय की एक घोषणा की माँग की गई थी कि उन वॉलंटरी शिक्षकों के नियमितीकरण के निर्देश देने वाले आदेश शून्य एवं अकृत (नल एंड वॉइड) किये जाते हैं तथा ऐसे किसी व्यक्ति को कोई अधिकार प्रदान नहीं करते हैं, जिसके पक्ष में ये आदेश दिये गये थे।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्पाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908

रूपनगढ़ जमीन विवाद मामला : फायरिंग से युवक की हत्या के मामले में 15 नामजद, 10 गिरफ्तार

पांच मुख्य आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर, 50-50 हजार का इनाम घोषित किया हुआ है

अजमेर, (कासं)। अजमेर जिले के किशनगढ़ उपखंड स्थित रूपनगढ़ में पिछले दिनों जमीनी विवाद के चलते गोली लगने से एक युवक की मौत के मामले में पुलिस ने 15 आरोपियों को नामजद किया है। इनमें दस को गिरफ्तार कर लिया गया है, पांच मुख्य आरोपी फिलहाल पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। पुलिस ने उन पर 50-50 हजार का इनाम घोषित किया हुआ है। जिन दस आरोपियों को पकड़ा गया है उनमें से 6 वारदात में शामिल मौके पर थे जबकि शेष चार ने वारदात के षड्यंत्र में अहम भूमिका निभाई थी।

पुलिस ने फायरिंग से युवक की हत्या मामले में 10 जनों को गिरफ्तार किया।

- रूपनगढ़ में पिछले दिनों जमीनी विवाद के चलते गोली लगने से एक युवक की मौत का मामला

अजमेर जिला पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा ने शुक्रवार को मामले का खुलासा करते हुए कहा कि फरार आरोपियों की तलाश में टीमें गठित कर फील्ड में भेजा हुआ है, जल्दी ही अपराधियों को गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस ने वारदात में काम लिए गए दस वाहनों को भी पकड़े गए अपराधियों से अपने कब्जे में लिए हैं। एसपी राणा ने कहा कि अपराधियों की जड़ तक पहुंच कर उसको नष्ट करना उनका लक्ष्य है। पुलिस के 40 से ज्यादा कर्मचारियों को छोटी-छोटी टीमों में बांटा गया है। एसपी वंदिता राणा ने कहा कि पुलिस की प्राथमिकता जमीनी विवाद में गोलीबारी करने वाले अपराधियों को पकड़ कर जेल की सलाखों के पीछे भेजने की है। जमीन किसकी है वगैरह की जांच अनुसंधान करना दूसरा विषय है। उससे संबंधित भी दस्तावेज देखे जा रहे हैं। इस मामले में यदि कहीं संबंधित क्षेत्र की थाना पुलिस की लापरवाही भी सामने आई तो निश्चित ही एक्शन लिया जाएगा।

एसपी वंदिता राणा ने बताया कि रूपनगर में जघन्य हत्याकांड व फायरिंग कर दहशत फैलाने वाले बीआरसी ग्रुप के 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। घटना में शामिल 6 आरोपी बांदरसिंदरी निवासी नंदलाल उर्फ नंदा, रूपनगर निवासी रामदेव, अर्जुन लाल, दूदू निवासी कमलेंद्र उर्फ कैलाश, अलवर निवासी आसम खां, रूपनगर निवासी मुकेश को गिरफ्तार किया है। घटना में शामिल 5 मुख्य आरोपियों पर इनाम घोषित किया गया है जिनकी तलाश जारी है। गिरफ्तार आरोपियों की प्रॉपर्टी के बारे में भी दस्तावेज खंगाले जा रहे हैं। इसके साथ ही इनको और किस-किस ने सहयोग किया उनके बीच जांच की जा रही है। वारदात में नामजद मुख्य आरोपियों राजवीर फौजी, दिनेश चौधरी, नारू, पुखराज, हनुमान की तलाश जारी है। इनमें बलभाराम के दो भतीजे भी शामिल हैं। घटना में राजवीर फौजी नाम के व्यक्ति के द्वारा फायरिंग की गई थी।

एसपी वंदिता राणा ने बताया कि सरपंच के खिलाफ पूर्व में दर्ज मुकदमों पर भी जांच की जा रही है। उन मुकदमों का रिव्यू किया जा रहा है। मामले में किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा। वहीं मामले में जेल में बंद बलभाराम से भी पूछताछ की जाएगी। पुलिस ने कड़ी सुरक्षा बंदोबस्त के बीच दर्सो आरोपियों को किशनगढ़ अदालत में प्रस्तुत किया। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

दो ट्रकों की आमने-सामने भिड़ंत में एक की मौत, दो घायल

फोरलेन पर गलत साइड से आ रहे ट्रक चालक ने ट्रक को टक्कर मारी

सादुलपुर, (निसं)। राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर स्थित गांव लुटाना पूर्ण के नजदीक फोरलेन पर शुक्रवार सुबह दो ट्रकों की आमने-सामने हुई भिड़ंत में एक जने की मौत हो गई, जबकि दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गये, एक व्यक्ति को हिसार रेफर किया गया है। मृतक के परिजनों को सूचना मिलने पर वे शाम को पहुंचे, जहां पुलिस थाना राजगढ़ में मामला दर्ज कर मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

हादसे में ट्रकों के आगे के हिस्से चकनाचूर हो गये।

- दुर्घटना इतनी भीषण थी कि एक ट्रक का अगला हिस्सा टूटकर अलग हो गया

दुर्घटना इतनी भीषण थी कि एक ट्रक का हिस्सा ही अलग हो गया तथा ट्रकों के परखच्चे उड़ गए तथा ट्रक में फंसे चालक के शव को पुलिस ने जेसीबी मशीन से बाहर निकलवाया। क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क के बीच से हटाकर लगभग एक घंटे बाद सड़क मार्ग खुलवाया। सूचना मिलते ही थाना अधिकारी पुष्पेंद्र झाझड़िया तथा एएसआई रामनिवास राव मय पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंचे तथा घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया तथा मृतक चालक के शव को मोर्चरी रूम में रखवाया। चिकित्सकों ने एक गंभीर घायल को हिसार रेफर कर दिया है। थाना अधिकारी पुष्पेंद्र झाझड़िया ने बताया कि गुरलाल सिंह पुत्र सुखदेव सिंह जट सिख निवासी मोहबतपूरा थाना सदर पटियाला पंजाब ने मामला दर्ज करवाकर बताया कि उसके पिता सुखदेव सिंह उनके ट्रक पर ड्राइवरी करते हैं। 23 सितंबर को उसके पिता अपनी गाड़ी में झाड़ू व मशीन भरकर पंजाब के लिए रवाना हुए थे। उनके पीछे ट्रक लेकर वह भी रवाना हुआ था। उसके पिता के साथ गाड़ी में सुभनित पुत्र सोनी सिंह निवासी शहदखेड़ी था तथा उसके साथ कंडक्टर दारा सिंह था। दर्ज मामले में बताया कि सुबह करीब 6.30 बजे राजगढ़ से रवाना होकर लुटाना मगनी बस स्टैंड के पास हाईवे पर पहुंचे तो उसके पिता आगे चल रहे थे तो सामने से एक ट्रक चालक ट्रक को गलत साइड में तेज गति ओर लापरवाही से ट्रक चलाकर लाया तथा उसके पिता के ट्रक को टक्कर मार दी। जिसके कारण ट्रक के सामने का केबिन खत्म हो गया और उसके पिता की मौके पर ही मौत हो गई तथा साथ में बैठे सुभनित को भी गंभीर चोट लगी। सामने वाले ट्रक के ड्राइवर को भी चोट लगी। जिसको ट्रक से नीचे उतारकर नाम पता पूछा तो अपना नाम पवन कुमार पुत्र आसूराम निवासी पंचोलिया थाना मकराना बताया, जिसको भी अस्पताल भिजवा दिया है।

थाना इंचार्ज के खिलाफ कार्रवाई की मांग

मदनगंज-किशनगढ़, (निसं)। विधायक डॉ. विकास चौधरी ने मुख्यमंत्री को पत्र प्रेषित कर बांदरसिंदरी थाना इंचार्ज पर जान-बूझकर पासपोर्ट आवेदन की प्रक्रिया में पुलिस सत्यापन के दौरान गलत तथ्य पेश करने का आरोप लगाया है। विधायक डॉ. चौधरी ने थाना प्रभारी पारुल यादव पर आक्षेप लगाते हुए अवगत कराया कि पासपोर्ट पुलिस सत्यापन के लिए गृह थाना बांदरसिंदरी में रिपोर्ट आई, थाना इंचार्ज ने बिना जांच किये राजनैतिक द्वेषता के वास्तविकता से परे जाकर रिपोर्ट दी, थाना अधिकारी द्वारा जारी रिपोर्ट में मेरा अपराधिक रिकार्ड बताया गया, जबकि पासपोर्ट के लिए आवेदन किया, तब न्यायालय में मेरे विरुद्ध कोई भी मुकदमा लंबित नहीं है, इसके बावजूद गलत जानकारी दी गई। विधायक चौधरी ने मुख्यमंत्री से मांग की है की थाना अधिकारी के खिलाफ कार्यवाही कर आमजन में पारदर्शिता का संदेश दें।

हिंदी विषय के अभ्यर्थियों की मुख्य सूची जारी

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा वरिष्ठ अध्यापक (संस्कृत शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा 2022 के अन्तर्गत हिंदी विषय के अभ्यर्थियों की मुख्य सूची जारी कर दी गई है। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

आयोग सचिव ने बताया कि उक्त परीक्षा अंतर्गत पात्रता जांच के लिए हिंदी विषय के अभ्यर्थियों की विचारित सूची 10 जनवरी 2024 को जारी की गई थी। इसके उपरांत 24 अप्रेल एवं 4 जुलाई 2024 को अतिरिक्त अभ्यर्थियों को पात्रता जांच के लिए विचारित सूची में अस्थाई रूप से सम्मिलित किया गया था। उपरोक्तानुसार विचारित सूची में सम्मिलित अभ्यर्थियों की पात्रता जांच काउंसलिंग के माध्यम से करवाई गई। पात्रता जांच के बाद टीएसपी क्षेत्र के 8 तथा नॉन टीएसपी क्षेत्र के 72 अभ्यर्थियों को मुख्य सूची में सफल घोषित किया गया है।

आयोग ने भर्तियों के विज्ञापन जारी किए

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा शुक्रवार को भू जल विभाग में तकनीकी सहायक- भू भौतिकी के 3 एवं चिकित्सा शिक्षा ग्रुप-1 विभाग में बायोकेमिस्ट के 13 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किए गये हैं। शैक्षणिक योग्यता, वर्गवार वर्गीकरण, आवेदन प्रक्रिया एवं अन्य जानकारी संबंधी विस्तृत सूचनाऐं आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग सचिव ने बताया कि तकनीकी सहायक- भू भौतिकी के पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन 1 अक्टूबर से 30 अक्टूबर 2024 की रात्रि 12 बजे तक एवं बायोकेमिस्ट के पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन 8 अक्टूबर से 6 नवंबर की रात्रि 12 बजे तक किए जा सकेंगे। ऑफलाइन आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

उदयपुर आबकारी टीम ने पाली में कार्रवाई की

अवैध रूप से शराब बेच रहे दो जनों को गिरफ्तार किया

पाली, (निसं)। पाली में आबकारी विभाग उदयपुर की टीम ने मुखबिर की सूचना पर दबिश देकर दो अलग-अलग स्थानों से अवैध शराब बेचने के मामले में दो जनों को गिरफ्तार किया। टीम ने उनके कब्जे से अवैध शराब भी जब्त की। हालांकि उदयपुर की टीम का पाली में आकर कार्रवाई करना पाली आबकारी टीम की कार्यशैली पर प्रश्न चिन्ह लगा रहा है।

उदयपुर की स्टेट स्पेशल टीम बी के पीओ नरेंद्र सिंह सांजू ने बताया कि गुरुवार को पाली शहर के रामदेव रोड के रहवासी मकान में दबिश देकर वहां से बीयर की 11 बोतल, देशी व आरएमएल-82 पव्वे, 34 विभिन्न ब्रांड के पव्वे जब्त किए। उन्होंने मौके पर पाली आबकारी थाने की टीम को बुलाकर आगे की कार्रवाई के लिए निर्देशित किया। टीम ने मौके से आरोपी आशापुरा नगर निवासी चंदू लाल पुत्र ओमप्रकाश जीनगर को गिरफ्तार किया। टीम ने पाली शहर में इंडस्ट्रियल एरिया में सिद्धार्थ रेस्टोरेंट वेज एंड नॉनवेज ढाबे से अवैध अंग्रेजी शराब, बियर, देशी व शराब जब्त की।

- उदयपुर की टीम का पाली में आकर कार्रवाई करना पाली आबकारी टीम की कार्यशैली पर प्रश्न चिन्ह लगा रहा है

मौके से सुभाष नगर बी निवासी आरोपी रमेश पुत्र मांगीलाल भाट को गिरफ्तार कर पाली आबकारी टीम को आगे की कार्रवाई के लिए सौंपा। टीम ने यहां से देशी व आरएमएल-230 पव्वे, 23 बीयर, 15 बीयर केन और विभिन्न ब्रांड के 44 पव्वे जब्त किए। दोनों ही कार्रवाई में स्पेशल टीम बी के कॉन्स्टेबल मनोज कुमार की मुख्य भूमिका रही।

बीकानेर: सैनिक की मौत पर गतिरोध बरकरार, परिजन शव लेने पर सहमत नहीं हुए

बीकानेर, (निसं)। जिले के सैनिक की मौत पर शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन शुक्रवार को भी गतिरोध बरकरार रहा और परिजन शव लेने पर सहमत नहीं हुए। गौरतलब है कि मृतक सैनिक को शहीद का दर्जा देने की मांग को लेकर ग्रामीणों का प्रदर्शन जारी रहा। वहीं परिवार ने शव लेने से इनकार किया है। परिजन ने सैनिक को शहीद का दर्जा देने की मांग रखी है।

- मृतक सैनिक को शहीद का दर्जा देने की मांग, बीकानेर में मुख्य मार्ग म्यूजियम चौराहे पर तीसरे दिन भी लगातार जाम रहा
- शुक्रवार को दिन में कई दौर में ग्रामीणों की जन प्रतिनिधियों के साथ जिलाप्रमुख के निवास पर बैठक हुई, लेकिन कोई हल नहीं निकला
- नोखा उपखण्ड के पांचू निवासी भारतीय सेना के जवान रामस्वरूप कस्वां की जम्मू-कश्मीर में गोली लगने से मौत हो गई थी

जानकारी के अनुसार नोखा उपखण्ड के पांचू निवासी भारतीय सेना के जवान रामस्वरूप कस्वां की जम्मू-कश्मीर में गोली लगने से मौत हो गई। घटना के समय जवान ड्यूटी पर था। सेना ने बुधवार (25 सितंबर) को शव जम्मू-कश्मीर से बीकानेर भेजा। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल यश राठौड़ (सेवानिवृत) ने जिला कलेक्टर को भेजे पत्र में बताया कि सैनिक रामस्वरूप निवासी पांचू की मौत फिजिकल कैजूअल्टी का केस है। बैटल कैजूअल्टी (शहीद) का केस नहीं है। इस संबंध में सेना की कोर्ट ऑफ इंक्वायरी जारी है।

रामस्वरूप के भाई ने बताया कि रामस्वरूप की मौत के समय वह ड्यूटी पर जम्मू-कश्मीर में था। परिवार की सरकार से मांग है कि रामस्वरूप को शहीद का दर्जा और केन्द्र सरकार की ओर से शहीद के अनुरूप सभी लाभ दिए जाएं। शहीद के नाम पर सड़क का नामाकरण करने, पांचू पंचायत समिति में शहीद स्मारक बनाने समेत कई मांग रखी हैं। ग्रामीणों ने म्यूजियम सर्किल के पास नेशनल हाईवे को जाम कर दिया। जिससे बीकानेर-जयपुर नेशनल हाईवे पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया। यातायात पुलिस ने जिला परिषद के पास से वाहनों को डायवर्ट करना शुरू कर दिया। अतिरिक्त जिला कलेक्टर शहर, एसडीएम, अतिरिक्त पुलिस अधिकारी ग्रामीणों से वार्ता करने मौके पर पहुंचे। शहीद का दर्जा देने की मांग पर कोई आश्वासन नहीं दे सका।

शुक्रवार को दिन में कई दौर में ग्रामीणों की जन प्रतिनिधियों के साथ जिलाप्रमुख के निवास पर बैठकहुई। इससे उम्मीद जगी की शायद गतिरोध टुटेगा लेकिन शुक्रवार की देर शाम तक धरना स्थल पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों का जमावड़ा बना हुआ था। धरना स्थल पर जानकारी दी गई कि नागौर के आरएलपी सांसद हनुमान बेनीवाल शनिवार को बीकानेर आएंगे और धरनार्थियों से संवाद करेंगे।

जोधपुर नगर निगम, (उत्तर)
पोलोटेक्निक कॉलेज परिसर, रेजीडेन्सी रोड़, जोधपुर
E-Mail-nnjelectrical@gmail.com
क्रमांकः—सं./एफ—...../कार्य/2024/RL-3999 दिनांकः— 27.09.2024
ई- निविदा सूचना क्रमांक RL-3994 दिनांक 27.09.2024
जोधपुर नगर निगम द्वारा इच्छुक कार्यो के अनुभवी योग्यताधारी विद्युत लाईसेन्सधारी संवेदको/अभियंता एंव नगर निगम में पंजीकृत नियमानुसार E-EWSD श्रेणी संवेदको या अन्य विभाग में पंजीकृत (E-EWSD-I) संवेदक से ऑन—लाईन "ई" टेण्डर प्रकिया से निगम शर्तो के अधीन निविदाये आमंत्रित की जाती है। निविदा के कार्यो, योग्यता, शर्तो की समस्त जानकारी वेबसाईट पर www.eproc.raj.in अथवा www.sppp.raj.nic.in अथवा www.lsg.rajasthan.gov.in/mcjn पर देखी जा सकती है। UBN No. DLB2425WSOB09024
राज.संवाद/सी/24/5812 आयुक्त

कार्यालय नगर पालिका सांगोद जिला कोटा (राज.)
E-Mail Id:- np.sangod@gmail.com Phone No.:-07450-294239
क्रमांकः—न0पा0सा0/2024/2605 दिनांकः—27.09.2024
ई-निविदा-सूचना
इस कार्यालय की निविदा सूचना संख्या 2600—04 दिनांक 27.09.2024 के द्वारा कुल 1 कार्य की अनुमानित लागत 16.06 लाख की किसी भी राजकीय/अर्द्धशासकीय/स्वायत्तशाषी विभागों में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से ई—निविदा आमंत्रित की जाती है। ई—निविदा से संबंधित समस्त विवरण http://eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

Work No.	UBN No.
1	DLB2425WSOB09115

राज.संवाद/सी/24/5838 अध्यक्ष अधिशाषी अधिकारी

राजस्थान सरकार
कार्यालय अधिशाषी अभियंता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, खण्ड प्रथम, जयपुर
सी-ब्लॉक, बेसमेन्ट, स्वास्थ्य भवन, तिलक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर-302005 (राज.), फोन: 0141-2229737
क्रमांक: 1389 दिनांक : 25/9/24
ई-निविदा सूचना संख्या: 27/2024-25
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत जयपुर, टोंक एवं कोटपूतली- बहरोड जिले में रू. 201.60 लाख के 6 कार्यों हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग / राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/ रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत अनुभवी संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेब साईट www.dipronline.org, www.sppp.raj.n, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेब साईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है।
UBN - 1. NRH 2425WSOB00997
2. NRH 2425WSOB00999, 3. NRH 2425WSOB01000
4. NRH 2425WSOB01002, 5. NRH 2425WSOB01003
5. NRH 2425WSOB01004
अधिशाषी अभियन्ता चिकित्सा एवं स्वास्थ्य खण्ड प्रथम, जयपुर
DIPR/C/9198/2024

कार्यालय नगरपरिषद, करौली (राज0)
फोन न.07464-294024 ई-मेल आईडी np.karauli@yahoo.com website - WWW.npkarauli.in
क्रमांक : 2091 दिनांक : 25.09.2024
संशोधित ई-निविदा सूचना
नगरपरिषद करौली की ई—निविदा सूचना संख्या 2012—13 दिनांक 24.09.2024 के द्वारा 03 कार्यो की आमंत्रित ई—निविदा सूचना की तिथिओं में तकनीकी कारणवश निम्न प्रकार संशोधन किया जाता है।

क्र.सं.	तिथिओं का विवरण	पूर्व की तिथि	संशोधित तिथि
01	ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	11.10.2024	12.10.2024
02	भौतिक दस्तावेज जमा कराने की अंतिम तिथि	12.10.2024	14.10.2024
03	निविदा खोले जाने की तिथि	13.10.2024	15.10.2024

राज.संवाद/सी/24/5759 आयुक्त नगरपरिषद, करौली

राज्य कृषि प्रबन्ध संस्थान
दुर्गापुरा, जयपुर 302018 राजस्थान (राजस्थान सरकार द्वारा स्थापित)
क्रमांक :- 7496 दिनांक :- 27/09/2024
ई-बिड सूचना संख्या - 7409/2024-25
राज्य कृषि प्रबन्ध संस्थान दुर्गापुरा जयपुर में नये आई.सी.टी आईटम्स अनुमानित लागत राशि रूपये 54.60 लाख क्रय हेतु पंजीकृत विनिर्माताओं/अधिकृत वितरक/डीलर से ई—बिड दिनांक 08.10.2024 को 01.30 पी.एम तक आमंत्रित की जाती है। ई—बिड से सम्बन्धित समस्त शर्तें व निर्देश एवं बिड प्रपत्र वेबसाइट http://sppp.raj.nic.in पर देखे जा सकते हैं एवं डाउनलोड किया जा सकते है। इन बिड में भाग लेने वाले बिडदाताओं को अपने डिजीटल हस्ताक्षर के माध्यम से इलैक्ट्रोनिक फॉर्मेट में वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन सबमिट करना होगा। NIB Code : AGR2425A0274
UBN No. : AGR2425GLOB00303
निदेशक राज्य कृषि प्रबन्ध संस्थान
राज.संवाद/सी/24/5803

राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर
क्र.सं.-संक्षिप्त वि.सं.14 एवं 15/परीक्षा/तकनीकी सहायक एवं बायोकेमिस्ट/EP-I/2024-25 दिनांक-27.9.2024
आयोग द्वारा विभिन्न विभागों के लिए 02 विज्ञापनों के तहत् ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। उक्त विज्ञापनों के तहत विज्ञापित पदों की शैक्षणिक योग्यता, विभागवार पदों की संख्या, वर्गवार वर्गीकरण, आवेदन प्रक्रिया, आयु सीमा व अन्य विस्तृत जानकारी के लिए अभ्यर्थी आयोग की वेबसाईट पर उपलब्ध पृथक-पृथक विस्तृत विज्ञापन का अवलोकन करें। इन विज्ञापनों के तहत् विज्ञापित पदों हेतु विभाग का नाम, पद नाम, विज्ञापन संख्या, पदों की संख्या, आवेदन अवधि व अन्य विवरण निम्नानुसार है-

क्र.सं.	विभाग का नाम	पद का नाम	विज्ञापन संख्या	पदों की संख्या	आवेदन अवधि
1	भू-जल विभाग	तकनीकी सहायक	14/2024-25	03	01.10.2024 से 30.10.2024
2	चिकित्सा शिक्षा (ग्रुप-1) विभाग	बायोकेमिस्ट	15/2024-25	13	08.10.2024 से 06.11.2024

अन्य बिन्दु व सूचना:- एकबारीय पंजीयन शुल्क, आवेदन प्रक्रिया, प्रमाण पत्रों से संबंधित सूचना एवं परीक्षा से संबंधित अन्य बिन्दु सूचना के लिए आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध नवीनतम एवं संशोधित परीक्षार्थियों हेतु आवेदन व परीक्षा संबंधी सामान्य दिशा-निर्देश तथा सम्बन्धित सेवा नियमों का अध्ययन आवश्यक रूप से कर लें। इसके अतिरिक्त उक्त परीक्षाओं के संबंध में समय-समय पर जारी सूचनाओं का अवलोकन आयोग की वेबसाइट http://rpsc.rajasthan.gov.in पर कर सकते है। इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार के मार्ग निर्देशन/सूचना/स्पष्टीकरण हेतु राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर के परिसर में स्थित स्वागत कक्ष पर व्यक्तिगत रूप से अथवा दूरभाष सं.- 0145-2635212 एवं 2635200 पर सम्पर्क किया जा सकता है। समस्त पत्र व्यवहार सचिव, राजस्थान लोक सेवा आयोग अजमेर को सम्बोधित किया जाए।
DIPR/C/9311/2024 (रामनिवास मेहता) सचिव

कार्यालय मेला प्रकोष्ठ नगर निगम, कोटा उत्तर/दक्षिण, राजस्थान
राजीव गांधी भवन, दशहरा मैदान, सी.ए.डी. सर्किल कोटा
email : nnksouth@gmail.com, websites : www.urban.rajasthan.gov.in/nnks, Ph.: 0744-2502142
क्रमांकः—ननिको/दक्षिण/मेला प्रकोष्ठ/2024/593—608 दिनांक :— 25.09.2024
—:: ई-निविदा संशोधन सूचना ::—
नगर निगम कोटा कोटा उत्तर/दक्षिण द्वारा पूर्व में जारी ई—निविदा सूचना 2024—25 क्रमांक 557—572 दिनांक 24.09.2024 में आंशिक संशोधन किया जाता है कि "131वीं राष्ट्रीय मेला दशहरा 2024 के अवसर पर सिने संध्या स्टार नाईट कार्यक्रम आयोजित करने का कार्य की दिनांक 27.10.2024 के स्थान पर दिनांक 25.10.2024 पढ़ा जावें।" तदानुसार निविदाओं से सम्बंधित निविदा प्रपत्र, शर्तें वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड/अपलोड की जावें। निविदा संशोधन सूचना प्रपत्र से सम्बन्धित जानकारी नगर निगम कोटा की वेबसाईट www.kotamc.org, www.urban.rajasthan.gov.in/nnks, पर भी देखी जा सकती है। निविदा के किसी भाग को अथवा निविदा को निरस्त करने का अधिकार आयुक्त, नगर निगम कोटा दक्षिण में निहित होगा। निविदा के सम्बंध में किसी भी प्रकार की जानकारी कार्य दिवस में मेला प्रकोष्ठ कार्यालय (कमरा नं. 202) प्रथम तल में प्राप्त की जा सकती है।
शेष यथावत रहेगा।
अतिरिक्त आयुक्त एवं मेला अधिकारी नगर निगम कोटा दक्षिण
राज.संवाद/सी/24/5788

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान
No.:F-2(01)Acct/Contract/2024-25/129-131 Date: 26-09-2024
ई-निविदा सूचना संख्या : 35/2024-25
उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई—टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :—

निविदा कार्यो की कुल लागत	:	रूपये 131.74 लाख (05 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/अपलोड करने की अवधि	:	28—09—2024 को प्रातः 10.00 बजे से 09—10—2024 को सांयः 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	:	28—09—2024 को प्रातः 10.00 बजे से 09—10—2024 को सांयः 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	:	10—10—2024 को प्रातः 11.00 बजे

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
UBN : ITU2425WSOB00286 TO ITU2425WSOB00290
अधिशाषी अभियन्ता—प्रथम उदयपुर विकास प्राधिकरण
राज.संवाद/सी/24/5817

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर
निविदा सूचना
विश्वविद्यालय में सामग्री/सेवा हेतु निविदा सूचना जारी की गयी है, जिसका यूबीएन GSU2425SSRC00028 (विश्वविद्यालय में फोटोग्राफी /विडियोग्राफी कार्य की द्वि—वार्षिक दर संविदा) व GSU2425SSRC00029 (ए.सी., वाटर कुलर, आर.ओ., कुलर, गीजर, रेफ्रीजरेटर के रख—रखाव हेतु द्वि—वार्षिक दर संविदा) है। निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी http://sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।
राज.संवाद/सी/24/5798 कुलसचिव

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर
रेल्वे अस्पताल के सामने, रातानाडा, जोधपुर — 342001
क्रमांक :— 1217 दिनांक : 27.09.2024
:: ई-निविदा सूचना संख्या -मुख्यालय/24/2024-25 ::
जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से प्राधिकरण एवं राजकीय विभाग में उपयुक्त श्रेणी मे पंजीकृत संवेदक जिनका पंजीयन 2 वर्ष की अवधि में पुनरावलोकन (Review) किया हुआ एवं फर्म /कम्पनी जो बिड दस्तावेजो में निर्धारित योग्यताएं पुर्ण करती है से निर्धारित प्रपत्र मे ई—प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। इन कार्य की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा, शर्तें आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.jodhpurjda.org, www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है।
UBN No. :-JOD2425WLOB00169
अधिशाषी अभियंता जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर
राज.संवाद/सी/24/5815

कार्यालय नगरपालिका देवली (टोंक) राज.
Office of The Municipal Board, Deoli (Tonk) Rajasthan
Tel.- (01434) 232013, E-mail : npdeoli@gmail.com
क्रमांक/न.पा.दे./विकास/ई निविदा/2024—25/1699 दिनांक : 27.09.2024
ई-निविदा सूचना संख्या (06/2024-25)
नगरपालिका देवली (टोंक) द्वारा नगर निकाय देवली एवं राजस्थान सरकार के समुचित वर्ग के सूचीबद्ध ठेकेदारों/संवेदको एवं केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकार व उनके अधिकृत संगठनो में पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न उपयुक्त श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो, उनके निर्धारित प्रपत्र में ई—प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑन—लाईन निविदा दिनांक 28.09.2024 को प्रातः 9.00 बजे से 07.10.2024 को सायं 06.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित निविदा प्रोसेसिंग शुल्क एवं निविदा शुल्क जरिये RTGS/NEFT द्वारा HDFC Bank Account Number 25991450000134 IFSC Code HDFC0002599 में दिनांक 07.10.2024 को सायं 6.00 बजे तक जमा करवाकर Transction ID सहित बैंक स्टेटमेन्ट की प्रति ऑनलाईन अपलोड करनी होगी। तकनीकी बिड दिनांक 08.10.2024 को दोपहर 03.00 बजे बाद एवं वित्तीय बिड तकनीकी निविदा सफल होने के बाद खोली जावेगी। निविदा फार्म एवं ई—निविदा से सम्बन्धित विवरण व शर्तें वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in एवं कार्यालय समय में उपलब्ध है। 01 कार्य की कुल लागत 23.92 लाख है।
NIB Code— DLB2425A2913
UBN No. - DLB2425WSOB09066
अध्यक्ष नगरपालिका देवली
अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका देवली
राज.संवाद/सी/24/5827

जेल प्रशासन में वर्दीधारी महिलाओं के चतुर्थ राष्ट्रीय सम्मेलन का सी.डी.टी.आई., जयपुर में हुआ आयोजन

सरकार जेल प्रशासन में महिलाओं की भागीदारी को और मजबूत बनाने की ओर अग्रसर : उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा

जयपुर। सीडीटीआई, जयपुर में जेल प्रशासन में वर्दीधारी महिलाओं के चतुर्थ राष्ट्रीय सम्मेलन का बीपीआरएंडडी द्वारा आयोजन किया गया। जिसमें जेल विभाग के महानिदेशक, अपर महानिदेशक, महानिरीक्षक, अधीक्षक, प्रहरी, विषय विशेषज्ञ, गैर सरकारी संस्थाओं के लगभग 100 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

इस समेलन का शुभारंभ गृह राज्य मंत्री, भारत सरकार श्री बंडी संजय कुमार द्वारा गुरुवार को किया गया था। सम्मेलन का समापन समारोह शुक्रवार को प्रदेश के उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस मौके पर बैरवा ने कहा कि सरकार का उद्देश्य जेल प्रशासन में महिलाओं की भागीदारी को और मजबूत करना है ताकि समग्र सुधारात्मक प्रणाली का विकास हो सके। सम्मेलन के दौरान महत्वपूर्ण योजनाएं प्रस्तुत की गई जो भविष्य में जेलों में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी।

सीडीटीआई, जयपुर में जेल प्रशासन में वर्दीधारी महिलाओं के चतुर्थ राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन समारोह प्रदेश के उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा के मुख्य आतिथ्य में हुआ।

महानिदेशक बीपीआरएंडडी राजीव शर्मा ने बताया कि इस सम्मेलन का मुख उद्देश्य जेल प्रशासन में वर्दीधारी महिलाओं के महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित करना और उनके समक्ष आने वाली चुनौतियों पर चर्चा करना था। सीडीटीआई के निदेशक डॉ अमनदीप सिंह कपूर ने बताया कि सम्मेलन के दौरान जेल अधिकारियों को अपने अनुभव साझा करने, नई नीतियों पर विचार विमर्श करने और जेल प्रणाली को और अधिक समावेशी एवं प्रभावी बनाने के लिए रणनीतियों पर चर्चा करने का अवसर मिला।इस सम्मेलन में देशभर के प्रख्यात विषय विशेषज्ञों द्वारा महत्वपूर्ण विषयों पर प्रकाश डाला गया।

यह सम्मेलन जेल प्रशासन में महिलाओं के योगदान को सम्मानित करने के साथ साथ उनके समक्ष आने वाली चुनौतियों को समझने और उनके समाधान के उपाय तलाशने का एक महतपूर्ण प्रयास था। इस समारोह में महानिदेशक बीपीआरएंडडी राजीव शर्मा, महानिदेशक जेल उत्तरप्रदेश पीवी राम शास्त्री व महानिरीक्षक, बीपीआरएंडडी श्रीमती रेखा लोहानी ने महत्वपूर्ण विषयों पर अपने अनुभव साझा किए।

कमीशन का झांसा देकर युवक से ठगे 15 लाख

जयपुर। शिवदासपुरा इलाके में सोशल मीडिया एप पर लिंक भेजकर टारगेट पूरा करने पर कमिशन का झांसा देकर युवक से 15 लाख रुपए ठगने का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार बल्लपुरा बाडापदमपुरा निवासी भगवान सहाय गंगवाल ने मामला दर्ज करवाया कि उसके पास टेलीग्राम पर एक लिंक आया। इस लिंक को श्रेया गावदा ने भेजा था।

लड़की ने बोला कि टारगेट पूरा करने पर अच्छा कमीशन मिलेगा। इस पर उसने 30 टारगेट पूरा किए तो उसके खाते में 1000 रुपए का कमिशन आया गया। इसके बाद 30 और टागरेट पूरा करने का लक्ष्य मिला। इस पर उसने टारगेट पूरा किया। उसे 10 हजार रुपए का कमिशन मिलता। इस दौरान उसके खाते से 10 लाख रुपए से ज्यादा की राशि कट गई।

इस पर उसने तीन टास्क हो पूरे किए तो उससे 15 लाख 15 हजार रुपए और मांगे। इसी बीच उसके खाते से 5 लाख रुपए से ज्यादा की राशि और काट ली गई। ठगी का अहसास होने पर पीडित ने पुलिस की शरण ली। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सार-समाचार

बी.एस.एन.एल. में चिकित्सा शिविर

जयपुर। बीएसएनएल राजस्थान परिमंडल कार्यालय में जयपुर के ग्लोबल हार्ट एण्ड जनरल हॉस्पिटल ने सरवाइकल केंसर एण्ड हार्ट डिजीज जागरूकता अभियान के तहत एक निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जिसमें बीएसएनएल के अधिकारियों, कर्मचारियों व इनके आश्रितों तथा स्वछताकर्मियों ने बड़ी संख्या में चिकित्सा सुविधा का लाभ उठाया एवं विभिन्न सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर बीएसएनएल राजस्थान परिमंडल के मुख्य महाप्रबंधक विक्रम मालवीय, वरिष्ठ महाप्रबंधक (एचआर एवं प्रशासन) अखलेश अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में बीएसएनएल के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

सदबहार नगमे गूंजेंगे

जयपुर। सुकून आर्ट एंड म्यूजिक एकेडमी की ओर से 29 सितंबर को रिद्धी सिद्धी सर्किल स्थित द पार्क क्लासिक होटल में सुबह 11 से शाम 6 बजे तक म्यूजिकल प्रोग्राम का आयोजन किया जा रहा है। सुरों के रंग-लता के संग कार्यक्रम में सुकून भरी सुर रागिनियां गूंजेगी। सभी कलाकारों ने कार्यक्रम का पोस्टर लॉन्च किया। एकेडमी की डायरेक्टर नीरा राजबंशी ने बताया कि प्रोग्राम में करवाउके म्यूजिक परफॉर्मेंस होंगी जिसमें 30 से अधिक प्रतिभागी लता मंगेशकर के गीत गाएंगे। उन्होंने बताया कि सुर साम्राज्ञी लता मंगेशकर के साथ उनका विशेष लगाव रहा है। लता मंगेशकर के जन्मदिन को खास मनाने के लिए कलाकारों को मंच देने के प्रयास के रूप में यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

उपभोक्ता केयर पुस्तक का विमोचन

जयपुर, (का.सं.)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के मंत्री सुमित गोदारा ने राज्य उपभोक्ता आयोग के सदस्य रामफूल गुर्जर एवं जिला उपभोक्ता आयोग तृतीय के अध्यक्ष देवेंद्र मोहन माथुर द्वारा तैयार उपभोक्ता केयर पुस्तक का शुक्रवार को इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान में विमोचन किया। राज्य उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष न्यायाधिपति(से.नि.) देवेन्द्र कच्छवाहा ने बताया कि उपभोक्ता आयोग द्वारा तैयार इस पुस्तिका से उपभोक्ताओं को नये उपभोक्ता कानून 2019, ई दाखिल की प्रक्रिया, उपभोक्ता हितों की तमाम जानकारी मिल सकेगी। कार्यक्रम में राज्य उपभोक्ता आयोग के न्यायिक सदस्य अतुल कुमार चटर्जी ने उपभोक्ता कानून 2019 के तहत ई कॉमर्स के द्वारा खरीद से संबंधित प्रावधानों के जानकारी दी। उपभोक्ता निदेशालय के निदेशक संजय झाला ने उपभोक्ता की शंकाओं का भी समाधान किया। इस अवसर पर उपभोक्ता संरक्षण संगठन कैन्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अनंत शर्मा, खाद्य, नागरिक आपूर्ति के प्रवर्तन अधिकारी सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

पैंतीस लाख रुपये ठगे

जयपुर। मनी लॉन्ड्रिंग केस में फंसाने की धमकी देकर एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर को डिजीटल गिरफ्तार कर पैतीस लाख रुपए ठगने के मामला सामने आया । जानकारी के अनुसार साइबर ठगों ने सॉफ्टवेयर इंजीनियर को कई घंटों तक डिजीटल गिरफ्तार कर पहले पन्द्रह लाख रुपए और फिर बीस लाख रुपए लोन दिलवाकर लिए। इस दौरान रोते समय भी आरोपितों ने पीड़ित को वीडियो कॉल पर रखा। ठगी का शक होने पर पीड़ित ने जयपुर पुलिस कमिश्नरेट स्थित साइबर क्राइम थाने में मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। पुलिस ने बताया कि पीड़ित सॉफ्टवेयर इंजीनियर जयपुर में रहकर एक कंपनी में नौकरी करते हैं। चौंबीस सितम्बर को उसके मोबाइल पर एक व्यक्ति का फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को नामी कूरियर कंपनी से बोलना बताया कि उनके नाम के आए पार्सल का मुंबई से ताइवान जाना। पार्सल को अरमान नाम के व्यक्ति ने बुक कराया है। इसमें भारी मात्रा में ड्रग्स रखी होने के कारण इसकी सूचना पुलिस को भी दे दी गई है। कुछ देर बाद दूसरे मोबाइल नंबर से फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को पुलिस अधिकारी बोलना बताया। एनडीपीएस एक्ट केस की धमकी देते हुए आधार कार्ड व अन्य दस्तावेज मांगे। उसके बाद बताया कि मनी लॉन्ड्रिंग केस भी बनेगा और केस में फंसाने की धमकियां देकर वीडियो कॉल कर उसे सम्पर्क कर लिया। अलग-अलग तरीके से धमकाते हुए पैंतीस लाख रुपए हड़प लिए। साइबर ठगों ने पीड़ित सॉफ्टवेयर इंजीनियर को कई घंटों तक डिजीटल गिरफ्तार रखा।

पुलिस कस्टडी से भागे बदमाश पकड़े

जयपुर। शिवदासपुरा थाना पुलिस द्वारा चोरी के मामले मे गिरफ्तार किए गए यूपी के दो बदमाशों को गुरूवार को चाकसू कोर्ट मे पेश कर लौट रही थी। इस दौरान दोनो बदमाश पुलिस को गच्चा देकर भाग निकले। जिन्हे कांस्टेबल राजेंद्र चौधरी ने बदमाशों को पीछा करते हुए तिगरिया गांव के बाजरे के खेत से पकड़ा। शिवदासपुरा थानाधिकारी रणजीत सिंह ने बताया कि चोरी के मामले में यूपी के हथरोही के रहने वाले बदमाश आकाश और सूरज राजपूत को गिरफ्तार किया था। जिन्हे पुलिस द्वारा गुरुवार को चाकसू कोर्ट में पेश कर लौट रही थी। तभी कोर्ट से कुछ दूरी पर बीच रास्ते से दोनों बदमाश फरार हो गए थे। जिन्हे कांस्टेबल राजेंद्र चौधरी ने पीछा करते हुए तिगरिया गांव के बाजरे के खेत से पकड़ा।

दुपहिया वाहन चुराने वाले गिरफ्तार

जयपुर। शिप्रा पथ थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दुपहिया वाहन चुराने वाले दो वाहन चोरों को पकड़ा है और उनके पास से चुराई गई दो बाइक भी जब्त की है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण दिगंत आनंद ने बताया कि शिप्रापथ थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दुपहिया वाहन चुराने सुनिल कुमार मीणा और करण सिंह मीणा को गिरफ्तार किया है। दोनों ही आरोपित बालाघाट जिला गंगापुर सिटी हाल सांगानेर के रहने वाले है। पुलिस ने इनके पास से दो चोरी की बाइक बरामद की है। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि आरोपित सूनसान जगहों पर रैकी कर वाहन चोरी की वारदात करते है और फिर उन्हे सस्ते दामों में दौसा और भरतपुर में बेच कर मौज-मस्ती सहित नशा करते है।

तीन सौ किलो मिलावटी पनीर नष्ट करवाया

जयपुर । प्रदेश में मिलावट के खिलाफ निरंतर अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में शुक्रवार को खाद्य सुरक्षा आयुक्त इकबाल खान के निर्देशन में जयपुर शहर में करीब 300 किलो मिलावटी पनीर नष्ट कराया गया। संयुक्त आयुक्त, खाद्य सुरक्षा डॉ. एसएन धौलपुरिया ने बताया कि आयुक्तालय में प्राप्त शिकायत के आधार पर शुक्रवार को खातियों का मोहल्ला, नांगल जैसा बोहरा में केंद्रीय टीम द्वारा कार्रवाई की गई। यहां सायर सिंह द्वारा अलवर से पनीर मंगवाकर सप्लाई कर रहा था। वह कालवाड रोड, निवारू रोड सहित आस-पास के क्षेत्र में खुदरा विक्रेताओं को करीब 190 रूपए किलो में पनीर बेचता था।

भारतीय मानक ब्यूरो की टीम ने शुक्रवार को आऊ में स्थित विकास मिनरल वाटर इंडस्ट्रीज नामक बॉटल बंद पानी की कंपनी पर छापेमारी की कार्रवाई की। इस दौरान यह फैक्ट्री भारतीय मानक ब्यूरो के वैध लाइसेंस के बिना बॉटल बंद पानी का उत्पादन करती हुइ पाई गई। ब्यूरो की टीम में मोहित मीणा, सचिन गुप्ता, मौजूद थे। इस दौरान फर्जी आईएसआई मार्का वाली बॉटले जब्त की गई।

जयपुर से कोटा परीक्षा देने गए युवक पर बदमाशों ने किया हमला

जयपुर। कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट की परीक्षा देने के लिए जयपुर से कोटा गए एक युवक पर बदमाशों ने हमला कर दिया है। बदमाशों ने अभ्यर्थी को चाकू मारकर घायल कर दिया है। पुलिस ने तत्काल एक्शन लेकर घटना के 1 घंटे के भीतर ही तीन आरोपियों को डिटेन कर लिया है। तीनों बदमाश शहर के अलग-अलग इलाकों के रहने वाले हैं, जिन्होंने बाइक हटाने को लेकर हुई कहासुनी के मामले में परीक्षार्थी पर हमला कर दिया। घायल हुए कैंडिडेट को एमबीएस अस्पताल में एडमिट कराया था, लेकिन उसका सुबह एग्जाम था, ऐसे में वह एग्जाम देने के लिए अस्पताल से एग्जाम सेंटर पर चला गया।भीमगंज मंडी थाना अधिकारी रामकिशन गोदारा ने बताया कि घटनाक्रम गुरुवार देर रात 1 बजे राम मंदिर के नजदीक हुआ है। परीक्षार्थी जयपुर निवासी 24 वर्षीय अक्षय मोदी वहां से गुजर रहा था। इस दौरान सड़क पर खड़ी हुई बाइक को लेकर बदमाशों और अक्षय के बीच विवाद हो गया।

मुंह में इंसानी पंजा लेकर घूमता दिखा श्वान, मचा हड़कंप, वीडियो वायरल

जयपुर। सवाई मानसिंह अस्पताल से एक बार फिर दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जिससे अस्पताल प्रशासन के दावों की पोल भी खुल गई है। इस घटना का वीडियो भी वायरल हुआ। दरअसल, एसएमएस अस्पताल के गेट नंबर 2 के सामने गुरूवार शाम को एक श्वान इंसानी पैर का एक पंजा मुंह में लेकर घूमता नजर आया। वो पंजे को नोचता दिखा। उसे देखकर वहां मौजूद लोगों में दहशत पैदा हो गई। सूचना मिलते ही अस्पताल प्रशासन में भी हड़कम्प मच गया।

बताया जा रहा है कि श्वान अस्पताल परिसर के अंदर से ही पंजे को मुंह में दबाकर लाया था। लोगों ने उसे देखा और भगाने की कोशिश की तो वह आक्रोशित हो गया और मानव अंग को लेकर सड़क पार जा बैठा। लेकिन कुछ ही देर में वह वहां से भी मानव अंग को लेकर भाग गया। लोगों की सूचना जब अस्पताल प्रशासन व पुलिस पहुंची तो वहां पर ना ही पंजा मिला और ना ही श्वान मिला है।

■ **अधीक्षक बोले, ऐसा कोई ऑपरेशन नहीं हुआ, जिसमें अंग हटाना पड़ा हो**

इस मामले में अस्पताल के अधीक्षक डॉ सुशील भाटी का कहना है कि वीडियो सामने आया था, जिसमें ऐसा प्रतीत हो रहा है लेकिन मौके पर श्वान या इंसानी अंग का हिस्सा नहीं मिला। हमने अस्पताल में पता भी करवा लिया है। जिस वक्त की घटना बताई जा रही है, उसके के चार से छह घंटे में कोई ऑपरेशन नहीं हुआ, जिसमें किसी मरीज का अंग हटाया गया हों। रात 11.30 बजे के बाद दो सर्जरी हुई थी। जिसमें अंग हटाए गए थे। वो नियम के अनुसार डिस्पोजल करवा दिए गए थे। सीसीटीवी कैमरे भी खंगाले गए है। आसपास दुकान पर भी पता किया लेकिन कहीं कोई सुराग नहीं मिला।

रेलवे के स्वास्थ्य निरीक्षक सहित दो गिरफ्तार

जयपुर। एसआई भर्ती परीक्षा में डमी अभ्यर्थी बिठाकर लिखित परीक्षा पास करने के आरोपी दीपक कुमार मीणा की फरारी काटने में मदद करने वाले दो आरोपियों को एसओजी ने गिरफ्तार कर लिया है। इनमें एक रेलवे का स्वास्थ्य निरीक्षक है। इन्होंने फरारी काटने के दौरान दीपक को आर्थिक मदद भी दी थी।

एसओजी-एटीएस के एडीजी वीके सिंह ने बताया कि उप-निरीक्षक संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा-2021 में डमी अभ्यर्थी बिठाकर पास हुए दीपक कुमार मीणा को फरारी के दौरान शरण देने और पैसा उपलब्ध करवाने वाले सहयोगी कुलदीप मीणा और सतीशचन्द्र मीणा को गिरफ्तार किया गया है। बता दें कि दीपक को पिछले दिनों एसओजी ने गिरफ्तार किया है. उसके खिलाफ एसओजी ने कोर्ट से गिरफ्तारी वारंट जारी करवाया गया था और दस हजार रुपए का इनाम भी घोषित किया हुआ था। उन्होंने बताया कि आरोपी दीपक कुमार मीणा ने उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा, पटवारी भर्ती परीक्षा-2021 व एलडीसी भर्ती परीक्षा-2018 में मूल अभ्यर्थी के स्थान पर डमी अभ्यर्थी को बैठाकर अभ्यर्थियों को परीक्षा पास करवाई थी। उसने एसआई भर्ती परीक्षा में अपने स्थान पर डमी अभ्यर्थी बिठाकर परीक्षा पास की थी दीपक कुमार मीणा ने गैंग के सरगना व अपने भाई मनीष कुमार मीणा, दिनेश कुमार मीणा, मामा महेश कुमार मीणा व दोस्त रोशन लाल मीणा के साथ तीन भर्ती परीक्षाओं में छह अभ्यर्थियों की जगह डमी अभ्यर्थी बिठाकर परीक्षा पास की और चयनित हुए थे. सभी परीक्षाओं में रोशन लाल मीणा डमी अभ्यर्थी के रूप में बैठा था, जो पहले गिरफ्तार हो चुका है। उन्होंने बताया कि दीपक कुमार मीणा प्रकरण दर्ज होने के बाद से ही फरार चल रहा था।

■ **एसआई भर्ती: आरोपी दीपक की फरारी काटने में की मदद**

ट्रैक्टर-ट्रॉली बाइक पर पलटी

जयपुर। शिवदासपुरा इलाके में शुक्रवार की सुबह बजरी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलटी खाने से बाइक सवार दो सगे भाइयों की उसके नीचे दबने से मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जेसीबी की मदद से दोनों शवों को ट्रॉली के नीचे से निकाला। वहीं हादसे की सूचना पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने सड़क पर शव रखकर प्रदर्शन किया। परिजनों को मुआवजा देने की मांग रखी। ग्रामीणों ने क्षेत्र में ओवरलोड वाहनों की आवाजाही का आरोप भी लगाया। करीब 4 घंटे तक चले प्रदर्शन के बाद प्रशासन और परिजनों के बीच समझौते पर सहमती बनी। प्रशासन के मुताबिक, मृतकों में से एक को मुख्यमंत्री दुर्घटना बीमा योजना के तहत 5 लाख रुपए की सहायता राशि दी जाएगी। वहीं, दूसरे को मुख्यमंत्री सहायता कोष से 1 लाख रुपए की सहायता राशि, पालनहार योजना के तहत बच्चों को आर्थिक सहायता, विधवाओं को पेंशन सहायता राशि दी जाएगी।

दी राजस्थान अरबन को ऑपरेटिव बैंक की 35वीं वार्षिक आम सभा 27 सितंबर को साधारण सभा की बैठक शुक्रवार को जयपुर में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता बैंक के संचालक मडंल के अध्यक्ष कृष्ण कुमार टाक ने की। इस मौक़े पर बैंक के सदस्य मौजूद रहे। बैंक के प्रबंध संचालक डॉ लीला पुरुषोत्तम शर्मा ने बैंक का पूरे साल भर का लेखा जोखा प्रस्तुत किया। इस इस अवसर पर बैंक के डायरेक्टर अभय लूनिया, भरत कुदाल, रेखा टाक और अन्य डायरेक्टर मौजूद रहे। साधारण सभा में बताया गया है कि हाल ही में चांदपोल बैंक की एक नई शाखा का उद्घाटन विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने किया है, जल्द ही बैंक अपने ग्राहकों के लिए सुविधा शुरू करेगा। इसके अलावा अन्य कई लाभ उपभोक्ताओं को बैंक की ओर से दिये जाएंगे।

दो वाहन चोर गिरफ्तार

जयपुर। ट्रांसपोर्ट नगर थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम जयपुर दक्षिण पूर्व (डीएसटी) ने संयुक्त रूप से वाहन चोरों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से चुराए गए दो दुपहिया वाहन भी बरामद किए गए है। पुलिस की प्रारम्भिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपित नशा करने के आदि है और नशा पूर्ति के लिए वाहन चोरी की वारदात करते है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्वनी गौतम ने बताया कि ट्रांसपोर्ट नगर थाना पुलिस और पूर्व (डीएसटी) ने संयुक्त रूप से वाहन चोरों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दुपहिया वाहन चुराने वाले शातिर वाहन चोर रमित धानका और चेतन उर्फ चंदू को गिरफ्तार किया है और दोनों ही आरोपित जवाहर नगर इलाके के रहने वाले है। जिनके पास से मालवीय नगर और ट्रांसपोर्ट नगर थाना इलाके से चुराए गए दो दुपहिया वाहन भी बरामद किए है। आरोपित नशा करने के आदि है और नशे के लिए वाहन चोरी करते है। जो दुपहिया वाहन चोरी करके जाते है और जहां उसका पेट्रोल खत्म होने पर सुनसान जगह खडी कर देते थे और उस दुपहिया वाहन से मोबाइल स्नेचिंग सहित चोरी की वारदात करते।

सहकारिता के सिद्धान्त से आगे बढ़ेगा जयपुर दुग्ध संघ : ओमप्रकाश पूनिया

सरकार की डेयरी सम्बन्धित सभी कल्याणकारी योजनायें प्रभारी तरीके से लागू की जायेगी : मनीष कुमार

जयपुर। जयपुर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि0, (जयपुर डेयरी) की 24वीं आमसभा सम्पन्न हुई। जयपुर दुग्ध संघ अध्यक्ष ओमप्रकाश पूनिया द्वारा सिलसिलेवार ढंग से संघ में चल रही परियोजनाओं की जानकारी दी। पूनिया ने बताया कि 20 करोड़ की लागत से जेड.एल.डी. (जीरो लिक्विड डिस्चार्ज) संयंत्र बनकर तैयार हो चुका है। इसके शुरू हो जाने पर वर्ष में 24 करोड़ लीटर पानी की बचत होगी। इस परियोजना से जल प्रदूषण कम होगा जिससे पर्यावरणीय लाभ मिलेगा।

पूनिया ने आगे बताया कि जयपुर दुग्ध संघ के पुराने संयंत्र का 125 करोड़ की लागत से नवीनीकरण किया जायेगा, जिससे संघ की कुल प्रोसेसिंग क्षमता 15 लाख लीटर प्रतिदिन से बढ़कर 20 लाख लीटर प्रतिदिन हो जायेगी एवं पैकिंग क्षमता 12 लाख लीटर प्रतिदिन से बढ़कर लगभग 15-17 लाख लीटर प्रतिदिन हो जायेगी। उन्होने बताया कि मार्च 2025 में जयपुर दुग्ध संघ अपनी स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण कर रहा है, इस अवसर पर जयपुर दुग्ध संघ द्वारा स्वर्ण जयंती समारोह जोर-शोर के साथ मनाया जायेगा। आमसभा में संबोधित करते हुए जयपुर डेयरी प्रबन्ध संचालक मनीष कुमार ने बताया कि वर्ष 2023-24 के लिए 3300 करोड़ रू. का बजट पास किया गया है, जिसमे से 2288 करोड़ की राशि का भुगतान दुग्ध उत्पादकों को किया गया है। उन्होने जयपुर दुग्ध संघ के सभी दुग्ध उत्पादकों को जयपुर दुग्ध संघ की प्रगति का श्रेय देते हुए उन्हे धन्यवाद दिया। साथ ही उन्होने सभी दुग्ध उत्पादकों को विश्वास दिलाया कि राज्य सरकार द्वारा डेयरी सम्बन्धित सभी जन कल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी तरीके से लागू किया जाएगा।

जयपुर डेयरी की 24वीं आमसभा में जयपुर दुग्ध संघ अध्यक्ष ओमप्रकाश पूनिया ने सघ में चल रही परियोजनाओं की जानकारी दी।

■ **जयपुर दुग्ध संघ की 24वीं आमसभा सम्पन्न, सभी प्रस्ताव पारित**

इस अवसर पर जयपुर डेयरी के संचालक मण्डल के सदस्यों के साथ-साथ आर.सी.डी.एफ. के वित्तीय सलाहकार ललित वर्मा, सहकारी विभाग की अतिरिक्ति रजिस्ट्रार गुंजन चौबे एवं जयपुर डेयरी के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

युवक ने युवती से किया धोखा, बनाए फिजीकल रिलेशन

जयपुर। भांकरोटा इलाके में एक युवक ने खुद को कुंवारा बताकर एक युवती को धोखा दिया। आरोपी ने युवती को प्रेमजाल में फंसा कर उसके साथ फिजीकल रिलेशन बनाए। भांकरोटा थाने में पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई है। मामले की पुलिस जांच रही है।

पुलिस ने बताया कि भांकरोटा की रहने वाली 22 साल की युवती ने मामला दर्ज करवाया कि साल-2022 में जोबनेर में एक कैफे में आने-जाने के दौरान उसकी मुलाकात आरोपी से हुई थी। कैफे में अक्सर मिलने पर दोनों की बातचीत होने पर अच्छी दोस्ती हो गई। मिलने-जुलने के दौरान आरोपी ने शादी के लिए प्रपोज किया। खुद को कुंवारा बताकर मई-2022 में आरोपी ने आर्य समाज में उससे शादी कर ली।शादी के बाद साथ रहने पर फिजिकल रिलेशन बनाए।

कुछ दिनों पहले आरोपी के पहले से शादीशुदा होने का पता चला। शादीशुदा होने के बाद भी उससे शादी कर फिजिकल रिलेशन बनाने का विरोध करने पर आरोपी उसे छोड़कर भाग निकला। धोखे का पता चलने पर पीड़िता ने भांकरोटा थाने में आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई।

ARBiT
it happens here...

International Rabbit Day

Held on the last Saturday of September, this annual celebration of the long-eared, short-tailed mammal is not just in the name of the millions of bunnies kept as pets across the Western world but also aims to promote a serious message about animal welfare. On International Rabbit Day, we are encouraged to consider, not only the companionship offered by our favourite hutch-dwellers, but the various ways in which rabbits are harmed by medical and cosmetic testing, hunting, fur farming and, of course, casseroling.

राष्ट्रदूत
SATURDAY
28 September 2024
A-B

#ANCIENT TECHNOLOGY

Egyptian Pyramids

The Step Pyramid is believed to have been built in around 2680 BCE as a funerary complex for the Third Dynasty pharaoh, Djoser. Yet, the precise method of its construction has always remained unclear.

Egypt's Great Pyramids have been a source of wonder and mystery for centuries. But recent research has shed a dazzling light on the secrets of how they were created, and how this involved the impressive use of water.

Now, a new study has suggested that at least one of the great structures was built using equipment that was far more sophisticated than once thought.

In the past, experts believed that the *Step Pyramid* was most likely constructed using a network of ramps and levers.

However, the latest analysis, led by Xavier Landreau of France's CEA Paleotechnic Institute, suggests that the Ancient Egyptians channelled nearby canals to power weight-bearing lifts.

The study suggests that water was enabled to flow into two shafts, located in the pyramid itself, which were used to help raise and lower a float used to carry the heavy stone building blocks.

"Ancient Egyptians are famous for their pioneering and mastery of hydraulics through canals for irrigation purposes and barges to transport huge stones," the researchers wrote.

This work opens a new line of research, the use of hydraulic force to erect the massive structures built by Pharaohs. The Step Pyramid, is believed to have been built in around 2680 BCE as a funerary complex for the Third Dynasty pharaoh, Djoser. Yet, the precise method of its construction has always remained unclear.

Landreau and his colleagues argue that a nearby previously-unexplained structure, known as the *Gisr el-Mudir enclosure*, was, in fact, a 'check dam' used to capture water and sediment.

They also posit that a series of compartments dug into the ground, just outside the pyramid, may have served as a water treatment facility. This would have enabled sediment to settle as water passed through each subsequent compartment. From there, after flowing into the pyramid's shafts themselves, the pressurised water would have floated the building stones towards the upper levels of the structure via an internal shaftway, in a process known as 'volcano' construction. Nevertheless, whilst the authors feel confident that the internal architecture of the Step Pyramid is consistent with a hydraulic elevation device never reported before, they concede that further investigations are needed. They now aim to establish how water might have flowed through the shafts, as well as how much water was available in the surrounding area, all those thousands of years ago. Still, they note that whilst other structures, including ramps, were probably also used to help erect the pyramid, a hydraulic lift system could have been used to support the building process when there was enough water.

They stress that their research, carried out in conjunction with several national laboratories, has led to the discovery of a dam, a water treatment facility, and a hydraulic elevator, which would have enabled the construction of the Step Pyramid of Saqqara.

They conclude that this work opens a new research line for the scientific community that is the use of hydraulic power to build the pyramids of Egypt.

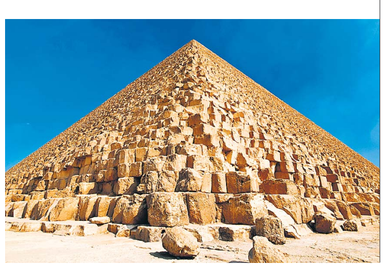

The Lord has a good appetite, not only for fragrant flowers and ornaments but also for delicious food. Lord Sri Venkateswara, who loves delicious food, happily shares the same with his devotees in the form of *Prasadam*. Tenali Ramakrishna, the court poet of Sri Krishna Deva Raya had bestowed the title '*Thindimendayya*' (voracious eater) on the Lord after he was unable to assess the Lord's food intake. *Prasadams*, of this magnitude, are prepared with pure ghee. It is believed that the leftover ghee, after all items that are prepared on a regular day, is sufficient for preparing prasadams in smaller temples, throughout the year. In *Tirupati mandir*, Laddu is the main offering (prasadam) to the presiding deity.

What's in a Laddo?

In this one, a Piece Of God!

Anjali Sharma
Senior Journalist & Wildlife Enthusiast

So, what is it about this '*laddu*' that makes it so special? To begin with, this delicacy was created during the Pallava dynasty's rule. Even inscriptions from the 1480s mention the *laddoo*, which was then called '*manoharam*.' The latter was originally served in a loose, chunky form. The sweet's components underwent up to six modifications over history before settling on their current ball form under the Madras Government in 1940.

In this article, an attempt is made to highlight the preparation of *Srivari Laddu*, ingredients, which are used for preparing the Laddu, income and expenditure and the pilgrims' satisfaction on the *Taste of the Laddu*. Based on the pilgrims' opinion, and when they are asked for it, suggestions are given for the TTD authorities to provide better *Srivari Prasadam* for the pilgrims. Tirumala Sri Venkateswara Temple is a world famous temple. Probably, no place of worship, anywhere in the world, attracts as many pilgrims and receives as much revenue as the Tirumala temple. More than 60,000 pilgrims visit Tirumala every day.

The Lord has a good appetite, not only for fragrant flowers and ornaments but also for delicious food. Lord Sri Venkateswara, who loves delicious food, happily shares the same with his devotees in the form of *Prasadam*. Tenali Ramakrishna, the court poet of Sri Krishna Deva Raya had bestowed the title '*Thindimendayya*' (voracious eater) on the Lord after he was unable to assess the Lord's food intake. *Prasadams*, of this magnitude, are prepared with pure ghee. It is believed that the leftover ghee, after all items that are prepared on a regular day, is sufficient for preparing prasadams in smaller temples, throughout the year. In *Tirupati mandir*, Laddu is the main offering (prasadam) to the presiding deity.

Tirumala, and its prasadam, *laddu* are almost synonymous. The huge *vada* occupies the next position. The architect of the 'Laddu' was Kalyanam Iyengar. He introduced the *Mirasidari* system to prepare *Laddus*. Those preparing laddus in the kitchen (*potu*) were called *Gamekar Mirasidars*. The Mirasidars enjoyed the privilege of preparing Laddus and got their share of the prasad till 2001. Out of the each lot of 51 laddus, 11 were given to *Mirasi Brahmin* families. The TTD management won a legal battle in the Supreme Court for abolition of Mirasi system. Mirasidari system was abolished in 2001, whereby the Government of Andhra Pradesh put an end to the rights of the hereditary trustees in preparing offerings.

About one tonne of *besan* flour, 10 tonnes of sugar, 700 kgs of cashew nuts, 150 kgs of cardamom, 300 to 500 litres of ghee, 500 kgs of sugarcandy and 540 kgs of raisins are used daily, besides saffron strings and edible camphor. This is the standard recipe, which is to be multiplied according to the quantity to be made. We cannot return home without *Tirumala Laddu*, after the divine *darshan* of Lord Venkateswara. There is no satisfaction in doing so. Every devotee, returning from Tirupati, will necessarily distribute 'Laddu' as *prasadam* to his friends and relatives. Laddu is so important for every devotee that even VIPs bring recommendation letters to have a few more than the quota for each *Arjitha Seva* such as *Kalyanam* or the *Archana Antara Seva*. The reason for such a popularity of Laddu among pilgrims of Tirumala is its unique flavour. Devotees find it 'divinely' tasty, and most of them can be heard saying, "It is so good, because it's *prasadam*. Making them at home does not infuse that extra goodness." All these characteristics and never-compromising quality of Laddus ever since it all began distributing 300 years ago, though the size of Laddu has reduced over the years, have made this prasadam the 'most sought after in India.'

Tax and land reforms' records found on an inscription.

Historical Background

#AASTHA

THE TTD HAS ENTERED INTO CONSULTANCY SERVICE CONTRACT WITH THE CENTRAL FOOD TECHNOLOGICAL RESEARCH INSTITUTE, MYSORE TO ENSURE GOOD QUALITY OF PRASADAM PANIYARAMS. IN TIRUMALA TEMPLE, THREE TYPES OF LADDUS ARE BEING PREPARED WHICH ARE:

Asthanam Laddu, Kalyanotsavam Laddu and Proktham Laddu. The difference between these three Laddus is:

- **Asthanam Laddu:** This is prepared on Special Festive occasions. These can be distributed only to Special Guests like President of India, Prime Minister, Presidents, and Prime Ministers from other countries. They weigh 750 grams. For this, more quantity of Cashew nuts, Almonds, Ghee and Saffron flowers are used for the preparation, when compared to the allotted *Dittam*.
- **Kalyanotsavam Laddu:** The Laddu is distributed to those who take part in the *Kalyanotsavam* and *Arjitha Seva Grihastas*. This is tastier when compared to the small Laddus. Those who want Kalyanotsavam Laddu, they can pay Rs. 100/- for each. There is demand for these Laddus in Tirumala.
- **Prokthum Laddu:** This is small Laddu which is distributed to the common pilgrims in Tirumala Temple. Weight of the Laddu is 175 grams. According to the TTD records, for preparation of each Laddu, there is an estimation of Rs. 25. But the TTD distribute with subsidised rates for the benefit of the common pilgrims. Pilgrims, those who complete their *Darshan*, can get two Laddus at the cost of Rs. 20. The list of ingredients and the proportion in which they are to be used is called *dittam*. Changes in dittam have been made over the years six times to meet the increasing demand. Recently, the TTD management has decided to stick to the original dittam's specifications, as there are many complaints on the falling shelf-life of the laddus. Now, the cost of preparation of each laddu is Rs. 25.

The dittam for the Srivari Laddu in Tirumala temple is as follows:

1. First Quality Rice
2. Sugar
3. Cashewnuts
4. Cardamom
5. Cow Ghee
6. Sugarcandy (*Misri*)
7. Raisins (*Kishmish*)
8. Gram flour

Historical records show that during the *Pallavas shasan*, prasadam was offered to the Presiding deity. Later, Devaraya II made a grant of three villages and gift of 200 *panam* for certain daily offerings. In addition, another officer of the Devaraya II, Amatya Shekara Mallanna, was appointed for arrangements for *Naivedyam* and *Nityadipam* to Lord Venkateswara. He introduced time table for food offerings to the Lord. The remaining food was to be distributed for the pilgrims, free of cost. This prasadam was called as *Tiruppongam*.

Later, *Sukkiyam*, *Appam*, *Manohara Padi*, *Vada* were also to be offered to the God. The Tirumala Temple received liberal patronage under the Vijayanagara rulers. The name given in the inscription is 'Avasaram.' The word 'Avas' in Sanskrit is food. This term is noticed in three previous inscriptions of the year 1554, 1579 and 1616. The inscriptions also made it clear that there was a similar food offering instituted by one Maharaja Sri Shudaji Bhanuji Pantulu. It seems from the inscription that Aliya Ramaraya's food offerings ceased after the conquest of the country by the Golkonda kings, and that the few, who were continuing to do service in the temple, stood in need of food like *suddhannam* (cooked food). Gradually, there was demand for the prasadam in Tirumala temple. The Madras Government identified the problem in AD 1803 and started sale of prasadams. Here, the pilgrims demanded more Vadas because Vada could be preserved more days when compared to other Paniyarams. The Madras Government started to sell the sweet *Bundi*, that is the initial form of Laddu. In 1940, that was shaped into Laddu.

Tamil Inscription.

From 1996 to 2001, the TTD prepared Laddu and other prasadams themselves. It started to become difficult for the TTD to increase the number of Laddus per day. The influx of pilgrims meant distribution of equal or more number of Laddus. They also had to cater to other '*Sevas*' and *Kalyanotsavams*. It became a herculean task for the officials to meet the demand. The Lord's kitchen is called *Potu*. In this potu, prasadam was prepared with only firewood. From 1984, the use of LPG started as there was a spurt in the number of laddus required every day. Even though the number increased to one lakh laddus per day, only 150 cooks were able to handle the work with the introduction of latest cooking technology. This number of laddus was less than half of the demand from devotees. Another kitchen was added to make another 70,000 laddus. On special occasions like *Ugadi*, the staff prepares special laddus and offers them to the God. Till now, the biggest laddu offered to Lord Venkateswara is 32 kgs. It was prepared by special hereditary priests known as *archakas* in special temple kitchen. Working space has been increased by expanding the Potu. This improved the sanitary and hygienic conditions of the Potu. Stainless steel trays are being used to stock the prasadam.

The Tamil Nadu Milk Co-operative Federation and Karnataka State Milk Federation have so far supplied 2,400 tonnes of ghee to *Tirumala Tirupati Devasthanams*. The TTD has sources of income through the sale of laddu. The revenue from the sale of laddu annually is more than 11 million rupees. In 2012-13, TTD estimated Rs. 140.00 crore receipts for the sale of Laddus, but it was projected at Rs. 150.00 crores. *Tirupati Laddu* got the patent rights under the Geographical Indications of Goods (Registration and Protection) Act in 2009. The TTD had applied for GI with Chennai-based Geographical Indication Registry to avoid its black-marketing by hawkers and middlemen. More than eighty five per cent (87.6%) of the pilgrims agreed that Laddu's taste is good. The reason for such a popularity of Laddu among pilgrims of Tirumala is its unique flavour, characteristics and never compromising on quality of Laddus (Though, the size of Laddu has reduced over the years.). More importantly, Laddu is the favourite *naivedyam* of Lord Venkateswara himself. Remaining 12% of the pilgrims mentioned that they are satisfied with laddu taste. Less than one per cent (0.4%) of them answered that Laddu's taste is bad when compared to the past days.

The reason is that there is a problem in storing laddus, apart from preparation of laddus. Tirumala is a cold place, but the humidity in air is high. Laddu cannot be stored for long time. Due to heavy demand, laddus are sent to sales counters immediately after preparation. Today, 2.50 lakhs of Laddus are being prepared in Tirumala.

Though, many modern methods are implemented in the speedy and quality preparation of laddus, they have not yielded good results. It is suggested that the administration should take care while preparing the *Laddu* (prasadam), and also that a mechanised pressing system can be introduced for making Laddu. The employees, those who are working in Potu, should maintain the kitchen in a hygienic condition.

The Tirumala Tirupati Devasthanams (TTD), which manages the Sri Venkateswara Swami temple in Tirupati, buys the ingredients through e-auction, spending about 500 crores on the procurement. The tendering process had shifted to online in 2022 to reduce human intervention.

The ghee tankers come with certification by the National Accreditation Board for Testing and Calibration Laboratories (NABL), which ensures that food testing has been done reliably. The consignment is stocked in godowns spread over two acres near Alipiri in Tirupati, for use in prasadam as well as for its free food scheme.

The annual procurement includes over 6,100 tonnes or 61 lakh kgs of ghee, 14 tonnes sugar, 9,200 tonnes of Bengal gram, 4,680 tonnes of *sona masoori dal*, and other ingredients that include raisins, cashews, cardamom and sunflower oil.

Only those agencies registered with the Andhra Pradesh Technological Services are allowed to take part in the e-auction. The contracts are awarded on the basis of various technical parameters and financial factors. AGMARK certification and FSSAI licences are a must for some of the ingredients from such agencies.

The consignment, that has come under spotlight, included 10 tankers of ghee from the Tamil Nadu-based AR Dairy Food Pvt. Ltd. Four of their tankers were stopped over suspected adulteration. The samples were sent for testing and the consignment was kept aside.

AR Dairy has said that its consignments have cleared multiple lab tests and that they have documents to prove that all test reports had cleared the ghee, which was sent to the temple. The dairy said it supplied just 0.01 per cent ghee to Tirumala.

This is a saga of one of the biggest enterprises of cooked fare. But this cannot be judged by ordinary standards of business, allowing '*theka*' or standard systems of tenders. This is a matter of faith for a large people, and cost cutting cannot be the guiding principle. It's like this, *kar seva* can't be paid for, it is not a salary for a worker, it's a seva, by rich and poor in *gurudwaras*, and can't be regulated by the same systems applied to other cost effective projects. Prasadam is God's blessing, just as kar seva is prostration before him, and the white smoke coming out of the chimney is god's confirmation of the new pontiff. It's a matter of '*aastha*.'

rajeshsharma1049@gmail.com

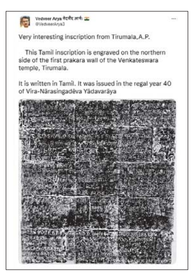

Written in Tamil, it was issued by Krishna Deva Raya.

#SPACE

It Turns Out that Earth May Have Once Had a Ring

Take that, Saturn.

We know what Earth looks like. Famously nicknamed the 'pale blue dot' by Carl Sagan, our planet is a fairly small, rocky one with a moon, a thin atmosphere, a little bit of land, and a whole lot of ocean.

But Earth has looked a lot of ways over the course of its life. It's been hot and fiery. It' been the opposite of hot and fiery. It's been lonely without its little lunar companion. It's been in shambles after being slammed into by another giant space rock.

And, according to a study recently published, during an era known as the Ordovician period, it may have once had rings. Seriously.

The researchers behind the paper arrived at their hypothesis by taking a look at the geology of our planet, or, at least, the geology it would have had during the Ordovician period via reconstructions. And what they found was weird. The team was able to note the presence of 21 impact craters caused by meteor strike, all within 30 degrees of the equator that came from that same about 460-million-years-go period of time. Given that most (by a significant margin) of Earth's land falls outside that 30 degree band, it's very odd that there would be such an outsized number of impacts happening in just that narrow region.

Unless, that is, we had a ring that was slowly raining debris down on our world. "Over millions of years," Andy Tomkins, the lead author on the study from Monash University, said in a press release, "Material from this ring gradually fell to Earth, creating the spike in meteorite impacts, observed in the geological record. We also see that layers in sedimentary rocks from this period contain extraordinary amounts of meteorite debris."

Planetary rings can be formed in a few ways, but the researchers believe that any ring that Earth may have had would have been caused by our planet, basically turning its gravity on a nearby asteroid and ripping it apart. This happens when an object (say, an asteroid or a moon) falls within what is called a planet's Roche limit, the distance from a planet at which its gravitational tidal forces overcome the internal gravity holding the captured object together, tearing it asunder until it functionally dissolves. Between its momentum and succumbing to Earth's orbit, the debris then forms a ring around our planet.

At least, for a while. Gravity doesn't ease up whenever a large object turns into a field of tiny objects. It's still pulling, and that can cause 'rain,' where bits of those rings slowly fall to the surface of the planet until there's nothing left. Saturn's rings are currently (very slowly) raining out of orbit, and are actually expected to disappear by around 100 million years from now. So, enjoy them while you can.

That rain is where the craters come in. Rings tend to form around the equators of planets. So, if Earth had rings, and thus, ring rain, we would see a pattern of impact craters exactly like those described in this recent study.

And that's not all. "What makes this finding even more intriguing," Tomkins added, "is the potential climate implications of such a ring system."

The Ordovician period and its impact spike correspond closely with a period of intense cold for our planet known as the *Hirnantian glaciation*, or, more dramatically, as the *Hirnantian Icehouse*. This was a truly freezing period that resulted in significant glacier formation, sea level drop, and a huge, marine-centered mass extinction, second in scope only to the 'Great Dying.' This was the coldest period in the last 540 million years of Earth's history. And the research team believes that all of this could have been caused in part by the shadow cast by a ring around our planet. "The idea that a ring system could have influenced global temperatures," Tomkins said, "adds a new layer of complexity to our understanding of how extra-terrestrial events may have shaped Earth's climate."

Of course, the entire idea remains a hypothesis at this point. Additional study will likely be needed before we can say anything for sure. But this research offers up a new lens through which to look at our past, and if we're lucky peering through it will allow us to understand the world, that we live in, better than ever before.

THE WALL

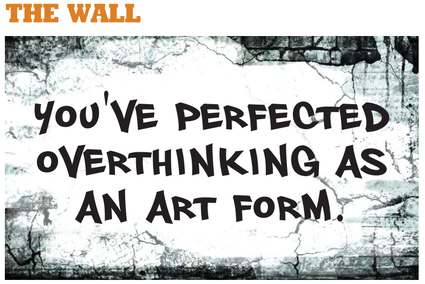

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

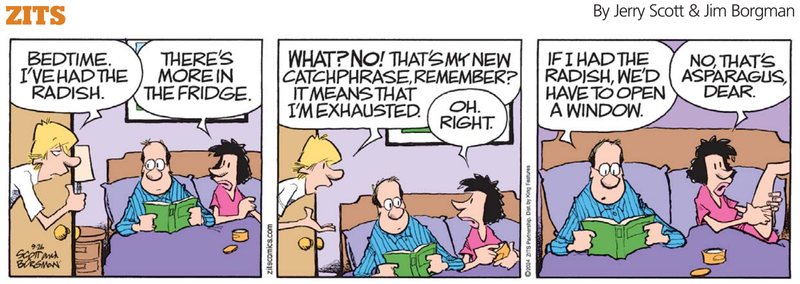

केकड़ी से जिले का दर्जा खारिज करने के संकेतों के बाद लोगों में आक्रोश

केकड़ी के विभिन्न सामाजिक व व्यापारिक संगठन जिला बचाओ आंदोलन में शामिल हुये, आज केकड़ी बंद का आव्हान

केकड़ी, (निसं)। केकड़ी से जिले का दर्जा खारिज करने की अटकलों के बीच केकड़ी के लोगों में आक्रोश का उबाल फूट पड़ा है। विभिन्न सामाजिक व व्यापारिक संगठन पर अब खुलकर विरोध में आ गये हैं तथा सरकार को केकड़ी को हटाने का फैसला लेने से पहले आगाह करने में लग गए हैं।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार को विभिन्न सामाजिक संगठनों ने जिला कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर केकड़ी जिले को यथावत रखने की मांग की है। वहीं जिला बार एसोसिएशन ने भी आन्दोलन का बिगुल फूंक दिया। गुरूवार से शुरू हुई बार एसोसिएशन की पेनडाउन हडताल शुक्रवार को दूसरे दिन भी जारी रही। शुक्रवार को अधिवक्ताओं ने उपखण्ड कार्यालय के बाहर टेंट लगाकर धरना प्रदर्शन किया।

इस मौके पर अधिवक्ताओ ने कहा कि केकड़ी जिला हम सब का मान और सम्मान है सरकार केकड़ी जिले को हटाने का फैसला लेती है तो सरकार के खिलाफ वो उग्र आन्दोलन करेंगे। इस मौके पर अधिवक्ताओ ने कहा कि केकड़ी जिला सरकार को करोड़ों का राजस्व दे रहा है फिर भी सरकार जिले के बजट का रोना रो रही है। अधिवक्ताओं ने कहा कि केकड़ी जिला हर मापदण्ड पर खरा उतरता है, जिला हटाने के संकोतों के बाद से ही आमजन में भारी निराशा है। जिला बनने के बाद केकड़ी जिले के लाखों लोगों की उम्मीदों के पंख लगे थे लेकिन अब सरकार गैर जिम्मेदाराना रवैया अपनाकर जिले को हटाती है तो आमजन को भारी निराशा होगी। इधर लगातार दूसरे दिन न्यायिक कार्य के बहिष्कार के कारण अधिवक्ताओ के चैम्बर बंद रहे जिससे परिवादियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

अधिवक्ताओं ने धरना प्रदर्शन के दौरान सर्वसम्मति से शनिवार को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत का बहिष्कार करने का निर्णय लेते हुए केकड़ी जिले को यथावत रखने के लिए शनिवार को सम्पूर्ण केकड़ी बंद का निर्णय लिया गया। उन्होंने बताया कि केकड़ी बंद को विभिन्न सामाजिक संगठनों व व्यापारिक संगठनों ने समर्थन दिया है। बार अध्यक्ष रामावतार मीणा ने कहा कि जिले को हटाने के कयासों के बाद से केकड़ी में विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है, लेकिन सरकार ने अब तक आश्वस्त नहीं किया है कि केकड़ी जिले को नहीं हटाया जाएगा। इसलिए सरकार को समय रहते आश्वासन देना चाहिए ताकि आन्दोलन रूक सके अन्यथा आन्दोलन और अधिक उग्र रूप धारना कर सकता है।

जिला बचाने के लिए बार एसोसिएशन को दाधीच दाहिमा समाज, अग्रवाल समाज, पठान समाज, क्षत्रिय खटीक समाज, लोधा समाज, रेगर समाज, आदर्श बडवा समाज, केकड़ी सर्राफा संघ, अखिल भारतीय बैरवा महासभा, पाराशर समाज, अखिल भारत हिन्दू महासभा, रावणा राजपूत समाज, देशवाली समाज, देवसेना, राजेश पायलट किसान संगठन, अखिल भारतीय जाट महासभा, क्षत्रिय महासभा, पार्षद मंजू बज, दिगम्बर जैन समाज, प्रान्तीय रेगर महासभा, अम्बेडकर वेलफेयर सोसायटी, विश्व हिन्दू परिषद आदि संगठनों ने समर्थन दिया है।

जिला बचाने के लिए कलेक्ट्रेट के बाहर दूसरे दिन भी धरना जारी:- केकड़ी जिला बचाओ समिति के तत्वाधान में जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय के बाहर दूसरे दिन में धरना प्रदर्शन जारी रहा। दूसरे दिन बडी संख्या में लोगों ने पहुंचकर अभियान को अपना समर्थन दिया। समिति के संयोजक रामावतार सिखवाल ने बताया कि धरना प्रदर्शन में केकड़ी शहर के साथ आसपास के गांवो के लोग भी शामिल हुए। इस मौके पर वैष्णव समाज, टैक्सी यूनियन, ट्रांसपोर्ट यूनियन, महिला सहायता समूह, केकड़ी वरिष्ठ जन संघ, प्रॉपर्टी डीलर संघ, अखिल भारतीय हिन्दू महासभा सहित अन्य संगठनों के लोगों ने धरने में शामिल होकर अपना समर्थन दिया।

वहीं दूसरी और भीम आर्मी व आजाद समाज पार्टी ने भी जिला कलक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर केकड़ी जिले को यथावत रखने की मांग की है। इस मौके पर आजाद समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष डीएल वर्मा, प्रेमचन्द मोची, द्वारका प्रसाद चंदेल, जगन्नाथ डिडवानिया, हेमराज रेगर, परमेश्वर लाल वर्मा, ओमप्रकाश बडोला, प्रभुलाल जागृत, सूरजकरण आदि मौजूद थे।

- जिला बार एसोसिएशन ने भी आन्दोलन का बिगुल फूंका, पेनडाउन हडताल दूसरे दिन भी जारी रही

केकड़ी जिले को यथावत रखने की मांग को लेकर केकड़ी में जिला बार एसोसिएशन ने पेन डाउन हड़ताल कर प्रदर्शन किया।

सांसद रावत की आपत्ति पर कक्षा नौ की पुस्तक से गलत तथ्य हटेंगे

सांसद रावत के पत्र के बाद मुख्यमंत्री कार्यालय ने संशोधन के आदेश जारी किए

उदयपुर, (कासं)। सांसद डॉ. मन्नालाल रावत ने राजस्थान राज्य पाठ्यपुस्तक मंडल, जयपुर द्वारा कक्षा 9 के लिए प्रकाशित पुस्तक में मानगढ़ धाम के संत गोविंद गिरी महाराज के अलग भील राज्य बनाने के लिए प्रेरित होने संबंधी गलत टिप्पणी प्रकाशित किए जाने को लेकर गहरी आपत्ति व्यक्त की है। सांसद डॉ. रावत ने इस संबंध में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखा। मुख्यमंत्री कार्यालय ने इसे गंभीरता से लेते हुए प्रारंभिक शिक्षा विभाग को पाठ्यक्रम में आवश्यक संशोधन के निर्देश दिए हैं।

पत्र में सांसद डॉ. रावत ने बताया कि कक्षा 9 की पुस्तक राजस्थान का स्वतंत्रता आंदोलन एवं शौर्य परंपरा के अध्याय 4 में पृष्ठ संख्या 42 पर लिखा है कि सामंती एवं औपनिवेशिक सत्ता द्वारा उत्पीड़क व्यवहार ने गोविंद गिरी एवं उनके शिष्यों को सामंती व औपनिवेशिक दासता से मुक्ति प्राप्त करने हेतु भील राज्य की स्थापना की योजना बनाने की ओर प्रेरित किया।

सांसद रावत ने मुख्यमंत्री को अवगत कराते हुए कहा कि पुस्तक में प्रकाशित उक्त कथन पूर्णत: तथ्यों से परे हैं। मूलत: यह आंदोलन चेतना जागरण का आंदोलन था, जिसे संत गोविंद गिरी ने संप सभा का गठन करके अहिंसक तरीके से शुरू किया। वे तो अपने अनुयायियों के साथ पूर्णिमा के दिन मानगढ़ धाम पर हवन कर रहे थे। आदिवासी समाज के लोग वहां अपनी आस्था के अनुसार आहुति देने के लिए घी व श्रीफल लेकर पहुंचे थे। उसी दिन 17 नवंबर 1913 को अंग्रेज सेना ने इस आंदोलन को समाप्त करने के लिए क्रांतिकारियों का जघन्य नरसंहार किया।

इस के बाद संत गोविंद गिरी को गिरफ्तार कर आजीवन कारावास व उनके एक साथी पूंजा धीरा भील को काले पानी की सजा सुनाई। राजद्रोह का फर्जी मुकदमा दर्ज करने के लिए रिकॉर्ड में भील राज्य स्थापना की झूठी टिप्पणी लिखी अंग्रेजों ने संत गोविंद गिरी जी के विरुद्ध राजद्रोह का फर्जी मुकदमा दर्ज करने के लिए इस घटनाक्रम में अपने रिकॉर्ड में झूठा तथ्य अंकित किया। औपनिवेशिक दृष्टि से भीलराज स्थापना की टिप्पणी जबरन लिखवाई।

सांसद मन्नालाल रावत ने पत्र में लिखा कि इस टिप्पणी को उल्लेखित पेरा के रूप में पढ़ाया जाना सकल राष्ट्रीय चेतना के विरुद्ध है। इसे अक्षरश: इसी रूप में नहीं लेना चाहिए। इस विषय पर विशेषज्ञों के शोधपत्रों एवं तथ्यों को लेते हुए पाठ्यपुस्तक में उक्त टिप्पणी को संशोधित किया जाना आवश्यक है।

- सांसद डॉ. मन्नालाल रावत ने इस संबंध में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखा

कोटा। पुलिस लाइन में स्थित नया गांव की पहचान का प्रतीक प्राचीन वट वृक्ष अचानक देर रात में धराशाही होकर गणेशजी के मंदिर पर आ गिरा। यहां के लोगों की मान्यता है कि यह वट वृक्ष करीब 220 साल पुराना है, जो कि रिटायर्ड इंडियन आर्मी ऑफिसर श्रवण लाल कुशवाहा के परदादा स्व. केशव कुशवाहा ने अपने बचपन में लगाया था। श्रवण लाल ने कहा कि गणेशजी का बहुत-बहुत धन्यवाद जो इस आपदा को अपने ऊपर लिया और इसमें किसी की कोई जान-माल की हानि नहीं हुई।

संवेदकों का टेंडर बहिष्कार, ज्ञापन सौंपा

दौसा, (निसं)। नगर परिषद के संवेदकों ने बकाया भुगतान और टेंडरों पर रोक लगाने की मांग को लेकर एसीएम को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया कि नगर परिषद द्वारा जारी किए गए कार्य टेंडरों को समय सीमा में पूरा करने के बावजूद उनकी ओर से बकाया राशि का भुगतान नहीं किया गया है। संवेदकों का कहना है कि नगर परिषद पर उनका लगभग 15-16 करोड़ रुपये का बकाया है, जो काफी समय से लंबित है। यह राशि प्राप्त करने के लिए वे कलेक्टर, एडीएम और एसडीएम से लगातार मांग कर रहे हैं, लेकिन अधिकारियों की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। इस स्थिति ने संवेदकों में गहरी निराशा और असंतोष पैदा किया है, जिसके चलते उन्होंने टेंडर का बहिष्कार करने का निर्णय लिया है। उनका स्पष्ट संदेश है कि जब तक बकाया राशि का भुगतान नहीं किया जाएगा, तब तक वे कोई नया कार्य नहीं करेंगे।

गहने चोरी करने वाली हरियाणा की सांसी गैंग पकड़ी, चार गिरफ्तार

बस में सवार महिला के बैग के चीरा लगाकर लाखों के गहने चोरी कर ले गए थे

तखतगढ़ थाना पुलिस ने बसों में गहने चोरी करने वाली हरियाणा की सांसी गैंग के चार बदमाशों को गिरफ्तार किया।

पाली, (निसं)। तखतगढ़ थाना पुलिस ने बस में सवारियों के बैग के चीरा लगाकर उनमें रखे रुपए-गहने चोरी करने वाली हरियाणा की शातिर सांसी गैंग के चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे में वारदात के दौरान उपयोग ली कार भी जब्त की। रिमांड के दौरान चोरी किए गए गहने इनकी निशानदेही पर बरामद करने का पुलिस प्रयास करेगी।

एसपी चूनाराम जाट ने बताया कि 1 सितंबर को जालोर जिले के आहोर के बेदाणा कलां गांव की रहने वाली वदूदेवी पत्नी पुखराज कुमावत अपने बेटे रामलाल के साथ बस में तखतगढ़ आई थी। लौटते समय सांडेराव की ओर जा रहे थे। इस दौरान चार अन्य लोग भी उनके साथ गाड़ी में सवार थे जिन्होंने महिला व उसके बेटे को बातों में उलझाया और बैग में चीरा लगा कर सोने-चांदी के गहने चुराकर ले गए। मामला दर्ज कर पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की। सीसीटीवी फुटेज से आरोपियों के बारे में पुलिस को अहम सुराग हाथ लगे, जिनका पीछा किया और पड़ताल की तो हरियाणा के जिंद और हिसार गांव की गैंग द्वारा यह वारदात करना सामने आया।

चार आरोपियों को किया गिरफ्तार मामले में पुलिस ने पुलिस ने हरियाणा के हिसार जिले के गगनखेड़ी (हांसी सदर) निवासी सन्नी उर्फ सुनिल उर्फ चिन्ना पुत्र धर्मवीर सांसी, हरियाणा के हिसार जिले के सुलचानी (नारनौंद) निवासी नरेन्द्र उर्फ नन्ना पुत्र प्रेम सांसी, मोट रागड़ान नारनौंद निवासी रामनिवास पुत्र रोकनराम सांसी और सुनिल उर्फ सुल्लु पुत्र ताराराम सांसी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने इनके कब्जे में वारदात में उपयोग ली कार भी जब्त की। आरोपियों ने पाली, जालोर, सांचोर, अजमेर में भी वारदातें करना स्वीकार की। आरोपियों को पकड़ने में तखतगढ़ थाने के हेड कांस्टेबल पदमाराम, कांस्टेबल सांवलाराम, तेगबहादूर की मुख्य भूमिका रही।

- पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात के दौरान उपयोग में ली गई कार भी जब्त की
- आरोपियों ने पाली, जालोर, सांचोर, अजमेर में भी वारदातें करना स्वीकार की

चूरू निवासी शिक्षक को मिला न्याय

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान उच्च न्यायालय की एकलपीठ के न्यायाधीश फरजंद अली ने माध्यमिक शिक्षा विभाग की ओर से राजस्थान सिविल सेवा अपील अधिकरण के 21 जुलाई 2022 के आदेश के विरूद्ध प्रस्तुत रिट याचिका को खारिज कर दिया।

चूरू निवासी दिनेश कुमार की नियुक्ति राजस्थान अधीनस्थ शिक्षा सेवा नियम 1971 के नियम 20 के तहत द्वितीय श्रेणी वरिष्ठ अध्यापक के रूप मे 22 दिसंबर 1996 को उपनिदेशक माध्यमिक शिक्षा चूरू के द्वारा की गई। इसके अनुसरण में प्रार्थी ने 11 जनवरी 1997 को कार्यग्रहण कर लिया। इसके बाद 31 मई 1997 को आदेश जारी कर प्रार्थी को पुन: कार्यमुक्त कर दिया। 27 जून 1997 को उसे पुन: कार्यग्रहण करवाने का आदेश विभाग द्वारा पारित किया गया। पुन: कार्यग्रहण आदेश के क्रम में प्रार्थी ने 1 जुलाई 1997 को पुन: कार्यग्रहण कर लिया।

माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा उसकी सेवाओं की गणना जुलाई 1997 से की व उसे वर्ष 1997 के ग्रीष्मावकाश का वेतन भी नहीं दिया गया। साथ ही उससे चयनित वेतनमान के लाभ के लिये भी उसकी सेवाओं की गणना जुलाई 1997 से की गयी। सेवा संबंधी सभी लाभ उसे 11 जनवरी 1997 से ना देकर जुलाई 1997 से प्रदान किये गये। जबकि उसके द्वारा कार्यग्रहण 11 जनवरी 1997 को कर लिया गया था। अपने सेवा की गणना जनवरी 1997 से करने व अन्य लाभ जैसे चयनित वेतनमान, ग्रीष्मावकाश का वेतन आदि के लिये प्रार्थी ने विभाग के समक्ष कई बार निवेदन भी किया गया, परन्तु विभाग द्वारा कोई कार्यवाही नहीं गयी। विभाग के इस कृत्य से व्यथित होकर दिनेश कुमार ने एक अपील राजस्थान सिविल सेवा अधिकरण के समक्ष वर्ष 2019 मे प्रस्तुत की। वर्ष 2022में अधिकरण ने प्रार्थी के पक्ष में फैसला करते हुए उसे जुलाई 1997 के स्थान पर जनवरी 1997 से सेवा भी गणना करने चयनित वेतनमान का लाभ व वर्ष 1997 के ग्रीष्मावकाश का वेतन देने का आदेश 21 जुलाई 2022 को पारित किया।

पुष्कर में उदासीन आश्रम में स्थित भगवान शिव के मंदिर में शाम के समय कोबरा सांप को देखकर पुजारी समेत आश्रम के सेवादारों में हड़कम्प मच गया। संध्याकालीन आरती के ठीक पहले करीब पांच फीट लंबा स्पेक्टिकल कोबरा सांप दरवाजे के पीछे आकर छिप गया, जिस पर पुजारी पृथ्वीकान्त शर्मा की नजर पड़ गई। इसकी सूचना तुरन्त ही टीम पुलिसमित्र को आश्रम के पुजारी द्वारा दी गई। पुलिसमित्र टीम इंचार्ज के साथ स्नेक रेस्क्यूएर राजेन्द्र वच्चानी, मनीष कुमावत मौके पर पहुंचे। मंदिर परिसर की छानबीन करने पर कोबरा सांप को दरवाजे के पीछे छुपा पाया गया जिसे स्नेक रेस्क्यूएर राजेन्द्र वच्छनी द्वारा पकड़कर मंदिर परिसर में मौजूद पुजारी व सेवादारों को जानकारी देकर भयमुक्त किया गया।

पालिका ने फोगिंग करवाई

मालपुरा, (निसं)। भारी बारिश के बाद खाली भूखण्डों व नीचे के क्षैत्रों में जलभराव होने से पनप रहे मलेरिया व डेंगुजनित मच्छरों से आमजन को राहत दिलाने के लिये पालिका अध्यक्ष व ईओ के निर्देशों पर शहर में फोगिंग करवाई गई। अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी जयनारायण जाट ने बताया कि पार्षदों की मांग व शहरवासियों की समस्या को गंभीरता से लेते हुये अध्यक्ष सोनिया सोनी व ईओ राहुल पारीक के निर्देशों पर शुक्रवार की शाम वार्डों में फोगिंग शुरू की गई। रोजाना चार वार्ड का रोस्टर बना फोगिंग सभी 35 वार्डों में की जायेगी।

मालपुरा पालिका की बोर्ड बैठक में कई प्रस्ताव पारित हुये

नवीन जिला अस्पताल भवन, हेलीपेड निर्माण सहित दीवाली पर सजावट का प्रस्ताव पारित हुआ

मालपुरा, (निसं)। मुख्यमंत्री की बजट घोषणा में केबिनेट मंत्री व मालपुरा विधायक कन्हैयालाल चौधरी के अथक प्रयासों से मालपुरा शहर में नवीन जिला अस्पताल की मिली स्वीकृति पर भवन निर्माण के लिये पालिका से भूमि आवंटन को लेकर शुक्रवार को पालिका अध्यक्ष सोनिया सोनी की अध्यक्षता में बुलाई गई बैठक में पहुंचे 11 भाजपा व दो निर्दलीय सहित 13 पार्षदों की मौजूदगी में जिला अस्पताल व हेलीपेड निर्माण के लिये भूमि सहित दीपावली पर सजावट व आतिशबाजी के प्रस्ताव ध्वनिमत से पारित हुये।

राज्य सरकार के आदेश व केबिनेट मंत्री के निर्देशों पर शुक्रवार को बुलाई गई बोर्ड की महत्वपूर्ण बैठक का ऐजेंडा सभी 35 पार्षदों को सात दिन पूर्व लिखित में देने के बावजूद शुक्रवार को हुई बैठक में कांग्रेस से पार्षद बने पांच पार्षदों सहित कांग्रेस समर्थित 12 निर्दलीय व भाजपा के युधिष्टर सिंधी व सौरभ कनोजिया बैठक में अनुपस्थित रहे। निर्धारित समय पर शुरू हुई बैठक में भाजपा के डॉ. अंकित जैन, लोकेश बडोलिया, मणिशंकर सैनी, श्योजीराम शर्मा, बाबूलाल नावरिया, लक्ष्मी सैनी, नेहा विजय, ललीता सिंधी, मोनिका सोनी, समीक्षा सुराशाही सहित निर्दलीय रमेश सैनी व सुरेन्द्र राव ने बैठक में रखे तीनों प्रस्ताव पर अपनी सहमति जताकर पारित किया। भाजपा के श्योजीराम शर्मा ने मिटिंग के कार्यवाही रजिस्टर में अपना पक्ष दर्ज करवाते हुये बताया कि अस्पताल के पास अखिल भारतीय च्यवन गौड ब्राह्मण समाज की धर्मशाला व छात्रावास की भूमि पर समाज गत तीस साल से काबिज है। उक्त भूमि पर पक्का व पुख्ता निर्माण किया हुआ है। ऐसे में बिना समाज का पक्ष जाने व उसे संतुष्ट किये बगैर उक्त भूमि से समाज को बैदखल करना न्याय संगत नहीं है। ऐसे में उक्त भूमि को छोड शेष भूमि को ही अधिग्रहण किया जावे। जिस पर पालिका अध्यक्ष व ईओ ने पुनर्विचार कर उचित निर्णय का विश्वास दिलाया। बैठक में मौजूद पार्षद नेहा विजय सहित लोकेश बाडोलिया, मोनिका सोनी, अंकित जैन ने शहर मे चरमराई सफाई व्यवस्था को सुचारू करवाने व सभी वार्डों में विकास कार्य जल्द शुरू करवाने की आवश्यकता जताई। साथ ही भाजपा के बोर्ड मे भाजपा की सरकार मे भाजपा के ही पार्षदों के काम नहीं होने व उनकी शिकायतों का निस्तारण नहीं होने पर पार्षदो ने कड़ी नाराजगी जताई। बैठक से नदारद रहे पालिका उपाध्यक्ष पवन मैन्दवास्या सहित कांग्रेस व निर्दलीय पार्षदो ने बैठक के पश्चात प्रेस नोट जारी कर बताया कि 14 महिने बाद हुई बोर्ड बैठक में वार्डों में विकास कार्यों का ऐजेन्डा शामिल नहीं करने के कारण वो बैठक में नहीं पहुंचे। अस्पताल व हेलीपेड बने इसके वो विरोध में नहीं है। दीपावली पर सजावट व आतिशबाजी की निविदा ऑफलाईन के बजाय ऑनलाईन की जाये जिससे कार्य में पारदर्शिता रहेगी। किसी प्रकार का कोई भ्रष्टाचार नहीं होगा। आज मालपुरा शहर के हालात बिगड़े हुये हैं। सफाई व लाईट व्यवस्था चरमराने व पालिका के बेसकिमती भूखण्डों पर कब्जे होने के बावजूद कार्यवाही नहीं हो रही है। गंदगी से डेंगु व मलेरिया का प्रकोप बढ़ रहा है। इन सब समस्याओं के समाधान को भी बोर्ड बैठक में शामिल करते तो बेहतर होता।

मालपुरा पालिका सभागार में हुई बोर्ड बैठक में अध्यक्ष सोनिया सोनी सहित कई पार्षद मौजूद रहे।

- बैठक में 35 में से महज 12 पार्षद व पालिका अध्यक्ष ही मौजूद रही, भाजपा के दो पार्षदों सहित कांग्रेस के सभी पार्षद नदारद रहे

शपथ ग्रहण समारोह हुआ

निवाई । भगवानदास पारीक ड्रीम स्कूल में नवनिर्वाचित छात्र परिषद् के सदस्यों का भव्य शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। समारोह का शुभारंभ निदेशक यंशवत पारीक, डॉ. शची पारीक एंव प्रधानाचार्य ओमप्रकाश राजोरा ने दीप प्रज्ज्वलन करके किया। प्रधानाचार्य ओमप्रकाश राजोरा ने नवनिर्वाचित छात्र परिषद के सदस्यो को पद व गोपनियता की शपथ दिलाई। उन्होंने छात्र परिषद सदस्यों से अपने कर्तव्यों का ईमानदारी और समर्पण के साथ निर्वहन करने का आठाह किया। हेड बॉय अर्जुन चौधरी व हेड गर्ल रितिका चौधरी के नेतृत्व मे नव निर्वाचित छात्र परिषद् के सदस्य निखिल सैनी, अंशी जैन, यशस्वी कासलीवाल, आदित्यासिंह राजावत, हिमांशी पारीक, उज्जवल सक्सैना व प्राशु जैन ने स्कूल समुदाय के सुधार के लिए अथक प्रयास करने का संकल्प लिया। डॉ शची पारीक ने नेतृत्व टीम वर्क और जिम्मेदारी के महत्व पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में छात्र परिषद् मे चुने गए सदस्यो के अभिभावक कार्यक्रम मे पूर्ण हर्षोल्लास के साथ उपस्थित होकर छात्र परिषद् का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर स्कूल टीम के सदस्य राजकुमार पारीक, विशाल शर्मा, विकास सिंह व स्वाति लुधानी ने युवा नेताओं को आगे बढाने में स्कूल के प्रयासों की सराहना करते हुए छात्रों को उत्कृष्टता के प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित किया।

राजकीय भूमि पर से अतिक्रमण हटाने को लेकर एस.डी.एम. को ज्ञापन सौंपा

धूल मिट्टी आदि से सिलिकोसिस जैसी भयंकर बिमारियों का खतरा, किसानों की फसलों पर भी पड़ रहा विपरीत प्रभाव

पावटा। ग्राम पंचायत भूरी भडाज में सिंचाई विभाग एवं सवाई चक पंचायत भूमि एवं सार्वजनिक श्मशान भूमि पर हो रहे अतिक्रमण हटाने को लेकर ग्रामीणों ने पावटा उपखंड अधिकारी कपिल उपाध्याय को ज्ञापन सौंपा । ज्ञापन सौपते हुए भूरी भडाज उप सरपंच कैलाश गुर्जर, पंचायत समिति सदस्य नरेंद्र गुर्जर, पूर्व पंचायत समिति सदस्य हरिद्वारी लाल स्वामी, युवा नेता विजय स्वामी, बनवारी लाल स्वामी, रामवतार स्वामी, लीलाराम स्वामी, महेंद्र फौजी, मुलचंद स्वामी, सुभाष स्वामी, हरिराम स्वामी, दिनेश स्वामी सहित ग्रामीणों ने बताया कि सिंचाई विभाग खसरा नं 8०1/2867,2977/8००,सवाईचक भूमि खसरा नं- 2979/798, ग्राम पंचायत भूमि खसरा नं- 8०1/1, 8०2/1,798/1,सार्वजनिक शमसान भूमि खसरा नं - 298०/798 उक्त खसरा नं पर स्टोन क्रेशर द्वारा अवैध निर्माण किया हुआ है एवं उक्त राजकीय भूमि पर खनन सबन्धित कार्य गैर कानूनी गैर कानूनी रुप से निरंतर जारी है। वही नजदीक में ही 4-5 ढाणियां बसी हुई है जिनमें 5०० लोगों से अधिक की आबादी है। ज्यों नजदीक होने की वजह से लोगों मे धूल मिट्टी आदि से सिलिकोसिस जैसी भयंकर बिमारियों का खतरा बना हुआ है। वही इससे किसानों की फसलो पर भी विपरीत प्रभाव पडता है। वही ग्रामीणो का कहना है कि उक्त मामले मे 7 दिन में कोई कार्रवाई नहीं हुई तो धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

सार्वजनिक श्मशान भूमि पर हो रहे अतिक्रमण हटाने को लेकर ग्रामीणों ने पावटा उपखंड अधिकारी कपिल उपाध्याय को ज्ञापन सौंपा ।

प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

निवाई । डाक बंगला में सिकोईडिकोन संस्था के माध्यम से पीआईआईआरडी परियोजना के मूल अधिकार थीम के अंतर्गत जेंडर आधारित हिंसा और परामर्श पर प्रथम पंक्ति कार्यकर्ताओं का क्षमता वर्धन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

शाखा प्रभारी अनीता शर्मा ने बताया कि शिविर में ब्लॉक की चयनित पांच मॉडल ठााम पंचायत ललवाडी, पलेई, लुहारा, राहोली व हनुतियां से 28 आंगनबाडी कार्यकर्ताओं व साथिनों ने भाग लिया। शाखा प्रभारी शर्मा द्वारा संभागीय को संस्थागत परिचय व शाखा स्तर पर संचालित कार्यक्रमों से अवगत करवाया। क्षमता वर्धन प्रशिक्षण में कार्यक्रम प्रबंधक मीनाक्षी शर्मा द्वारा प्रथम पंक्ति कार्यकर्ताओं को जेंडर आधारित हिंसा के प्रकार व उनके दुष्प्रभाव को विस्तार से समझाया। बालिकाओं व महिलाओं से संबंधित अधिनियम व कानून की विस्तार से जानकारी दी। महिलाओं का घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम 2005, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006, पोक्सो एक्ट, लिंग चयन प्रतिषेध अधिनियम, दहेज निषेध अधिनियम, महिलाओं का कार्य स्थल पर लैंगिक उत्पीडन अधिनियम आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। संस्था के अर्जुनदेव बैरवा व ममता शर्मा द्वारा संभागियों को ड्रॉप आउट बालिकाओं का शिक्षा से जुडाव का आव्हान किया।

सार-समाचार

ईमानदारी का परिचय दिया

जयपुर। ट्रेन नम्बर 12916 आश्रम एक्सप्रेस में ड्यूटी के दौरान सीनियर सीटीआई गुलशन शर्मा को चेकिंग के दौरान कोच संख्या ए 1 की सीट नंबर 30 पर एक कीमती बैग मिला । सीटीआई गुलशन ने एचएचटी से यात्री का फोन नंबर प्राप्त कर सूचना दी और वापसी में लौटते समय जयपुर स्टेशन पर यात्री का कीमती बैग लौटा कर अपनी ईमानदारी और रेल के प्रति कर्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया।

नंदीशाला में रात्रि जागरण आज

श्रीमाधोपुर । निकटवर्ती ग्राम पंचायत हाँसपुर के सती वाले जोहडा में बगैर सरकारी अनुदान के संचालित श्रीराम गऊ नंदीशाला में एक शाम गऊ माता के नाम तृतीय विशाल रात्रि जागरण का आयोजन होगा आज। हरफनमौला गायक प्रकाश चंद गुर्जर, बीरबल सिंह साईवाड व साथी कलाकारों ने मुंडरु की ढाणी में हुए जागरण में श्रीराम गऊ नंदीशाला में शनिवार को होने वाले रात्रि जागरण पोस्टर का विमोचन किया। गऊशाला प्रबंधक बनवारी लाल मीणा ने बताया कि सवा छः बजे से सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ एवं सवा आठ बजे से तृतीय विशाल रात्रि जागरण शुरू होकर गऊ माता की इच्छा तक होगा, जागरण में राजस्थान, पंजाब के सुप्रसिद्ध गायक डा. ओम मुंडेल, माया गुजरी, मुकेश मुक्कड, निशा राठौड, बाबू लाल चौधरी, अशोक सैनी, देवेंद्र लांबिया, संगीता यादव, बालकलाकार संध्या शर्मा, कॉमेडी किंग झाबर सिंह छैला, कैलाश छैला, सिमरन, आलिया, सीमा चौधरी आदि के अलावा भी लोकप्रिय कलाकारों के द्वारा भजनों की प्रस्तुतियां दी जाएगी एवं मंच संचालन करेंगे जन जन के प्रिय एंकर हमीर सिंह मंढा। अंतिम पोस्टर का विमोचन नगर पालिका अध्यक्ष हरि नारायण महंत के सानिध्य में किया गया ।

सैकेंडरी स्कूल जालपाली ने विजयी

श्रीमाधोपुर । 68वीं जिला स्तरीय माध्यमिक/ उच्च माध्यमिक विद्यालयी छात्रा खेलकूद प्रतियोगिता सत्र 2024- 25 का आयोजन पी एम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय श्रीमाधोपुर में आयोजित हुआ । जिसमें अण्डर 17 वीं प्रतियोगिता मे छात्राओं का राज्य स्तर पर चयन हुआ । जिसमें प्रिया दर्शन , समीक्षा कुडी, खुशबू , अनुष्का दीपिका बगडिया राधिका चयन हुआ इसी प्रकार अण्डर 19 में छात्राओं का राज्य स्तर पर आस्था.मीना कुमारी, अनु निठारवाल , मनीषा चौधरी आदि का चयन हुआ । विद्यालय के निदेशक भजनलाल बिजारनिया ने बच्चों को पारितोषिक देकर सम्मानित किया तथा राज्य स्तर पर खेलने हेतु प्रेरित किया

टक्कर से बाइक सवार पत्नी की मौत

मानपुरा माचेडी । चंदवाजी थाना क्षेत्र में जयपुर दिल्ली हाइवे पर लखेर के पास शुक्रवार देर शाम एक अज्ञात वाहन ने बाइक के टक्कर मार दी जिससे बाइक सवार पत्नी की मौत हो गई वही पति घायल हो गया।पति पत्नी मोटरसाइकिल पर सवार हो कर दिल्ली से खाटू श्याम जी जा रहे थे।महिला के शव को निम्स अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है।

चंदवाजी थाना पुलिस के अनुसार दिल्ली के सुभाष पार्क शाहदरा निवासी अरुण कुमार पुत्र डालचंद(42) जाति धोबी व उसकी पत्नी सपना(39)खाटू श्यामजी जा रहे थे कि दिल्ली जयपुर हाइवे पर लखेर के पास किसी अज्ञात वाहन ने बाइक के टक्कर मार दी जिससे बाइक सवार पति पत्नी घायल हो गए।सूचना पर एम्बुलेंस ने दोनों घायलों को निम्स अस्पताल पहुचाया।जहा सपना को मृत घोषित कर दिया।

क्षत्रिय कलाल समाज संस्थान की कार्यकारिणी घोषित

देवली (नि स)। यहां क्षत्रिय कलाल समाज संस्थान देवली के अध्यक्ष डॉ. रतनलाल सुवालका ने समाज कार्यकारी की घोषणा की है । समाज के सम्पत सुवालका ने जानकारी में बताया कि सोहनलाल सुवालका देवली गांव, कैलाश चंद सुवालका, रामेश्वर प्रसाद सावार, डालचंद शिवहरे देवली को संरक्षक पद पर नियुक्ति किया है।

- **सोहनलाल सुवालका , कैलाश चंद , रामेश्वर प्रसाद, डालचंद शिवहरे को संरक्षक पद पर नियुक्ति किया है**

इसी तरह सत्यनारायण बूलियां, राजेंद्र सुवालका नगरफोर्ट, धर्मेंद्र मेवाडा ऊंचा, चंद्रप्रकाश मेवाडा दूनी, अशोक सुवालका देवली को उपाध्यक्ष, गोपाल कलवार गावडी को महामंत्री, धर्मचंद मेवाडा सरोली को कोषाध्यक्ष, बंसीलाल कलवार को विधि सलाहकार मनोनीत किया है। इसी तरह चिरंजीलाल नगरफोर्ट, प्रदीप सुवालका ऊंचा, नाथूलाल मेवाडा गावडी, अमरचंद सुवालका देवली को महामंत्री, गोपाल सुवालका बरदपुरा, छोटूलाल डाबर कला, लादूलाल सुवालका हनुमान नगर कुचलवाडा, छीतर लाल हनुमान नगर, नीरज सुवालका घाड को मंत्री मनोनीत किया है। जबकि सुरेंद्र कुमार सुवालका देवली, कमल कुमार कलवार दूनी, सुरेश सुवालका सांवतगढ को संगठन मंत्री बनाया है। इसके अलावा प्रहलाद मेवाडा, अजय मेवाडा को स्थाई समिति सदस्य और सुनील कुमार सुवालका को मीडिया प्रभारी मनोनीत किया है।

690 नागरिक करेंगे तीर्थ यात्रा

टोंक । राज्य सरकार की वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना 2024 के तहत इस वर्ष जिले से 690 नागरिकों को तीर्थ यात्रा करवाई जाएगी। इसके लिए शुक्रवार को जिला कलेक्टर डॉ. सौम्या झा ने लॉटरी प्रक्रिया के माध्यम से हवाई यात्रा के लिए 115 एवं रेल यात्रा के लिए 575 नागरिकों का चयन किया। इस दौरान सीईओ परशुराम धानका, एडीएम मालपुरा रामरतन सौकरिया, पुलिस उपाधीक्षक राजेश कुमार, सीएमएचओ डॉ. अशोक कुमार यादव, डीओआईटी के एसीपी के पवन कुमार महावर, देवस्थान विभाग के एएओ शशि शर्मा, कलेक्टर के निजी सहायक प्रदीप जैन, अरविंद पाटीदार, कलेक्ट्रेट न्याय शाखा के जितेंद्र सिंह नरूका मौजूद रहे। योजना में चयनित यात्रियों की सूची देवस्थान विभाग के सहायक आयुक्त कार्यालय एवं वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

गंभीर रूप से कुपोषित शिशुओं की पहचान

पावटा। इस वर्ष 1 से 30 सितंबर तक मनाए गए सप्तम राष्ट्रीय पोषण माह का समापन समारोह में शुक्रवार को जिला कलेक्टर कल्पना अठावाल ने विराटनगर में उपस्थित होकर पोषण माह के समापन कार्यक्रम में भाग लेकर कार्यक्रम के अंतर्गत की जा रही विभिन्न गतिविधियों का अवलोकन किया। जिसमें उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा लगाई गई स्टालों पर पोषाहार रेसिपियों का अवलोकन कर उनकी प्रशंसा की तथा गोद भराई तथा अन्नप्राशन रस्म में भी भाग लिया। इस दौरान पोषण माह के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाली आशा कार्यकर्ताओं को प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया गया। जिला कलेक्टर कल्पना अठावाल ने बताया कि पोषण माह के दौरान गंभीर रूप से कुपोषित (एसएएम) शिशुओं की पहचान, उनके प्रबंधन और पोषण वाटिका-पोषण उद्यानों के रोपण जैसी गतिविधियों के साथ-साथ प्रारंभिक रूप से स्तनपान के महत्व के संबंध में जागरूकता जगाने, जीवन के शुरूआती 1000 दिनों के दौरान अच्छे पोषण की आवश्यकता, युवा महिलाओं और बच्चों में खून की कमी को कम करने के उपायों आदि पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित किया गया है। इस दौरान विधायक प्रतिनिधि आशीष धनखड, विराटनगर उपखंड अधिकारी विकास प्रजापत, उपनिदेशक महिला एवं बाल विकास सतपाल यादव, विराटनगर सीडीपीओ अनुजा चौधरी सहित आशा कार्यकर्ता तथा आमजन मौजूद रहे।

सप्तम राष्ट्रीय पोषण माह के समापन समारोह का आयोजन किया गया।

राम बारात नगर भ्रमण कर पहुंची जनकपुरी

पावटा । श्री आदर्श रामलीला मंडल पावटा द्वारा गुरुवार को धनुष यज्ञ लीला का मंचन किया गया। वही शुक्रवार दोपहर राम बारात नगर भ्रमण करते जनकपुरी पहुची। आदर्श रामलीला मंडल पावटा के तत्वाधान मे रामलीला मैदान प्रांगण में चल रहे रामलीला मंचन के दौरान गत दिवस गुरुवार रात्रि को धनुष यज्ञ जिसमें रावण (विकास पुजारी), बाणासुर (सुनील गौड) संवाद, राम (लक्की शर्मा) के द्वारा धनुष भंजन, राम-सीता (तनुज शर्मा) विवाह तथा लक्ष्मण (शुभम शर्मा) परशुराम (नितिन शर्मा) संवाद के विशेष दृश्य विशेष रूप से दिखाए गये। जिन्हे दर्शको ने बहुत सराहा। जिसमे मिथिला के राजा जनक (महेश पारिक) की यह प्रतिज्ञा थी कि जो भी भगवान शिव के धनुष को तोडेगा, वह उसी के साथ अपनी पुत्री सीता का विवाह कर देंगे। जब रावण जैसे बडे बडे प्रतापी और पराक्रमी राजा भी धनुष तोडने में असफल रहे तो मुनि विश्वामित्र (रामशरण बोहरा) की आज्ञा पाकर भगवान राम उठे और उन्होंने एक ही झटके से शिव धनुष को उठाकर तोड दिया। धनुष भंजन की प्रतिज्ञा पूरी होते ही सीता ने राम को वरमाला पहनाई। वही सोनू भांकरी वाले, आशीष शर्मा, वाशु पटेल, प्रदीप टांक, नितेश शर्मा, अमित बटवाल का राजाओं के रूप में मंच पर आना लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा। इस प्रकार राम और सीता का विवाह सपन्न हुआ। वही शुक्रवार की दोपहर राम बारात का आयोजन किया गया। जिसमे राजा दशरथ भगवान राम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघन की बारात लेकर निकले जिसमे राम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघन आगे आगे घोडी पर सवार थे वही राजा दशरथ, मुनि वशिष्ठ रथ मे सवार थे तो बाराती आगे आगे नाचते हुए चल रहे थे। वही जगह जगह पुष्प वर्षा व जलपान करवाकर बारात का स्वागत किया गया। इस दौरान जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं सहित ग्रामीणों ने पुष्प वर्षा कर व ग्रामीणों द्वारा जगह जगह बारात का स्वागत किया गया। इस अवसर पर आदर्श रामलीला मंडल व्यास व अध्यक्ष योगेश शर्मा, अमरनाथ पटेल, पावटा विप्र वाहिनी तहसील अध्यक्ष दीपक पटेल, विकास शर्मा, सहित रामलीला के समस्त पदाधिकारी एवं कलाकार उपस्थित रहे।

प्रदर्शनी लगाई

कोटपूतली । कस्बे के शक्ति विहार स्थित शिव सरस्वती सीनियर सैकण्डरी विधा मंदिर में विधार्थियों द्वारा भौगोलिक चलित मॉडल की प्रदर्शनी की गई। कला वर्ग के छात्रों द्वारा विभिन्न प्रकार के भौगोलिक चलित मॉडल जल शुद्धिकरण-जेपी गुप्र द्वारा, ज्वालामुखी विस्फोट-महादेव ग्रुप द्वारा, परमाणु ऊर्जा-एसएसवीएम जियो समूह द्वारा, सौर-पवन संरक्षण जीनियस स्कवर्ड ग्रुप द्वारा, सौर व्यवस्था के साथ दिन व रात का प्रकटीकरण एसएसवीएम रॉयल्स ग्रुप द्वारा प्रदर्शन किया गया। छात्रों द्वारा विस्तार से इनके बारे में व्यवहारिक रूप से व्याख्यान किया गया। इन सभी मॉडलों का प्रदर्शन व व्याख्यान सीबीईओ जोगेन्द्र सिंह राठी के मुख्य आतिथ्य एवं निदेशक बद्रीप्रसाद शर्मा की अध्यक्षता में अवलोकन किया गया।

एस.पी विकास सांगवान से की शिष्टाचार मुलाकात

निवाई । लॉयन्स क्लब के तत्वावधान में पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान से शिष्टाचार मुलाकात करके कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की एवं स्मृतिचिन्ह व पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया।

क्लब के सचिव लॉयन महेन्द्र जैन लावा ने बताया कि क्षेत्र में बढ रही क्राईम की रोकथाम व विशेष जाप्ते को लेकर चर्चा की। दोनों समस्याएं निबटाने का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर क्लब के उपाध्यक्ष लॉयन पारसमल पहाडी, लॉयन अरविंद जैन, कोषाध्यक्ष लॉयन डॉ राहुल जैन, लॉयन डॉ अवधेश जैन, लॉयन डॉ एम एल मीणा व लॉयन ओमप्रकाश विजय सहित कई पदाधिकारी मौजूद थे।

निवाई पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान से चर्चा करते हुए लॉयन्स क्लब के पदाधिकारी।

रामगढ़ विधानसभा सीट

भाजपा से बनवारी लाल, जय आहूजा व कांग्रेस से जुबेर खान पत्नी या पुत्र को टिकट मिलने के आसार

अलवर । राजस्थान की सात विधानसभाओं के उपचुनाव होने हैं उनमें एक केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव की अलवर लोकसभा क्षेत्र की रामगढ विधानसभा सीट हैं। अलवर से विधायक संजय शर्मा राजस्थान सरकार में मंत्री हैं। ऐसे में मंत्री भूपेंद्र यादव व संजय शर्मा को रामगढ में जीत का ताज कौन पहना सकता है। यह प्रत्याशी का चयन करने के लिए दोनों मंत्रियों के लिए बडा सवाल रहने वाला होगा। इनमें बनवारी लाल सिंघल, सुखवंत सिंह और जय आहूजा के विधायक जुबेर खान के निधन के बाद से भाजपा प्रत्याशी को लेकर अटकलों के दौर शुरू हो चुके हैं। दूसरी ओर कांग्रेस में ज्यादा संभावना जुबेर खान के परिवार में से किसी एक को टिकट मिलने के आसार है। रामगढ सीट का इतिहास यह भी रहा है कि जिस पार्टी की सरकार राजस्थान में बनती है उसके विपरीत यहां विधायक चुनाव जीता है। 2023 के विधानसभा चुनाव में भी कुछ ऐसा ही हुआ रामगढ से कांग्रेस के जुबेर खान चुनाव जीते और राजस्थान में भाजपा की सरकार बनी है । परंतु 2018 में जुबेर खान की पत्नी साफिया खान व 2013 में ज्ञान देव आहूजा सरकार में रहे हैं। वैसे यह संयोग विपरीत सरकार में बैठने का कांग्रेस के जुबेर खान और भाजपा के ज्ञान देव आहूजा के बीच रहा है। यह दोनों नेता जब-जब भी आमने-सामने चुनाव लडे हैं तब तब ऐसे ही संयोग रहे हैं कि जीतने वाले को विपक्ष में बैठना पडा है। 2013 में जरूर ज्ञान देव आहूजा जीतकर सरकार में पहुंचे। 2018 में भी संयोग से जुबेर खान की पत्नी साफिया खान भी सरकार में रही है। लेकिन इस बार के हो रहे चुनाव में विपरीत स्थिति बनी है जुबेर खान का निधन हो चुका है और ज्ञान देव आहूजा के आगे उम्र का तकाजा आडे आ रहा है। हालांकि 2023 में भाजपा वरिष्ठ नेता ज्ञानदेव आहूजा ने टिकट जय आहूजा को दिलाया जो तीसरे नंबर पर रहे थे। 2018 में ज्ञानदेव आहूजा के स्थान पर भाजपा की टिकट पर सुखवंत सिंह चुनाव लडे और हार गए थे। रामगढ विधानसभा मेव बाहुल्य सीट है। यहां से भाजपा के नेता ज्ञान देव आहूजा जब जब चुनाव लडे हिंदुत्व छवि पर चुनाव जीते हैं। ज्ञानदेव आहूजा के चुनाव नहीं लडने की स्थिति में अब अलवर से दो बार विधायक रह चुके बनवारी लाल सिंघल के नाम की चर्चा लोगों के बीच बनी है। हिंदुत्व की छवि रखने वाले बनवारी लाल सिंघल अलवर में रिकार्ड मतों से जीत दर्ज करने वाले विधायक रहे हैं। बनवारी लाल सिंघल की जिले में हिंदुत्व वाली छवि रही है। वैसे भी बनवारी सिंघल का रामगढ से गहरा रिश्ता है। अलवर से विधायक चुने जाने से पहले रामगढ में बनवारी लाल सिंघल ने लंबे समय तक मेडिकल स्टोर चलाया है। इसके साथ-साथ एक रिश्ता यह है की बनवारी लाल सिंघल की रामगढ ससुराल भी है। यही कारण है कि क्षेत्र से लोग हिंदुत्व छवि वाले बनवारी लाल सिंघल को प्रत्याशी बनाने की मांग करने लगे है। 2023 के हुए चुनाव में टिकट नहीं मिलने पर निर्दलीय चुनाव लडकर दूसरे नंबर पर रहे सुखवंत सिंह का नाम भी टिकट की दौड में हैं। ऐसे में देखने वाली बात यह होगी कि भाजपा किसे प्रत्याशी बनाकर मैदान में उतारती है। रामगढ का उपचुनाव अलवर से सांसद और भारत सरकार में कैबिनेट मंत्री भूपेंद्र यादव और राजस्थान सरकार में राज्य मंत्री संजय शर्मा की प्रतिष्ठा से जुडा हुआ होगा इसलिए भूपेंद्र यादव और संजय शर्मा चाहेंगे कि टिकट जिताऊ उम्मीदवार को ही दी जाएं। जीताऊ कोन होगा यह तो टिकट के बाद ही मालूम चलेगा वैसे बनवारी सिंघल से मजबूत प्रत्याशी कोई और भाजपा में नजर नहीं आ रहा है जो रामगढ में हिंदुत्व मतदाताओं को अपनी ओर कर सके। लोकसभा चुनाव में भी रामगढ से भाजपा बढत नहीं मिल सकी ऐसी स्थिति में बनवारी लाल सिंघल भाजपा के लिए एक विकल्प हो सकते हैं। वैसे लंबे अंतराल समय पहले रामगढ से वैश्य समाज के रघुवर दयाल विधायक रह चुके हैं। रामगढ से बनवारी लाल सिंघल को टिकट देकर 2018 और 2023 में टिकट काटे जाने की वैश्य समाज की नाराजगी को भी दूर करने का प्रयास हो सकता है।

- **केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और संजय शर्मा की प्रतिष्ठा दांव पर**

वहीं कांग्रेस से जुबेर खान की पत्नी साफिया खान को टिकट मिलने के आसार है । साफिया खान पहले भी विधायक रह चुकी है। इसके अलावा कांग्रेस से जुबेर खान के पुत्र आदिल खान व आर्यन खान को भी टिकट देने की संभावना है।

अफवाह फैलाने वालों पर होगी सख्त कार्यवाही : सागवान

पूर्व में नियुक्त थानाधिकारी ओमप्रकाश को वर्तमान में जिला पुलिस लाइन में ही रखा गया है

गुर्जर समाज के प्रतिनिधि टोंक डाक बंगले में टोंक पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान से भेंट की।

टोंक । बरोनी थाना इलाके में छोटू गुर्जर की संदिग्ध मौत से जुडे पुराने मामले में फैली ताजा अफवाह के बाद 27 सितम्बर को गुर्जर समाज का प्रतिनिधि टोंक डाक बंगले पहुंचे, जहां चर्चा के बाद प्रतिनिधि मंडल ने टोंक पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान से भेंट वार्ता की।

डाक बंगले पंहुचे गुर्जर समाज के प्रतिनिधियों से मिलने टोंक वृताधिकारी राजेश विद्यार्थी और शहर कोतवाल भंवर लाल वैष्णव ने आये लोगों से वार्ता कर कुछ साक्ष्य भी जुटायें, वही समाज बन्धुओं का कहना था कि पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर ऐसी खबर फैलाई जा रही है कि पूर्व में नियुक्त बरोनी थानाधिकारी को पुनः पदस्थापित बरोनी में कर दिया गया है। इस स्थिति को स्पष्ट करने के नजरिये से गुर्जर समाज के प्रतिनिधि मडंल को पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट रूप से बताया कि अफवाह गलत है, ऐसी अफवाहे फैलाने वालों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जायेगी तथा पूर्व में नियुक्त थानाधिकारी ओमप्रकाश को वर्तमान में जिला पुलिस लाईन में ही रखा गया है।

मिलेट्स को बढ़ावा मिलने से छोटे किसानों को फायदा : भागीरथ चौधरी

■ जयपुर में फिक्की द्वारा आयोजित ''राजस्थान मिलेट्स (मोटा अनाज) कॉन्क्लेव-2024'' के दूसरे संस्करण में सम्मिलित हुए केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री

जयपुर। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी शुक्रवार को जयपुर में फिक्की द्वारा आयोजित ''राजस्थान मिलेट्स (मोटा अनाज) कॉन्क्लेव-2024'' के दूसरे संस्करण में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम की थीम ''देश के मिलेट्स हब के रूप में उभरता हुआ राजस्थान'' विषय पर संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में केंद्र सरकार और प्रदेश की भजनलाल सरकार बड़े पैमाने पर श्री अन्न ''मिलेट्स'' को बढ़ावा दे रही है। बाजरा, जौ, मक्का एवं सरसों जैसे मोटे अनाज के उत्पादन में राजस्थान देश में अग्रणी है।

फिक्की मिलेट्स कॉन्क्लेव-2024 को सम्बोधित करते हुए केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि बाजरा हमारे कृषि एवं भौगोलिक परिदृश्य के अनुरूप आशाजनक भविष्य का प्रतीक है। इसमें बेहतर स्वास्थ्य के लिए रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत बनाने वाले आवश्यक पोषक तत्व मौजूद होते हैं। इसी के तहत 2023 को इंटरनेशनल मिलेट्स ईयर के रूप में मनाते हुए इसे बढ़ावा दिया गया। कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि श्री अन्न के फायदे ही फायदे हैं, विशेषकर हमारे छोटे किसानों को इससे बहुत लाभ हैं। श्री अन्न से उनकी आय बढ़ने के साथ ही देश की अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा।

चौधरी ने कहा कि श्री अन्न का सेवन स्वस्थ रहने का माध्यम है। श्री अन्न पोषकता से परिपूर्ण है, जिसे उगाने में किसानों को लागत कम आती है, इसके लिए फर्टिलाइजर की जरूरत नहीं पड़ती, कम बारिश में भी इसकी खेती आसानी से हो सकती है। छोटे किसानों की आमदनी बढ़ाने, लोगों को स्वस्थ रखने व देश-दुनिया में, भोजन की थाली में श्री अन्न को सम्मानजनक स्थान दिलाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र के माध्यम से वैश्विक मंच पर प्रस्ताव रखा, जिसका 72 देशों ने समर्थन किया और यूएन ने 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष घोषित किया। भागीरथ चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में श्री अन्न की महत्ता का प्रसार हो रहा है। श्री अन्न से एग्री स्टार्टअप्स बढ़ने के साथ रोजगार के अवसरों में वृद्धि हो रही है। उत्पादन व उत्पादकता बढ़ने के साथ ही प्रोसेसिंग एवं निर्यात भी बढ़ेगा, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को बल मिले।

राज्यपाल का महाराष्ट्र में हुआ भव्य नागरिक अभिनंदन

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे का शुक्रवार को महाराष्ट्र स्थित छत्रपति संभाजी नगर में भव्य नागरिक अभिनंदन किया गया। केंद्रीय परिवहन मंत्री श्री नितिन गडकरी ने उन्हें श्री रामचंद्र मंदिर (मठ) बालाजी ट्रस्ट गाउण्ड पर अपार जनसमूह के मध्य आयोजित भव्य समारोह में देवगिरी गौरव सम्मान से विभूषित किया। बागडे को महाराष्ट्र के विभिन्न भागों से आए लाखों की संख्या में उपस्थित समूह ने भाव-भरा अभिनंदन करते हुए उनके लिए स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए अभिष्टिचंतन किया। उन्हें प्रदत्त देवगिरी गौरव प्रशस्ति पत्र में उनके सार्वजनिक जीवन के अंतर्गत किए गए कार्यों को स्मरण करते हुए उन्हें महाराष्ट्र के गौरव से अलंकृत किया गया।

उप मुख्यमंत्री बैरवा के बेटे का पुलिस एस्कॉर्ट के साथ लग्जरी गाड़ी का वीडियो वायरल

■ उपमुख्यमंत्री बोले, ''बच्चा है जी!, लेकिन प्रदेश प्रभारी की दांट के बाद बैरवा ने खेद प्रकट किया''

जयपुर। उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने बेटे के सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने की घटना को लेकर सुबह मीडिया से बात करते हुए बताया कि वह अभी बच्चा है जी, लेकिन जब प्रदेश प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल ने डांट पिलाई, तो उसके बाद मीडिया को बुलाकर इस घटना को लेकर खेद प्रकट किया और बच्चे की समझने की बात मीडिया के सामने रखी।

वही उपमुख्यमंत्री बैरवा के बेटे का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में बैरवा का बेटा रील बना रहा है और पुलिस नेताओं के बेटों को एस्कॉर्ट कर रही है। वीडियो में खुली जीप में चार युवक बैठे हुए दिखाई दे रहे हैं। गाड़ी में बैठे युवक में से एक डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा का बेटा है।

वहीं, डिप्टी सीएम डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने वायरल वीडियो पर बयान दिया है। डिप्टी सीएम ने कहा कि ''वीडियो में मेरा बेटा नजर आ रहा है। इसमें कुछ गलत नहीं है। ये मेरा सौभाग्य है कि मोदी ने मुझ जैसे को उप मुख्यमंत्री बनाया। इसके बाद मेरे बेटे को भी महंगी गाड़ियों में बैठने का मौका मिल रहा है। उसने भी अच्छी गाड़ी को देखा है। मेरा बेटा सीनियर स्कूल में पढ़ता है, वो अपने स्कूल के दोस्तों के साथ था। मेरा बेटा तो अभी तक 18 साल का भी नहीं हुआ। मेरे बेटे को कोई गाड़ी एस्कॉर्ट नहीं कर रही थी। वो गाड़ी सुरक्षा में पीछे-पीछे चल रही थी। अगर इसके कोई बेवजह तूल देता है तो उसकी मर्जी। वही बैरवा ने कहा कि सोशल मीडिया से मुझे पता लगा है स्कूल के दोस्त आर्थिक स्थिति से संपन्न थे। उनके पास गाड़ियां थी वह उसे गाड़ी में जाकर बैठ गया सोशल मीडिया के माध्यम से मुझे पता लगा तो बैरवा ने बच्चे को बुलाकर प्यार से समझाया। उसने कहा कि उनके पास गाड़ी थी और उन्होंने बुलाया तो मैं जाकर बैठ गया। बैरवा ने कहा कि मेरे पास अभी तक कोई गाड़ी नहीं है मेरी पत्नी के नाम एक जीप है जो अभी गांव में है क्योंकि मैं भारतीय जनता पार्टी से और नरेंद्र मोदी ने मुझे जो दायित्व दिया है। निश्चित रूप से मैं चाहता हूं कि मेरी वजह से पार्टी को कोई नुकसान ना हो इस बात के लिए मैं खेद प्रकट करता हूं। बैरवा ने कहा कि वह मेरा बेटा है इसलिए पुलिस ने उसकी सुरक्षा के लिए उसके पीछे गई थी।

समाज कल्याण सप्ताह 1 से

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि प्रदेश भर में एक अक्टूबर से 7 अक्टूबर तक समाज कल्याण सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि समाज कल्याण सप्ताह के आयोजन का मुख्य उद्देश्य अनुसूचित जातियों, जनजातियों, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, विशेष योग्यजन, महिलाओं एवम बच्चों के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं के माध्यम से लाभान्वित करने के साथ-साथ सामाजिक बुराइयों एवम कुरीतियों के विरूद्ध जनचेतना जाग्रत करना है। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी इस सप्ताह के दौरान किए जाने वाले कार्य को विभिन्न दिवसों में बांटा गया है।

पर्यटन को बढ़ावा देने में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण : दिया कुमारी

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शुक्रवार को विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर पर्यटन विभाग की ओर से अल्बर्ट हॉल पर सांस्कृतिक संध्या का उद्घाटन किया।

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के मुख्य आतिथ्य में शुक्रवार (27 सितम्बर) को विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर पर्यटन विभाग की ओर से अल्बर्ट हॉल पर राजस्थानी लोक कारों के उत्कृष्ट प्रदर्शन से सराबोर सांस्कृतिक संध्या आयोजन किया गया। इस सांस्कृतिक संध्या में दर्शकों को जयपुर घराने का परम्परागत कथक व राजस्थानी लोक नृत्यों की जुगलबंदी ने दर्शकों को आनंदित किया। सांस्कृतिक संध्या के दौरान कालबेलिया व घूमर नृत्य की भी प्रस्तुतियों में उत्कृष्ट कोरियोग्राफी को खूब सराहा गया।

दिया कुमारी ने इस अवसर पर सोशल मीडिया कन्टेन्ट क्रिएटर्स को सम्मानित किया। इसके पूर्व उन्होंने आरटीडीसी जोधपुर के मारवाड हॉल का वर्चुअल उद्घाटन किया। उपमुख्यमंत्री ने विश्व पर्यटन दिवस की बधाई देते हुए कहा कि हमें राजस्थान के पर्यटन, कला एवं संस्कृति पर गर्व है। हम राजस्थान को पर्यटन का सिरमौर बनाएंगे, राजस्थान को पूरी दुनिया में पर्यटन में नम्बर एक बनाएंगे। इसमें सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स का महत्वपूर्ण रोल होगा।

दिया कुमारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति को जयपुर यात्रा की यात्रा करवाकर, जयपुर की वैश्विक ब्रांड इमेज को चर्चा में ला दिय था। उन्होंने कहा कि जब किसी देश का राष्ट्र अध्यक्ष या और कोई बड़े व्यक्तित्व पर्यटक स्थल पर आते हैं और फोटो खिचवाते हैं तो उस देश के आम लोगों में उस स्थान के प्रति उत्सुकता बढ़ जाती है, उस स्थान पर पर्यटन एकाएक बढ़ जाता है।

शासन सचिव पर्यटन, कला एवं संस्कृति तथा पुरातत्व विभाग रवि जैन ने इस अवसर पर अपने सम्बोधन में कहा कि राजस्थान और पर्यटन एक दूसरे के पर्याय है। हमारी विरासत को देखने हजारों लाखों पर्यटक आते हैं। हमें पर्यटन के विकास में बहुत कुछ किया है और बहुत कुछ और भी किये जाने की आवश्यकता है। हमारे पास पर्यटन की दृष्टि से बहुत संसाधन हैं। जिनका उपयोग करके हम पर्यटन में और आगे बढ़ेंगे।

इस अवसर पर राजस्थान पर्यटन विकास निगम की प्रबंध निदेशक सुषमा अरोड़ा, पर्यटन आयुक्त विजयपाल सिंह पर्यटन विभाग के अतिरिक्त निदेशक राकेश शर्मा, अतिरिक्त निदेशक आनंद त्रिपाठी, निदेशक पुरातत्व पंकज धरेन्द्र, पर्यटन विभाग की संयुक्त निदेशक सुमीता सरोच, पुनीता सिंह, उपनिदेशक पर्यटन उपेंद्र सिंह शेखावत, उपनिदेशक पर्यटन दलीप सिंह तथा अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के मंत्री सुमित गोदारा ने राज्य उपभोक्ता आयोग के सदस्य रामफूल गुर्जर एवं जिला उपभोक्ता आयोग तृतीय के अध्यक्ष देवेंद्र मोहन माथुर द्वारा तैयार उपभोक्ता केयर पुस्तक का शुक्रवार को इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान में विमोचन किया।

किरोड़ी लाल मीणा विभाग की फाइलें निपटा रहे हैं : मदन राठौड़

जयपुर। मंत्री पद से इस्तीफा दे चुके किरोड़ी लाल मीणा को लेकर प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि वे सरकार का ही काम कर रहे हैं। आप पता कर लीजिए। वह रोज विभाग से जुड़ी फाइलें निकाल रहे हैं। कहीं भी बैठकर काम करें, लेकिन वह सरकार का कामकाज देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष के साथी मुंगेरीलाल के सपने देख रहे हैं। किरोड़ीलाल मीणा पूरी तरह से सरकार और संगठन के साथ हैं। सरकार में कार्यकर्ताओं के काम नहीं होने के सवाल पर प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि कार्यकर्ताओं को तो मजबूत रखना ही होगा। कार्यकर्ताओं से संगठन मजबूत बनता है। संगठन ही सरकार बनाता है। काम का कोई अंत नहीं होता है, डिमांड लगातार बढ़ती जाती है। कार्यकर्ताओं के काम की मांग तो हमेशा बनी रहेगी। हमारा कार्यकर्ता मांग कर रहा है, इसका मतलब है कि वह जागरूक है।

युवा मोर्चा की कार्यकारिणी पर हुए विवाद को लेकर प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि कई मामले प्रभारी के स्तर के होते हैं। सबकी राय ली जाती है। हम सब बैठकर अपने परिवार को मजबूत कर लेंगे। युवा मोर्चा की कार्यकारिणी पर कोई विवाद नहीं है। कई लोगों से चर्चा करनी होती है। जल्दबाजी हुई थी, उसमें हमने सुधार किया है।

दो कनिष्ठ अभियन्ता एवं एक फिटर निलंबित

जयपुर। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी के निर्देश पर पिलानी कस्बे में पेयजल व्यवस्था तथा शहरी जल योजना में अनियमितता तथा लापरवाही बरतने पर विभाग द्वारा शुक्रवार को दो कनिष्ठ अभियंता एवं एक फिटर को निलंबित किया है।

जलदाय मंत्री के निर्देश के उपरान्त विभागीय जांच में पाया गया कि शिव कॉलोनी में दो नलकूपों में पेयजल आवक कम हो जाने से सूखा घोषित करने के लिये कनिष्ठ अभियंता अधिकृत नही था फिर भी इसके द्वारा दोनों नलकूपों को सूखा घोषित करने एवं मोहल्ले की कमेटी द्वारा उनके स्तर पर मोटर पम्प बदलवाकर नलकूप से पेयजल प्राप्त करने की शिकायत को सही पाया गया, जिस पर विभाग द्वारा श्री प्रदीप कुमार कनिष्ठ अभियन्ता को निलंबित किया है। इसी तरह वार्ड नं. 30 व 31 लोहारू रोड, पिलानी में मोहल्ला कमेटी द्वारा दो नलकूप स्वयं के सिरे से निर्मित करवाकर विभाग को सुपुर्द किये जाने की शिकायत सहित आमजन एवं जनप्रतिनिधियों के फोन नहीं उठाने तथा संयमित भाषा में वार्ता नहीं करने की शिकायत को सही पाया गया।

नम्बर मिलाइए 9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

आम सुचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मै भोजाराम पुत्र श्री लक्ष्मण जाति बैरवा निवासी ग्राम थुवालिया, पोस्टा-परवण, तहसील फागी, जिला- जयपुर राजस्थान मेरे पुत्र महेन्द्र कुमार बैरवा का स्वर्गवास दिनांक 09.09.2024 को हो गया था। मेरी पुत्रवधु रेखा देवी बैरवा पत्नी महेन्द्र कुमार बैरवा जोकि हमारे साथ कहने सुनने में नही है एवं काफी समय से हमसे अलग रह हरी है। एवं हमारे साथ अच्छा व्यवहार नही करती है। इसलिए हम अपनी पुत्रवधु रेखा देवी बैरवा पत्नी महेन्द्र कुमार बैरवा को हमारी समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल करते हैं। यदि कोई भी व्यक्ति, संस्था इससे किसी भी प्रकार का संव्यवहार करती है तो इनके जिम्मेदार वे स्वंय होगें इससे हमारा कोई लेना देना नही होगा। सूचित रहे। मो.8440957155

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल राशिद अली पुत्र सादिक अली व अन्य ने सम्पत्ति मकान नम्बर 1489-1496, बालजी की कोठी का रास्ता, चौकडी तोपखाना हुजूरी, जयपुर कुल क्षेत्रफल लगभग 965 वर्गगज को श्रीमती रानीराम भरोसी पत्नी ध्रुव चतुर्वेदी पुत्री शंकर लाल व अन्य से खरीद करने का करार किया है, जिस किसी व्यक्ति या संस्था को उक्त सनव्यवहार के संबंध में आपत्ति हो तो वह 7 दिवस में मय दस्तावेजात के सम्पर्क करें अन्यथा बाद गुजरने मियाद आपत्ति मान्य नही होगी। कृपया सूचित रहे।
दिनांक-27/9/24 (फारूक अहमद) एडवोकेट मो.-9829277089

नाम परिवर्तन

मैंनें अपना नाम हंशिका बजाज से बदलकर हंशिका सुषमा बजाज पुत्री श्री सुरेश कुमार बजाज रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाए। पताः 802, ड्रीम्ज हाइट, इस्कॉन रोड, मानसरोवर, जयपुर, राजस्थान-302020

मैंने अपना नाम Arti Aka Aarti Rishi Pareek से बदलकर Arti Pareek W/o Rishi Rameshwar Pareek रख लिया है पता सी-222 गोकुलपथ, वैशाली नगर, जयपुर-302021 भविष्य में मुझे Arti Pareek के नाम से जाना जावे।

मैंने अपना नाम उदावत उषा भंवरसिंह (Udawat Usha Bhanwarsingh) से बदलकर उषा उदावत (Usha Udawat) रख लिया है भविष्य में मुझे मेरे नये नाम उषा उदावत (Usha Udawat) पुत्री भंवर सिंह उदावत के नाम से जाना पहचाना जावे। निवासी-27, कुमावत बाडी, खातीपुरा, जयपुर, राज.

मैंने अपना नाम सुजाता नारायण से बदलकर रिधा नारायण पत्नी श्री रविंद्र नारायण रख लिया है। भविष्य में मुझे रिधा नारायण नाम से जाना पहचाना जावें। निवासी फ्लैट नं.एफ-1, फर्स्टफ्लोर प्लॉट नं.9/262, चित्रकूट, वैशाली नगर, जयपुर

उदघोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)

व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 343/24
विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
प्रार्थी नाम राजीव भार्गव पुत्र ओपी भार्गव जाति भार्गव
विवाद स्थान R/o 1-D-102 ललिता शास्त्री नगर, जयपुर मृतक स्व. श्रीमति प्रतिभा भार्गव की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक- 6.11.24
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम स्व.प्रतिभा भार्गव पत्नी राजीव भार्गव जाति भार्गव निवासी E-160, अम्बाबाडी, जयपुर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें। अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 6 माह 11 सन् 2024 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 23 माह 9 सन् 2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।
मोहर अदालत
आज्ञा से-वरिष्ठ मुंसरिम जिला एवं सैंशन न्यायालय जयपुर महानगर-द्वितीय

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिये सम्मन

(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी श्रीमाधोपुर
ओमप्रकाश बनाम् भंवरलाल आदि
दावा बाबत तकास्मा, स्थाई निषेधाज्ञा दुरूस्ती रिकार्ड
मुकदमा नम्बर :- 98/2023
बनाम्
1. मूलसिंह पुत्र स्व0 सार्दुलसिंह
2. नाथूसिंह पुत्र स्व0 सार्दुलसिंह
3. भग्गूसिह पुत्र स्व0 सार्दुलसिंह
4. भंवरी कवंर पुत्री स्व0 सार्दुलसिंह
5. छीगन कवंर पुत्री स्व0 सार्दुलसिंह
6. सजना कवंर पुत्री स्व0 सार्दुलसिंह
7. राजू कंवर पुत्री स्व0 रामचन्द्र सिंह पुत्र जवानसिंह
8. सन्जू कंवर पुत्री स्व0 रामचन्द्र सिंह पुत्र जवानसिंह
समस्त जाति राजपूत निवासीगण ग्राम पृथ्वीपुरा तहसील श्रीमाधोपुर जिला सीकर (राज0)
वादी ओमप्रकाश ने आपके विरूद्ध दावा बाबत बंटवारा, दुरूस्ती रिकार्ड व स्थाई निषेधाज्ञा के लिये वाद पंजीकृत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 29/10/24 को दिन में 10 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वंय या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है। जिसे सम्यक् अनुदेश दिये गये हो और इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करे जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या सुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है, तो आप ऐसी दस्तावेजो को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होगें तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा।
यह वाद ता.26 माह 9 और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
मोहर
उपखण्ड अधिकारी श्रीमाधोपुर नीम का थाना

अपील की सुनवाई के लिये नियत दिन की प्रत्यर्थी को सूचना

न्यायालय अपर जिला एंव सत्र न्यायालय क्र.सं.1 कोटपूतली
अपील संख्या 22/22
कानाराम बनाम कौशल्या वगैरह
CJ&JM, KTP के न्यायालय की तारीख 28-9-22 को ......की अपील।
प्रेषितिः-
1- कौशल्या देवी पत्नि स्व. मदनलाल
2- गजानन्द
3- शिवचरण पुत्रांन स्व. मदनलाल
4-पूरणमल
5-महावीर पुत्रांन देवकीलाल
6-नर्बदा देवी
7- रामदुलारी
8-शकुन्तला
9- शारदा पुत्रियांन देवकीलाल
निवासीयान सुदरपुरा ढाढा, तहसील पावटा, जिला कोटपुली-बहरोड, राजस्थान
आपको सूचना दी जाती है कि इस मामले में...... की डिक्री की अपील अपीलाण्ट द्वारा उपस्थापित की गयी है और इस न्यायालय में रजिस्टर कर ली गई है और इस अपील की सुनवाई के लिये इस न्यायालय द्वारा तारीख 05.10.24 नियत की गई है। यदि उक्त अपील में आपकी ओर से स्वयं या अपने प्लीडर या आपके लिये कार्य करने के लिये विधिना प्राधिकृत कोई व्यक्ति उपसंजात नहीं होगा तो यह आपकी अनुपस्थिति में सुनी व विनिश्चित की जायेगी।
यह आज दिनांक 25.09.24 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
मोहर अदालत
अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश क्रम-1 कोटपुतली, जिला-जयपुर (राज.)

खोया पाया

I Kala Meena W/o Hukum singh Resident 25 Tapova vihar Jagatpura Jaipur inform that my following documents of Agri land at Khasara 110/41, Chak 10 BLM, 35.05 Bigha, Patwarmandal Sutharwala-B, Tehsil Mohangarh-2 Jaisalmer has lost samowehere: Allotment letter dt. 13.08.1993 and Khaderi Sanad dt. 20.07.2001 fvg. Pawanjeet singh

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबंधक, उत्तर पश्चिम रेलवे बीकानेर भारत के राष्ट्रपति की ओर से इच्छुक ठेकेदारों से निम्न लिखित कार्य के लिए **दिनांक 18.10.2024 को 15.00 बजे तक** खुली ई-निविदा आमंत्रित करते है :- **ई-निविदा सूचना संख्या 118 to 120-24-25 दिनांक 18.10.2024. क्र.सं: 1. निविदा संख्या: 118. कार्य का नाम एवं स्थान**: अमृत भारत स्टेशन योजना के अन्तर्गत बीकानेर मंडल के अनुपगढ़ स्टेशन का शॉफ्ट अपग्रेडेशन का कार्य। **अनुमानित लागत मूल्य**: रू. 8,83,12,111.19. **धरोहर राशि**: रू. 5,91,600/-. **क्र.सं: 2. निविदा संख्या: 119. कार्य का नाम एवं स्थान**: सहायक मंडल इंजीनियर / लाईन, बीकानेर के क्षेत्राधिकार में लालगढ़-कोलायत खण्ड में 52केजी/ 60 केजी रेल का 46.00 किमी. टीडब्ल्यूआर का कार्य तथा बीकानेर, लालगढ़ व कोलायत में मोबाईल फ्लश बट्ट वेल्डिंग प्लाण्ट के द्वारा यात्री लूप लाईन को एलडब्ल्यूआर में बदलने का कार्य । **अनुमानित लागत मूल्य**: रू. 5,53,90,009.97. **धरोहर राशि**: रू. 4,27,000/-. **क्र.सं: 3. निविदा संख्या: 120. कार्य का नाम एवं स्थान**: वरि. मंडल इंजीनियर/पश्चिम, बीकानेर के क्षेत्राधिकार में बीकानेर मंडल के 40 वे साईड स्टेशनों पर फॉल्ट एनालिसिस रूम (3mx3m साईज के डाईगनोस्टिक पेनल रूम) का प्रावधान करना । **अनुमानित लागत मूल्य**: रू. 13704242.29. **धरोहर राशि**: रू. 2,18,500/-. **नोट**:- अन्य शर्ते रेलवे की वेब साइट **www.ireps.gov.in** पर देखी जा सकती है। **1121-AK/24**
हमें f X ◘/NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचन

भारत संघ के राष्ट्रपति एवं उनकी ओर से उप. मुख्य बिजली इन्जीनियर (निर्माण - II) उत्तर पश्चिम रेलवे, जयपुर के अधीन निम्नलिखित कार्यों के लिये दी गई तिथि को 15:00 बजे तक ई- निविदा आमंत्रित की जाती है: **ई-निविदा संख्या: EL/C/JP/PSSA/T04/24. कार्य का नाम**: प्रस्तावित दोहरीकरण के लिए 2X25 केवी ओएचई ट्रैक्शन सिस्टम के रेलवे विद्युतीकरण कार्य (ओएचई + पीएसआई) के कार्यों के लिए परियोजना पर्यवेक्षण सेवाएं (पीएसएस), नई लाइन का काम, मौजूदा यार्ड / खुले मार्ग में संशोधन ओएचई और पीएसआई कार्य, स्टेशन भवन, पीएफ, क्वार्टर, एफओबी, पहुंच मार्ग, पीएफ शेल्टर, सर्कुलेटिंग एरिया, कोच केयर कॉम्प्लेक्स, सर्कुलेटिंग एरिया की लाइटिंग, यार्ड की लाइटिंग, प्रशासनिक भवन की एयर कंडीशनिंग, गड्ढों/स्टेबलिंग लाइनों / शेडों के लिए लाइटिंग व्यवस्था और एलटी/एचटी बिजली लाइनों आदि के संशोधन के लिए विद्युत आपूर्ति व्यवस्था का विद्युत सामान्य सेवा कार्य, विभिन्न परियोजनाओं के साथ अर्थात और रेवाड़ी - खाटूवास डब्लिंग, रेवाड़ी - सादुलपुर बाई पास नई लाइन, खाटूवास-नारनोल डब्लिंग, सवाईमाधोपुर बाई पास नई लाईन और खातीपुरा फेज- II कोच केयर कॉम्प्लेक्स रेलवे के उप मुख्य विद्युत अभियंता/सी-II/जयपुर इकाई और वन्दे भारत डेपो, मनहेरू - भावानी खेरा डब्लिंग और भिवानी - डोब जयपुर / जोधपुर / बीकानेर मंडल के उप मुख्य विद्युत अभियंता / सी/जोधपुर विद्युत (निर्माण) / एनडब्ल्यूआर इकाई के अधीन कार्य। **कार्य की अनुमानित लागत**: रू. 8,70,42,285/-. **बयाना राशि जो जमा करनी है**: रू. 5,85,200/-. **निविदा प्रपत्र जमा कराने की तारीख व समय**: 18.10.2024 Upto 15:00 Hrs. **निविदा प्रपत्र खुलने की तारीख व समय**: 18.10.2024 at 15:30 Hrs. **उपरोक्त ई निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये वैबसाइट का पता: www.ireps.gov.in** **1115-AR/24**
हमें f X ◘/NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि आर डी स्टोन एम.एल.नम्बर-36/94 निकट ग्राम- खोरा, सरना, तह.-रामपुरा डाबड़ी,(आमेर) जयपुर,राजस्थान के लिऐ स्वीकृति कमांक संख्या EC24B001RJ142428, दिनांक 20.09.2024 को प्रदान की गई है,स्वीकृति की प्रतिलिपि राजस्थान प्रदूषण मण्डल के कार्यालय व वेबसाईट http://rpcb.nic.in पर उपलब्ध है,
खान धारक-आर डी स्टोन

उत्तर पश्चिम रेलवे
शुद्धि पत्र

ई-टेण्डर नोटिस सं स एण्ड टी - प्रोजेक्ट - जेपी-2024 - 25-02, दिनांक 26.09.2024. कार्य का नाम: उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर मण्डल, अजमेर मण्डल और जोधपुर मण्डल में एलटीई/यूएचएफ और टीसीएएस कार्य के सम्बध में लेटीस टावरों को लगाने का प्रावधान। **टेडर बंद होने की तारीख 16.10.2024 कर दी गई है।**
1117-AK/24 उप मु. सिंग. एवं दूर सं.इंजी. / परियोजना, उ.प.रे. जयपुर

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
www.jda.urban.rajasthan.gov.in
क्रमांक:जविप्रा/उपा./जोन-6/24/डी-2259 दिनांक:27/9/2024
विज्ञिप्त

शकर भवन गृ.नि.रा.स. की योजना विकास नगर विस्तार के भूखण्ड संख्या 18 क्षेत्रफल 25962 व.ग. का लीजहोल्ड से फ्रीहोल्ड पट्टा जारी करने हेतु आवेदन किया है। जविप्रा द्वारा उक्त भूखण्ड की लीजडीड दिनांक 30.08.2013 को श्रीमती फूली देवी पत्नी श्री हनुमान प्रसाद के पक्ष में जारी की गई है। श्रीमती फूली देवी की मृत्यु दिनांक 04.01.2022 को एवं श्री हनुमान प्रसाद की मृत्यु दिनांक 07.10.2023 को हो चुकी है। सजरा शपथ पत्र अनुसार मूल लीजधारक के विधिक वारिसानो में श्री चन्द्र प्रकाश जांगिड एवं अशोक कुमार जांगिड पुत्र है। श्री अशोक कुमार जांगिड द्वारा रजि. हकत्याग पत्र दिनांक 12.09.2024 को उक्त भूखण्ड में से अपना हिस्सा श्री चन्द्र प्रकाश जांगिड के पक्ष में हकत्याग कर दिया, जिनके द्वारा उक्त भूखण्ड का लीजहोल्ड से फ्रीहोल्ड पट्टा जारी करने हेतु आवेदन किया है।
इस बाबत किसी भी व्यक्ति / संस्था / कम्पनी / सह खातेदार व अन्य किसी को कोई आपत्ति हो, तो सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन दिनांक से 7 दिवस की अवधि में अपने स्वामित्व से संबंधित दस्तावेज सहित आपति अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष कार्यालय में पेश करे। नियत अवधि तक कोई आपत्ति/ आक्षेप मय दस्तावेज पेश नही किये जाने पर नियमानुसार आवेदक के पक्ष में कार्यवाही सम्पादित कर दी जायेगी।
उपायुक्त जोन-6 जविप्रा जयपुर।

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना

डी.आर.एम./बिजली,उ.प.रे.जोधपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के वास्ते एवं मंडल की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए ई - निविदा आमंत्रित करते है । **1. सम्पूर्ण जानकारी के लिए वेबसाईट का पता: www.ireps.gov.in. 2. ई - निविदाएं प्रस्तुत करने की तिथि व समय**: 21.10.2024 को 15:00 बजे तक. **3. ई - निविदाएं खोलने की तिथि व समय**: 21.10.2024 को 15:00 बजे के बाद. **ई-निविदा संख्या : 1EL/JU/WC/2024-25/21, दिनांक: 27.09.2024. कार्य का विवरण**: Schedule maintenance of DG Sets over Jodhpur Division for the period of two years. **अनुमानित लागत रूपये**: रू. 46,40,259/-. विस्तृत जानकारी हेतु कृपया **www.ireps.gov.in** पर विजिट करें। **1122-AK/24**
हमें f X ◘/NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

नोटिस बनाम हर खास व आम

न्यायालय अपर जिला एवम सैशन न्यायाधीश क्र.सं. 2 हिण्डौन सिटी।
पीठासीन अधिकारी
श्री आरती बनाम हरखास व आम
प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 372 भा.उ. अधि.
नोटिस बनाम हर खास व आम
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थीया आरती पुत्री स्व. देशराज जाति जाटव नि. कंसाने का नंगला तहसील सूरोठ, जिला करौली राज. जरिये दादी श्रीमती बैजन्ती पत्नि गिर्राज जाटव नि. कंसाने का नंगला तह. सूरौठ ने इस न्यायालय में अपने पिता मृतक देशराज पुत्र गिर्राज जाति जाटव निवासी कंसाने का नंगला तहसील सूरौठ जिला करौली राज. की सिलिकोसिस बीमारी से दि. 28.09.2022 को मृत्यु हो जाने पर राज. सरकार दी जाने वाली सहायता राशि को प्राप्त करने के लिये उत्तराधिकार प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन पेश किया है। लिहाजा जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति या उज्र हो तो वह स्वयं असालतन या वकालतन इस न्यायालय में दिनांक 08.10.2024 को उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करे। अन्यथा एक पक्षीय सुना जाकर मुकदमा का निस्तारण कर दिया जावेगा। यह नोटिस आज दिनांक 18.9.2024 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।
मुहर
आज्ञा से- न्यायालय अपर जिला एवम सैशन न्यायाधीश, क्रम संख्या 2 हिण्डौन सिटी जि. करौली राज.।

कार्यालय नगर निगम ग्रेटर जयपुर
(पण्डित दीनदयाल उपाध्याय भवन, लालकोठी, टोंक रोड, जयपुर)

क्रमांक :- ज.स.अ./2024/142 दिनांक :- 27/09/2024

ई-निविदा सूचना क्रमांक :- 40/2024-25

नगर निगम ग्रेटर जयपुर के जगतपुरा जोन के मुख्य मार्गो, सडको/बाजारो में मैकेनिकल रोड स्वीपर मशीन/मैन्युअल माध्यम से रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था के कार्य हेतु पंजीकृत फर्म्स से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र, विस्तृत सूचना एवं शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाइट www.jaipurmc.org, www.sppp.raj.nic.in and www.eproc.rajasthan.gov.in पर स्टेट पब्लिक प्रोक्यूरमेन्ट के UBN No JMC2425WSOB00650 पर देखी जा सकती है।
राज.संवाद/सी/24/5832
उपायुक्त (स्वास्थ्य), नगर निगम ग्रेटर जयपुर

कार्यालय पुलिस अधीक्षक जिला सवाई माधोपुर (राजस्थान)

क्रमांक :- 9191-9202 दिनांक :- 27/09/2024

-: निलामी सूचना :-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जिला पुलिस सवाई माधोपुर में स्टेशनरी स्टोर, कार्यालय हाजा में उपयोग अवधि पूर्ण कर चुके एवं अनुपयोगी आई.टी. उपकरणों यथा कम्प्यूटर, प्रिंटर, फैक्स मशीन, फोटो स्टेट मशीन इत्यादि सरकारी सामान जिसकी कीमत राशि रूपये 27,13,639/- (अक्षरे सताईस लाख तैरह हजार छः सौ उन्तालीस रूपये मात्र) की निलामी की जानी है। उक्त निलामी की खुली बोली दिनांक 15.10.2024 को प्रातः 12 बजे पुलिस लाईन, सवाई माधोपुर में गठित कमेठी द्वारा सार्वजनिक निलामी की जावेगी। अतः ईच्छुक खरीद्दार/बोलीदाता को जरिये विज्ञिप्त सूचित किया जाता है कि निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होकर बोली लगा सकते है। नीलामी की शर्ते किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय में उपस्थित होकर देखी जा सकती है।

पुलिस अधीक्षक
जिला सवाई माधोपुर

कार्यालय नगर निगम ग्रेटर जयपुर
(पण्डित दीनदयालउपाध्याय भवन, लालकोठी, टोंक रोड जयपुर-302015, राजस्थान)

क्रमांक :- ज.स.अ./2024/143 दिनांक :- 27/09/2024

ई-टेण्डरिंग बोली सूचना सं. 03 (वर्ष 2024-25)

केन्द्र/राज्य सरकार के सरकारी/अर्द्ध सरकारी/विभिन्न नगर निकायों के सभी विभागो में पंजीकृत सभी श्रेणी के संवेदकों से नगर निगम ग्रेटर जयपुर के चार जोनों (विद्याधर नगर, मानसरोवर, सांगानेर, जगतपुरा) के प्रत्येक वार्ड में वार्ड पार्षद कार्यालय में साफ-सफाई एवं रख-रखाव कार्य व अन्य कार्यालय संबंधी समस्त कार्य के लिये 162 अस्थाई अकुशल श्रमिकों की आपूर्ति के कार्य हेतु ई-बोली आमंत्रित की जाती हैं।

उपरोक्त कार्य की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख टेण्ड़र की शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, www.jaipurmc.org.com व राजस्थान सरकार के पोर्टल http://sppp.rajasthasn.gov.in पर देखी जा सकती हैं। UBN No. JMC2425SLOB00658 हैं।
राज.संवाद/सी/24/5834
उपायुक्त (स्वास्थ्य) नगर निगम ग्रेटर जयपुर

नगर निगम ग्रेटर जयपुर
(पण्डित दीनदयाल उपाध्याय भवन, लाल कोठी, टोंक रोड़, जयपुर-15)

क्रमांक :- जसअ/2024-25/140 दिनांक: 26.09.2024

-: : ई-निविदा सूचना संख्या 10/2024-25 : :-

नगर निगम ग्रेटर जयपुर की ओर से विद्युत कार्य हेतु नगर निगम ग्रेटर जयपुर में व अन्य विभागों में नये नियमों के अनुसार श्रेणीवार EWSD श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेन्डरिंग प्रक्रिया में ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैं।

निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण वेब साईट http://eproc.rajasthan.gov.in & http://sppp.rajasthan.gov.in पर निम्न UBN No. JMC2425WSOB00652 पर देखा जा सकता हैं।

इच्छुक संवेदकों को ई-निविदा में भाग लेने हेतु वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक हैं।

अधिशाषी अभियन्ता (विद्युत) नगर निगम ग्रेटर जयपुर
राज.संवाद/सी/24/5791

भारतीय पटसन निगम लि.
(भारत सरकार का संस्थान)
पटसन भवन, तीसरी एवं चौंथी मंजिल, सीएफ ब्लॉक एक्शन एरिया-I
कोलकाता, पश्चिम बंगाल-700156
फोन-033-2252-1100
सीआईएल-U17232WB1971GOI027958

एप्रेन्टिसिस प्रशिक्षार्थीयों की नियुक्ति के लिये अधिसूचना 2024-25

एप्रेन्टिस प्रशिक्षार्थी (कच्चा पटसन के इत्तजाम एवं ग्रेडिंग) के पदों के लिये आवेदन
कुल पद- 20 (एससी-01, एसटी-01, ओबीसी (एनसीएल)-07, ईडब्लूएस-02, यूआर-09)
विस्तृत अधिसूचना एवं आवेदन के लिये, कृपया www.jutecorp.in पर जायें।
आवेदन प्राप्त करने की प्रारम्भिक तिथी- 30/09/2024
हार्ड कॉपी आवेदन प्राप्त करने की अन्तिम तिथी-21/10/2024
CBC 41122/12/0017/2425

भारतीय मानक ब्यूरो
उपभोक्ता मामले विभाग
उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, भारत सरकार
मानक भवन, 9 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002

विज्ञापन संख्या 2/2024/स्था. (प्रतिनियुक्ति) हेतु शुद्धिपत्र

भारतीय मानक ब्यूरो में प्रतिनियुक्ति पर उप निदेशक (प्रशासन एवं वित्त), उप निदेशक (मार्केटिंग एवं उपभोक्ता मामले) और उप निदेशक (प्रकाशन) के पद भरने के लिए दिनांक 17 अगस्त 2024 को जारी किए गए विज्ञापन संख्या 2/2024/स्था. (प्रतिनियुक्ति) में आंशिक संशोधन करते हुए उप निदेशक (मार्केटिंग एवं उपभोक्ता मामले) के पद के लिए विज्ञापित रिक्तियों की संख्या निम्नानुसार संशोधित की जाती है।

क्र.सं.	पद का नाम एवं वेतन मैट्रिक्स में वेतन स्तर	रिक्तियों की संख्या	नियुक्ति के स्थान एवं रिक्तियां
01.	उप निदेशक (मार्केटिंग एवं उपभोक्ता मामले) लेवल-11 (रु. 67700-208700)	06	नई दिल्ली (03) चंडीगढ़ (01) मुंबई (01) कोलकाता (01)

नोट:
a) आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि रोजगार समाचार/रोजगार समाचार में विज्ञापन जारी होने की तिथि से 45 दिन है। तथापि इस शुद्धिपत्र के जारी होने के बाद आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 10 दिन अर्थात 12 अक्टूबर 2024 तक। बढा दी गई है।
b) अन्य सभी विवरण एवं शर्तें यथावत रहेंगी।
स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 17 सितंबर 2024

हस्ताक्षरित /-
(शोएब अख्तर)
निदेशक (स्थापना)
भारतीय मानक ब्यूरो

CBC 08103/12/0017/2425

अगर हम अश्विन और जडेजा के खिलाफ अच्छा खेलते हैं तो हम अच्छी स्थिति में होंगे। ये दोनों खिलाड़ी मेरे करियर में ज्यादातर समय गेंदबाजी करते रहे हैं। अश्विन और जडेजा की जोड़ी खेल का नतीजा तय करेगी। - ग्लेन मैक्सवेल

ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर, अश्विन और जडेजा के बारे में कहा।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

कामिंदु मेंडिस

श्रीलंका के कामिंदु मेंडिस ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में भी सेंचुरी ठोकी। कामिंदु मेंडिस सबसे कम पारियों में 5 शतक लगाने वाले एशियन बैटलर बन गए हैं। उन्होंने 13वीं पारी में 5वां शतक लगाकर इस मामले में सर डॉन ब्रैडमैन की बराबरी भी कर ली है।

कामिंदु मेंडिस ने एक दिन पहले ही लगातार 8 टेस्ट मैच में अर्धशतक लगाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था।25 साल के कामिंदु मेंडिस न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में उस समय क्रीज पर उतरे जब दिनेश चांडीमल शतक बनाकर आउट हुए।

क्या आप जानते हैं ?... एकदिवसीय क्रिकेट मैच में पहला शतक 1972 में इंग्लैंड के डेनिस एमिस ने ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध ओल्ड ट्रेफर्ड में बनाया था। (134 गेंदों में 103 रन)

कानपुर टेस्ट के पहले दिन बारिश का खलल

36 ओवरों के खेल में बांग्लादेश ने 107 पर तीन विकेट गंवाये

आकाशदीप ने दो व अश्विन ने एक विकेट लिया

कानपुर, 27 सितंबर। ग्रीनपार्क मैदान पर वर्षा प्रभावित दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन शुक्रवार को बांग्लादेश ने मेजबान भारत के खिलाफ तीन विकेट पर 107 रन बना लिये। बारिश और गीले मैदान के कारण अंपायरों ने 35 ओवर के बाद जब दिन के खेल की समाप्ति की घोषणा की, उस समय मोमिनुल हक 40 और मुशफिकुर रहीम छह रन बनाकर क्रीज पर डटे हुये थे।

आज के दिन का मुख्य आकर्षण आकाश दीप (34 रन पर दो विकेट) रहे जिन्होने अनुशासित गेंदबाजी का मुजाहिरा करते हुये बांग्लादेश की सलामी जोड़ी जाकिर हसन (0) और शादमान इस्लाम (24) के विकेट झटके हालांकि इसके लिये उन्हे अपने वरिष्ठ साथी जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज का भरपूर साथ मिला।

आकाशदीप ने पारी के नौवें ओवर में शानदान आउट स्विंगर के जरिये जाकिर हसन को गली पर खड़े यशस्वी जायसवाल के हाथों आउट कराया। पारी के शुरु से असहज महसूस कर रहे जाकिर ने 24 गेंदे खेली मगर खाता खोलने में वह असफल रहे वहीं शादमान गुड लेंथ गेंद को फ्लिक करने के प्रयास में चूके और पगबाधा करार दिये गये। इससे पहले बीती रात बारिश के कारण मैदान गीला होने के कारण टॉस भी एक घंटे विलंब से हुआ और दोनो टीमें करीब साढ़े दस बजे मैदान पर उतरी। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया। भोजनावकाश तक करीब दो घंटे के खेल में बांग्लादेश दो विकेट खोकर 74 रन बना चुका था। बारिश रुकने के बाद खेल करीब डेढ़ बजे फिर शुरु हुआ जिसमें भारतीयों को तीसरी सफलता नजमुल हुसैन शांतो (31) के रुप में हाथ लगी जिन्हे रविचंद्रन अश्विन ने पगबाधा आउट किया।

अभी नये बल्लेबाज विकेट पर ठीक से नजर रख ही नहीं सके थे कि बारिश फिर शुरु हो गयी और दोपहर करीब पौने तीन बजे अंपायरों ने दिन का खेल खत्म करने की घोषणा कर दी। मौसम विभाग के अनुसार कानपुर में शनिवार को भी वर्षा का अनुमान है हालांकि टेस्ट मैच के आखिरी के दो दिन चटक धूप निकलने के आसार हैं जिसका असर परिणाम पर पड़ना तय है।

ग्रीनपार्क की कम उछाल वाली पिच को देखते हुये भारतीय टीम में बदलाव के कयास लगाये जा रहे थे और आज सुबह कुलदीप यादव के नेट प्रैक्टिस करने से स्थानीय प्रशंसक भी खासे उत्साहित थे मगर टॉस के तुरंत बाद कप्तान रोहित शर्मा ने चेन्नई टेस्ट वाले अंतिम एकादश में किसी भी बदलाव करने की घोषणा से साफ मना कर दिया। रोहित ने टॉस् के बाद संक्षिप्त बयान में कहा कि वह पिच में व्याप्त नमी का लाभ उठाने के लिये चेन्नई टेस्ट की तरह तीन तेज गेंदबाजों के साथ मैदान पर उतरेंगे वहीं बांग्लादेश ने नाहिद राणा और तस्कीन अहमद के स्थान पर तैजुल इस्लाम और खालिद को जगह दी है।

रोहित शर्मा ने कहा कि पिछले मैच में हमारी शुरुआत अच्छी नहीं रही थी मगर बाद में टीम ने वापसी कर ली थी। यहां दिलचस्प है कि 1964 के बाद यह पहला मौका है जब किसी भी टीम ने टॉस जीत कर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया है क्योंकि ग्रीनपार्क की पिच पर चौथी पारी में खेलना अति दुष्कर हो जाता है।

अश्विन ने तोड़ा अनिल कुंबले का सालों पुराना रिकॉर्ड

एशियाई पिचों पर 420 विकेट का आंकड़ा छूने वाले पहले भारतीय बने

नई दिल्ली, 27 सितम्बर। कानपुर में भारत और बांग्लादेश के बीच दूसरा टेस्ट मैच खेला जा रहा है। हालांकि, बारिश के कारण पहले दिन का खेल बाधित रहा। लेकिन इस दौरान भारतीय स्पिनर आर अश्विन ने एक जादुई गेंद फेंक कर अनिल कुंबले का सालों पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है। और एशियाई पिचों पर 420 विकेट का आंकड़ा छूने वाले पहले भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। अश्विन ने बांग्लादेश की सबसे मजबूत साझेदारी नजमुल शंटो और मोमिनुल हक की जोड़ी को तोड़ने का काम किया।

बता दें कि, नजमुल शंटो और मोमिनुल हक ने भारतीय गेंदबाजों को काफी परेशान किया। भारतीय गेंदबाजों ने इस जोड़ी को तोड़ने के लिए काफी मशक्कत भी की। तभी आर अश्विन ने एक जादुई गेंद फेंकी और नजमुल शंटो अपना विकेट गंवा बैठे। मोमिनुल और शंटो के बीच 50 रनों की मजबूत साझेदारी हुई। 29वां ओवर आर अश्विन कर रहे थे, पहली चार गेंदें हो चुकी थईं और पांचवीं गेंद पर उनके सामने नजमुल शंटो थे। अश्विन ने शंटो को जाल में फंसाया और एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया। अंपायर ने आउट दिया और शंटो ने तुरंत डीआरएस ले लिया। लेकिन डीआरएस में भी शंटो नहीं बच पाए और उन्हें पवेलियन लौटना पड़ा।

एशिया में भारत की ओर से सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने का रिकॉर्ड अब अश्विन के नाम दर्ज हो गया है। इससे पहले ये रिकॉर्ड अनिल कुंबले और उनके नाम पर था। अनिल कुंबले के नाम एशिया में कुल 419 टेस्ट विकेट थे, जिसकी बराबरी अश्विन ने पिछले टेस्ट मैच में कर ली थी। सीरीज का पहला टेस्ट मैच चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम पर खेला गया था। जहां भारत ने 280 रनों से जीत दर्ज की थी।

भारत की अंडर-20 फुटबॉल टीम को ईरान ने 1-0 से हराया

विएंतियाने, 27 सितंबर। भारतीय फुटबॉल टीम को एएफसी अंडर-20 एशियाई कप क्वालीफायर के ग्रुप जी मुकाबले में शुक्रवार को चार बार की चैम्पियन ईरान ने 1-0 से हराया। आज यहां खेले गये मुकाबले में भारत की अंडर-20 टीम ने शानदार खेल का मुजाहिरा किया। लेकिन 88वें मिनट में ईरान के युसेफ माजराह ने भारतीय गोलकीपर प्रियांश दुबे को चौंकाते हुए गोल दाग कर अपनी टीम की जीत पक्की कर दी। इस जीत के साथ छह अंक लेकर ईरान ग्रुप में शीर्ष पर बना हुआ है। दो मैचों में तीन अंक के साथ भारत की अंडर-20 टीम ने ग्रुप में दूसरे स्थान पर है। भारतीय टीम अब रविवार को अपने अंतिम ग्रुप मैच में मेजबान लाओस से भिड़ेगी।

हीरो विमेंस इंडियन ओपन में शीर्ष भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी लेंगे भाग

नयी दिल्ली, 27 सितंबर। दक्षिण एशिया की सबसे बड़ी महिला गोल्फ प्रतियोगिता हीरो विमेंस इंडियन ओपन के 16वें संस्करण में यूरोपियन टूर (एलईटी) सीजन की सात विजेता और अन्य शीर्ष अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भाग लेंगी। डीएलएफ गोल्फ एंड कंट्री क्लब में 24 से 27 अक्टूबर आयोजित होने वाले इस टूर्नामेंट की पुरस्कार राशि 400,000 अमेरिकी डॉलर है। इसमें क्रिस्टीन वुल्फ, केमिली शेवेलियर, और कैरोलीन हेडवाल इसके अलावा 2024 के सीजन के विजेताओं के साथ-साथ भारत के शीर्ष खिलाड़ियों के भी इसमें शामिल होने की उम्मीद है। हीरो मोटोकॉर्प के एक्सीक्यूटिव वाईस प्रेजिडेंट संजय भान ने कहा, हीरो विमेंस इंडियन ओपन न केवल भारत का प्रमुख गोल्फ टूर्नामेंट है, बल्कि लेडीज़ यूरोपियन टूर (एलईटी) कैलेंडर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। हमें हर संस्करण के साथ टूर्नामेंट की वैश्विक प्रतिष्ठा को बढ़ते हुए देखकर गर्व होता है। हीरो में, हम खेलों को बढ़ावा देने, एथलीटों को सशक्त बनाने और उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम भारत में महिला गोल्फ को बढ़ावा देने में उनके असाधारण काम के लिए भारतीय महिला गोल्फ संघ (डब्ल्यूजीएआई) की सराहना करते हैं और एलईटी के साथ अपनी दीर्घकालिक साझेदारी को जारी रखने के लिए रोमांचित हैं। हम एक और रोमांचक संस्करण का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं और सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हैं। भारतीय महिला गोल्फ संघ की प्रेसिडेंट श्रीमती कविता सिंह ने कहा, भारत में महिला गोल्फ हर साल बेहतर होता जा रहा है! जबकि हमारी लड़कियाँ का विदेशों में बेहतरीन प्रदर्शन जारी हैं, उनमें से कई शीर्ष 10 में शामिल हैं और यहां तक कि पोडियम फिनिश भी दर्ज करती हैं, घरेलु गोल्फ की खबर भी उतनी ही उत्साहजनक है।

ब्रावो ने लिया क्रिकेट से संन्यास, केकेआर के मेंटर बने

मेरा शरीर अब खेलने की अनुमति नहीं दे रहा इसलिए दिल पर पत्थर रखकर सन्यास ले रहा हूं : ब्रावो

टी-20 क्रिकेट में 582 मैच खेलते हुए 631 विकेट लिये

नयी दिल्ली, 27 सितंबर। वेस्टइंडीज के दिग्गज ऑलराउंड ड्वेन ब्रावो ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने के कुछ घंटो बाद कोलकाता नाइट राइडर्स के मेंटर बन गये हैं। ब्रावो ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक पोस्ट में कहा, मेरा दिमाग अभी और क्रिकेट खेलना चाहता है लेकिन मेरा शरीर अब इसकी अनुमति नहीं दे रहा है। मैं अपने आप को ऐसी स्थिति में नहीं डाल सकता कि मेरे टीम के साथी, प्रशंसक और जिन टीमों का अभी मैं प्रतिनिधित्व करता हूं, वे मेरे से निराश हों। इसलिए दिल पर पत्थर रखकर मैं इस खेल से अपने संन्यास की घोषणा करता हूं। ब्रावो ने अपने 18 वर्ष के करियर में टी-20 क्रिकेट में कई कीर्तिमान हासिल किया। वह आईपीएल, पीएसएल और बिग बैश में ट्रॉफी विजेता टीमों का हिस्सा रहे। इसके साथ ही वह दो बार टी-20 विश्वकप जीतने वाली वेस्टइंडीज के दल का भी हिस्सा रहे। उन्होंने टी-20 क्रिकेट में 582 मैच खेलते हुए 631 विकेट लिए।

सीपीएल में ब्रावो ने पांच टाइटल जीते, जिसमें तीन उन्होंने ट्रिनबैगो नाइट राइडर्स के लिए तीन ट्रॉफी जीते। सीपीएल में पिछले कुछ सीज़न से ब्रावो युवा प्रतिभाओं को तराशने की भूमिका निभा रहे थे, वैसी ही भूमिका आईपीएल में इस समय महेंद्र सिंह धोनी सीएसके के लिए निभा रहे हैं।

ब्रावो आईपीएल के आगामी सत्र में गत विजेता कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के मेंटॉर होंगे। वह गौतम गंभीर की जगह लेंगे। ब्रावो ने हाल ही में सीपलए के मौजूदा सत्र के दौरान केकेआर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी वेंकी मैसूर के साथ मुलाकात की थी। ब्रावो केकेआर के अलावा अन्य लीग में भी नाइट राइडर्स फ्रैंचाइजी का हिस्सा होंगे, जिसमें ट्रिनबैगो नाइट राइडर्स (सीपीएल), लॉस एंजेलिस नाइट राइडर्स (एमएलसी) और अबु धाबी नाइट राइडर्स (आईएलटी 20) शामिल है। मैसूर ने अपने बयान में कहा, ब्रावो के जुड़ने से हम सभी उत्साहित हैं। उनके अंदर जीत का जज़्बा, उनका अनुभव खिलाड़ियों और फ्रैंचाइज़ी के लिए लाभकारी सिद्ध होगा।

वहीं ब्रावो ने अपने एक बयान में कहा, मैं पिछले 10 वर्षों से सीपीएल में ट्रिनबैगो नाइट राइडर्स का हिस्सा हूं। तमाम लीग में नाइट राइडर्स के लिए और उनके खिलाफ खेलने के दौरान मेरे मन में इस फ्रैंचाइजी के लिए काफी सम्मान जगा है, जिस तरह से यह संचालित होती है। मालिकों का जज्बा, प्रबंधन का पेशेवर रवैया और पारिवारिक माहौल इसे एक विशेष जगह बनाती है। चूंकि मैं एक खिलाड़ी से अब कोच की भूमिका में परिवर्तित हो रहा हूं, ऐसे समय में यह मेरे लिए एक सही मंच है।

कानपुर टेस्ट के दौरान बांग्लादेशी प्रशंसक हुआ बेसुध

कानपुर, 27 सितंबर। कानपुर में भारत और बांग्लादेश के बीच टेस्ट मैच के पहले दिन शुक्रवार को खेल के दौरान ग्रीनपार्क स्टेडियम परिसर में उस समय अफरातफरी मच गयी जब बांग्लादेश टीम का एक प्रशंसक बेहोश होकर सड़क पर गिर गया। सहायक पुलिस आयुक्त अभिषेक कुमार पांडे ने बताया कि टाइगर नामक एक बांग्लादेशी नागरिक आज स्टेडियम परिसर में गेट नंबर सात के पास बेसुध होकर गिर गया जिसे तुरंत उठाकर मीडिया गैलरी में लाया गया और प्राथमिक उपचार दिया गया।

क्रिकेट प्रशंसक के बेहोश होने की वजह उमस भरी गर्मी बतायी जा रही है। उसकी हालत अब ठीक है मगर एहतियात के तौर पर उसके साथ सहायता के लिये एक कर्मी की नियुक्ति की गयी है। उन्होने बांग्लादेशी प्रशंसक के साथ मारपीट की घटना को महज अफवाह करार देते हुये कहा कि वह अब बिल्कुल दुरुस्त है। इससे पहले कुछ मीडिया रिपोर्ट मे कहा गया था कि मीडिया गैलरी के बाहर सड़क पर टाइगर के वेश में एक युवक के साथ स्थानीय खेल प्रशंसको ने मारपीट की। आरोप है कि बांग्लादेशी नागरिक अपनी टीम का उत्साहवर्धन करने के साथ भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को गाली दे रहा था जिसका विरोध वहां बैठे कुछ स्थानीय युवकों ने किया था।

त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी सेमीफाइनल में, किदांबी हारे

शनिवार को सेमीफाइनल में भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी चीनी ताइपे की जोड़ी से भिड़ेगी

मकाऊ, 27 सितंबर। भारत की त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला युगल जोड़ी ने शुक्रवार को क्वार्टरफाइनल में चीनी ताइपे की सु इन हुई और लिन जी युन की जोड़ी को हराकर मकाऊ ओपन बैडमिंटन के सेमीफाइनल में जगह बना ली। वहीं पुरुष एकल के क्वार्टरफाइनल में किदांबी श्रीकांत को चीनी खिलाड़ी के खिलाफ मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा।

आज यहां मकाऊ ईस्ट एशियन गेम्स डोम में प्रतिस्पर्धा करते हुए त्रिशा और गायत्री की जोड़ी ने सीधे गेम में अपनी जीत सुनिश्चित की। भारतीय जोड़ी ने 39 मिनट तक चले मैच में 21-12, 21-17 से जीत हासिल की। महिला युगल स्पर्धा में भारतीय जोड़ी ने शानदार खेल का मुजाहिरा करते हुए पहले गेम में 8-4 की बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद त्रिशा और गायत्री की जोड़ी ने 15-7 की बढ़त के साथ गेम पर मजबूत पकड़ बना ली। मुकाबले में एक समय जब स्कोर 17-10 था तब भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने लगातार चार अंक बटोर कर मैच में 1-0 की बढ़त बना ली। दूसरा गेम बेहद रोमांचक रहा। एक समय दोनों टीमें 13-13 के स्कोर के साथ बराबरी पर थीं। लेकिन त्रिशा और गायत्री की भारतीय जोड़ी ने आक्रामक खेल दिखाते हुए 17-14 की बढ़त हासिल कर ली और वे लगातार अपनी लीड में इजाफा करते रहे और अंत में मैच को जीत कर सेमीफाइनल में जगह बना ली।

शनिवार को सेमीफाइनल में भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी चीनी ताइपे की जोड़ी हंग एन-त्जु और ह्सेह पेई शान से भिड़ेंगी। वहीं पुरुष एकल मुकाबले में छठी वरीयता प्राप्त किदांबी श्रीकांत को चीन के एंगस एनजी का लोंग से 31 मिनट तक चले मैच में 16-21, 12-21 से हार मिली। दुनिया के 38वें नंबर के खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत के खिलाफ पहले गेम में 25वें रैंक के खिलाड़ी ने 6-1 की बढ़त बना ली थी।

विहिप ने किया बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज का विरोध

कानपुर, 27 सितंबर। बांग्लादेश में हिन्दुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचार को लेकर विश्व हिन्दू परिषद कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को यहां शुरु हुये भारत बांग्लादेश मैच के दौरान ग्रीनपार्क स्टेडियम के निकट विरोध प्रदर्शन किया और नारेबाजी की। प्रदर्शनकारी बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू श्रृखंला का विरोध कर रहे थे। उनका कहना था कि बांग्लादेश में हिन्दुओं पर जुल्म ज्यादती हो रही है,ऐसे में बीसीसीआई और सरकार को बांग्लादेश के साथ मैच की अनुमति नहीं देनी चाहिये। विरोध प्रदर्शन के दौरान विहिप कार्यकर्ताओं की पुलिस से झड़प भी हुई। पुलिस ने लाठियां चलाई तो कार्यकर्ताओं ने जय श्रीराम का नारा लगाया और सड़क पर बैठ कर हनुमान चालीसा का पाठ करने लगे। सुबह ग्रीनपार्क में मैच शुरू होने के साथ विरोध शुरू हो गया। मूलगंज चौराहे से पदयात्रा करते हुए कार्यकर्ता परेड स्थित सद्भावना चौकी के सामने पहुंचे तो पुलिस ने उन्हे आगे जाने से रोक दिया।

इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया के सामने रखा सीरीज जीत के लिए 313 रन का विशाल लक्ष्य

नई दिल्ली, 27 सितंबर। मेजबान इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के चौथे वनडे में जीत के लिए 313 रन का लक्ष्य रखा है। लॉर्ड्स में खेले गए बारिश से प्रभावित मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। ऐसे में इंग्लैंड ने कप्तान हैरी ब्रूक की 58 गेंद में 87 रन लियाम लिविंगस्टोन की 27 गेंद में 62 की नाबाद और बेन डकेट की 62 गेंद में 63 रन की सधी हुई पारियों की बदौलत 39 ओवर में 5 विकेट पर 312 रन का स्कोर खड़ा किया। ऑस्ट्रेलिया को सीरीज अपने नाम करने के लिए 39 ओवर में 313 रन का विशाल लक्ष्य मिला है।

श्रीलंका का 602 रन का बड़ा स्कोर, न्यूजीलैंड की खराब शुरुआत, दो विकेट गिरे

कामिंडू मेंडिस, चांदीमल और कुसल मेंडिस ने जड़े अपने-अपने शतक

गाले, 27 सितंबर। कामिंडू मेंडिस (नाबाद 182), दिनेश चांदीमल (116), कुसल मेंडिस (नाबाद 106) की शतकीय पारियों के दम पर श्रीलंका ने दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन शुक्रवार को पांच विकेट पर 602 रन बनाने के बाद पारी घोषित करने के बाद न्यूजीलैंड के 22 रन पर दो विकेट चटकाते हुए मैच पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली है।

श्रीलंका ने कल के तीन विकेट पर 306 रन से आगे खेलते हुए अभी 22 रन ही जोड़े थे कि ग्लेन फिलिप्स ने एंजलो मैथ्यूज (88)को आउट कर पवेलियन भेज दिया। श्रीलंका का पांचवां विकेट 402 रन पर धनंजय डीसिल्वा (44) के रूप में गिरा। कप्तान धनजय डी सिल्वा के आउट होने के बाद मैदान पर आए कुसल ने 148 गेंद का सामना करते हुए अपना शतक पूरा किया। ग्लेन फिलिप्स के ओवर में छक्का लगाकर कुसल ने टेस्ट करियर का 10वां शतक जड़ा। शतक पूरा करने के लिए मेंडिस ने छह चौके और तीन छक्के लगाए। कुसल ने कामिंदु मेंडिस के साथ छठे विकेट के लिए 200 रन की साझेदारी की। कामिंडू मेंडिस ने 250 गेंदों में 16 चौके और चार छक्के लगाते हुए (नाबाद 182) रनों की पारी खेली।

श्रीलंका ने दूसरे दिन के आखिरी सत्र में पांच विकेट पर 602 रन पर पारी घोषित की। कामिंदु मेंडिस (नाबाद 182) और कुसल मेंडिस (106) रन बनाकर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड की ओर से ग्लेन फिलिप्स ने तीन विकेट लिये। वहीं टीम साउदी ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने पहले ही ओवर में टॉम लेथम (2) का विकेट गवां दिया। उन्हें असिता फर्नांडो ने आउट किया।

आरसीए एडहॉक कमेटी ने लेटर लिख कार्यकाल 3 महीने बढ़ाने की मांग की

जयपुर, 27 सितम्बर। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन एडहॉक कमेटी ने रजिस्ट्रार को लेटर लिख चुनाव कराने के लिए कार्यकाल 3 महीने बढ़ ाने की मांग की है। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन एडहॉक कमेटी के संयोजक और विधायक जयदीप बिहाणी ने रजिस्ट्रार को लेटर लिख इसकी मांग की।

दरअसल, राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की कार्यकारिणी को भंग कर सरकार ने 28 मार्च के दिन एडहॉक कमेटी का गठन किया था। इसे 3 महीने में राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के चुनाव कराने की जिम्मेदारी दी गई थी। लेकिन 6 महीने बाद भी सरकार द्वारा गठित की गई एडहॉक कमेटी राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के चुनाव नहीं करा पाई है। इसका कारण बताते हुए जयदीप बिहाणी ने बताया- पहले के काफी दस्तावेज गायब है या पूर्व कार्यकारिणी के कब्जे में हैं।

जयदीप बिहाणी ने रजिस्ट्रार को लेटर लिख कहा- 28 मार्च के दिन सरकार ने एडहॉक कमेटी का गठन किया था। इसके बाद 29 जून को एडहॉक कमेटी की समय अवधि को बढ़ाया गया। लेकिन के मौजूदा हालात में अपने 6 महीने के कार्यकाल में कमेटी राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के चुनाव नहीं करा पाई है। ऐसे में एडहॉक कमेटी के कार्यकाल को 3 महीने और बढ़ाया जाए। ताकि राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के लंबित चुनाव संपन्न हो सके। रजिस्ट्रार को लिखे लेटर में बिहाणी ने कहा कि राज्य क्रीडा परिषद द्वारा एमओयू खत्म होने के बाद राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के ऑफिस को सील कर दिया गया था।

उस वक्त पूर्व कार्यकारिणी के पदाधिकारी ऑफिस छोड़कर चले गए थे। इसके बाद एडहॉक कमेटी ने राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन से जुड़े दस्तावेज देखने की कोशिश की। लेकिन काफी दस्तावेज गायब मिले। उन्होंने कहा- हमारी कमेटी ने पूर्व पधाधिकारियों से महत्वपूर्ण दस्तावेजों की जानकारी भी चाही थी। लेकिन उन्होंने अब तक हमें दस्तावेज उपलब्ध नहीं करवाए।

बल्कि, के मास्टर फाइल, डिस्पैच रजिस्टर, एजीएम मिनिट्स जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेज तो आज तक गायब हैं। या फिर पूर्व कार्यकारिणी के कब्जे में ही है। इसके खिलाफ हमने जयपुर के ज्योति नगर थाने में शिकायत भी दर्ज कराई है।

UNIVERSITY OF ENGINEERING & MANAGEMENT

IEM - UEM Group | Jaipur and Kolkata

IEM & UEM Institutions are Founded and Managed by IITians and Majority of Faculty are IITians

Global Ratings: PLATINUM I-GAUGE | PLATINUM I-GAUGE | DIAMOND I-GAUGE | DIAMOND I-GAUGE | DIAMOND I-GAUGE

Times Higher Education Impact Rankings 2024 | GLOBAL UNIVERSITY RANKINGS | NATIONAL INSTITUTIONAL RANKING FRAMEWORK | SHALBY ACADEMY (A Unit of SHALBY LIMITED) | AIMA ALL INDIA MANAGEMENT ASSOCIATION MEMBER | UGC (University under Section 2(f) of the UGC Act) | AICTE APPROVED | NAAC ACCREDITED | AIU MEMBER

UEM Jaipur is Ranked in The Top Position in North India under Institutions Innovation Council by Ministry of Education, Govt. of India

Admissions Open

INDUSTRY ASSOCIATED DUAL DEGREE PROGRAM

- **CSE** DATA SCIENCE - SAS
- **CSE** CLOUD COMPUTING & VISUALIZATION
- **BBA** DIGITAL BUSINESS - IIDE

"Students may opt for Dual Degree Programs - for example, a student may select Civil Engineering as major degree with CSE as minor degree or vice-versa"

B.TECH

- CSE - ARTIFICIAL INTELLIGENCE & MACHINE LEARNING (AIML)
- COMPUTER SCIENCE & ENGINEERING WITH SPECIALIZATION
- Artificial Intelligence & Machine Learning (AIML)
- Block Chain Technology
- Big Data Analytics | Cloud Computing
- Cyber Forensic & Internet Security
- ELECTRONICS & COMMUNICATION ENGINEERING (ECE)
- Robotics & Artificial Intelligence
- VLSI Design & Technology
- Minor in Compute Science
- ELECTRICAL ENGINEERING (EE)
- Electrical & Computer Engineering
- Electrical & Electronics Engineering
- MECHANICAL ENGINEERING (ME)
- Automobile Engineering
- CIVIL ENGINEERING (CE)
- Sustainable Construction Engineering

M.TECH

WITH SPECIALIZATION

- COMPUTER SCIENCE & ENGINEERING
- Big Data Analytics
- Cloud Computing
- Data Science
- Information Security
- ELECTRICAL ENGINEERING (EE)
- Power System Engineering
- Power Electronics & Drives
- Control System Engineering
- ELECTRONICS & COMMUNICATION ENGINEERING (ECE)
- Communication Engineering
- Micro-Electronics & VLSI
- Radio Frequency & Microwave Engineering
- MECHANICAL ENGINEERING (ME)
- Production Engineering
- Thermal Engineering
- CIVIL ENGINEERING (CE)
- Structural Engineering

BBA/MBA

- BACHELOR OF BUSINESS ADMINISTRATION
- MASTER OF BUSINESS ADMINISTRATION
- MBA with Dual Specialization
- Marketing • Finance • Human Resource
- Business Analytics

MBA Hospital & Healthcare Management

BPT/MPT

- BACHELOR OF PHYSIOTHERAPY
- MASTER OF PHYSIOTHERAPY
- Cardiopulmonary | Neurology
- Pediatrics | Orthopaedics
- Musculoskeletal
- Sports

POST GRADUATE DIPLOMA IN YOGA

BCA/MCA

- BACHELOR OF COMPUTER APPLICATION
- Data Science • Cloud Computing
- Big Data Analytics
- Block Chain Technology
- Cyber Forensic & Information Technology
- Artificial Intelligence & Machine Learning
- MASTER OF COMPUTER APPLICATION

MBA Executive

M.Sc. in Computer Science

Ph.D

- Computer Science & Engineering
- Electrical Engineering • Civil Engineering
- Mechanical Engineering • Management
- Electronics & Communication Engineering
- Physics • Chemistry • Mathematics
- Humanities • English

Awarded for Zee Rajasthan Awards in Education Excellence 2024

Ranked # 4 Position in North Zone as TOP BBA Institute by Times B School Rankings

Awarded for Excellent Placements in Engineering and Management - Domestic & International

Awarded for Most Trusted University with Skill Based Quality in Education and Best Placements in Rajasthan

Ranked # 36 amongst TOP Private University in all over India

Ranked # 23 for BCA - All India Private & Government Colleges

MORE 300+ THAN Patents

500+ RESEARCH PAPERS

₹ 5 CRORES+ WORTH SCHOLARSHIPS PROVIDED TO THE MERITORIOUS STUDENTS

₹ 72 LPA HIGHEST ANNUAL SALARY OFFERED

UEM JAIPUR has Highest Funded Patents in Rajasthan from Govt. of India

One of the Best PLACEMENT RECORDS of the Country
Placements at UEM Jaipur Continues till the last willing student is placed

NUMBER OF Students Placed 2375

NUMBER OF JOB OFFERS 3564+

COMPANIES VISITED 600+

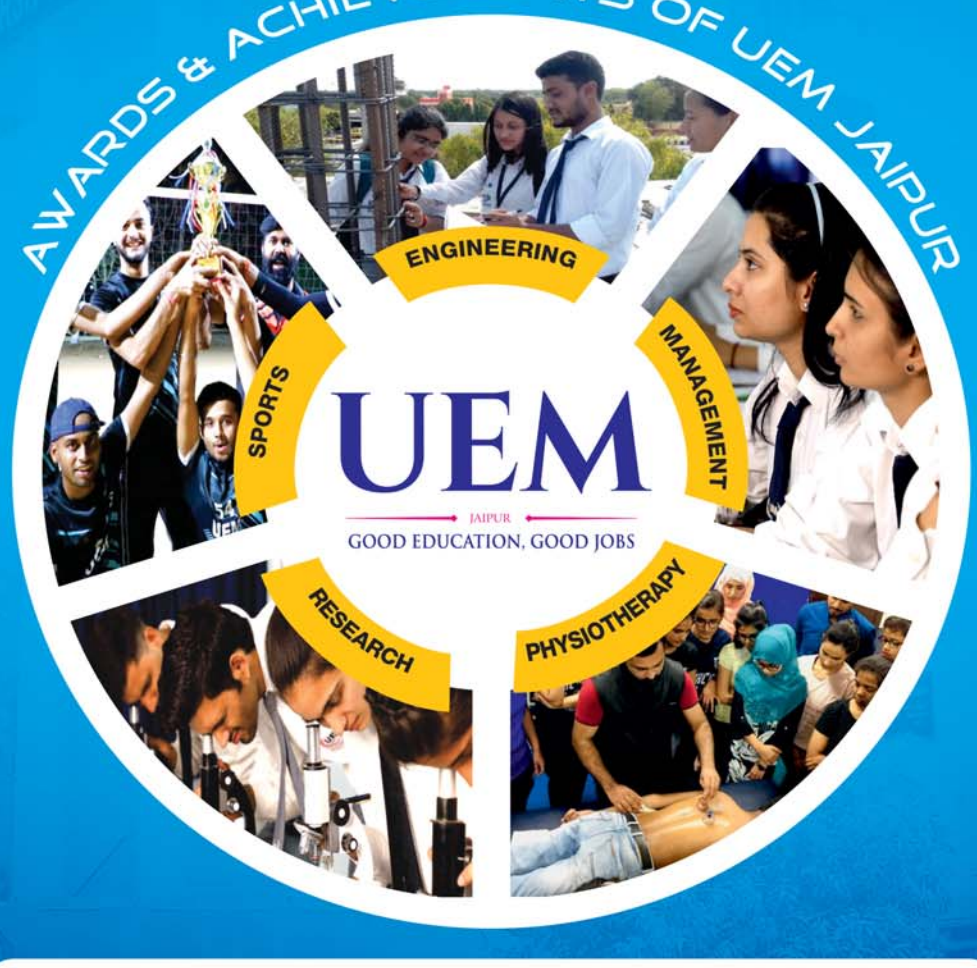

Academic Partners: TCS TATA CONSULTANCY SERVICES | IBM | SAS | IIDE THE DIGITAL SCHOOL | CAMBRIDGE

FOREIGN UNIVERSITY COLLABORATIONS UNLV | 岩手県立大学 | GIIM | Brunel University London | RICHARD A. CHAIFETZ SCHOOL OF BUSINESS SAINT LOUIS UNIVERSITY | RENNES SCHOOL OF BUSINESS

MORE THAN 8000+ CERTIFICATION HARVARD BUSINESS SCHOOL | edX | LinkedIn Learning | CAMBRIDGE | coursera Education for Everyone

5 LABORATORIES ESTABLISHED BY INDUSTRY

STUDY ABROAD PROGRAM
USA, CANADA, UK, AUSTRALIA & SINGAPORE

One of the Leading University for 6G Projects, Government of India

PARTICIPATE IN OFFLINE IEMJEE 2024 EXAM TO AVAIL EXCELLENT SCHOLARSHIPS

APPLY ONLINE: www.uem.edu.in

Admission Helplines:

Campus: 'Gurukul', Udaipuria Mod, Sikar Road, 6 Kms. from Chomu, Jaipur - 303807 (Raj.)
City Office: 210-212, IInd Floor, Apex Tower, Lalkothi, Tonk Road, Jaipur | M: 9887933330

9887313330, 9887806930
9887413330, 9887613330